ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिवकुमार समेत अन्य नेता परमेश्वर के समर्थन में खड़े हुए @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 23 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-141

नेपाल के रास्ते यूपी उत्तराखंड में जड़ें जमा रहा धर्मांतरण सिंडिकेट

सावधान! देश में बढ़ते जा रहे हैं पगड़ी वाले ईसाई

लखनऊ/देहरादून, 22 मई (एजेंसियां)। देश में बड़ी तेजी से पगड़ी वाले ईसाई लोगों की तादाद बढ़ रही है। सिखों का धर्मांतरण कराने वाले ईसाई पादरियों ने दक्षिण भारत के केरल, तेलंगाना, कर्नाटक से लेकर पंजाब और सीमा पार नेपाल तक अपना अड्डा बना लिया है। नेपाल से आने वाले पादरी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में सिखों का बेतहाशा धर्मांतरण करा रहे हैं। अकेले उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में कुछ ही अर्से में 3000 से अधिक सिखों को ईसाई धर्म में शामिल कराया गया। पीलीभीत के कई गांवों में सिखों के घरों पर क्रॉस के निशान लगे मिल जाएंगे। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी और उत्तराखंड के उधमसिंह नगर, काशीपुर, रुद्रपुर, गदरपुर से लेकर हल्द्वानी तक के क्षेत्रों में सिखों का ईसाईकरण तेजी से हो रहा है। सिखों को विदेश भेजने और पैसे का लालच देकर उनका धर्म बदलवाया जा रहा है।

इस इलाके में नेपाल के ईसाई पादरियों द्वारा सिखों का धर्मांतरण कराने का धंधा वर्ष 2012 से ही चल रहा है। विदेशी ताकतों के इशारे पर सिखों को निशाना बनाया जा रहा ह। खुफिया एजेंसियां कहती हैं कि यह केवल धार्मिक मामला नहीं,

देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक : खुफिया एजेंसियां

बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उत्तर प्रदेश का सिख बहुल जिला पीलीभीत भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है। यहां सिख बहुल गांवों में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का मामला सामने आ रहा है। यह मुद्दा न केवल धार्मिक पहचान से जुड़ा है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित एक सुनियोजित साजिश का भी संदेश देता है। ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल के अनुसार, बीते कुछ अर्से में केवल पीलीभीत में 3,000 से ज्यादा सिखों का धर्मांतरण कर उन्हें ईसाई बनाया गया।

पीलीभीत के हजारा थाना क्षेत्र के कई गांव मसलन बैल्हा, टाटरगंज, बम्मनपुरा भगीरथ और सिंघाड़ा में सिख समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है। इन गांवों में लगभग 20,000 से 30,000 सिख रहते हैं, जो मुख्य रूप से खेती और छोटे-मोटे व्यवसायों पर निर्भर हैं। स्थानीय लोगों और सिख संगठनों के अनुसार, वर्ष 2020 से नेपाल सीमा से सटे इन क्षेत्रों में धर्मांतरण की गतिविधियां तेज हुई हैं। इन गतिविधियों का केंद्र नेपाल से आए प्रोटेस्टेंट पादरी और उनके द्वारा बनाए गए कुछ स्थानीय पास्टर हैं, जो आर्थिक प्रलोभन, विदेश प्रवास की गारंटी, अंधविश्वास और रोग निवारण सभाओं के जरिए सिखों को ईसाई मजहब अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

इस बार मामले का आधिकारिक तौर पर खुलासा तब हुआ जब बैल्हा गांव की सिख महिला मंजीत कौर ने 13 मई 2025 को पीलीभीत के हजारा थाने में शिकायत दर्ज कराई। मंजीत ने आरोप लगाया कि उसके पति को पहले ही बहला-फुसलाकर ईसाई बनाया जा चुका है। अब उस पर और उसके बच्चों पर भी धर्म परिवर्तन का दबाव डाला जा रहा है। उसने बताया कि जब उसने धर्म परिवर्तन से इन्कार किया, तो उसके खेतों को नुकसान पहुंचाया गया और बच्चों के साथ मारपीट की गई।

▶10 पर

कानून व्यवस्था के लिए खतरा है धर्मांतरण: हाईकोर्ट

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर सामूहिक धर्म परिवर्तन जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखाधड़ी से किया जा रहा हो, तो पुलिस अधिकारी बिना किसी पीड़ित या उनके रिश्तेदार की शिकायत के बगैर भी एफआईआर दर्ज कर सकते हैं और कार्रवाई कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने वर्ष 2024 में इस कानून में हुए संशोधन का जिक्र करते हुए कहा कि अब तो कोई भी व्यक्ति इस तरह के अपराध की शिकायत कर सकता है। हाईकोर्ट ने इसे स्पष्ट करने वाला संशोधन माना और कहा कि यह पुराने मामलों पर भी लागू होता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में गैरकानूनी धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए बनाए गए कानून उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत यह अहम फैसला सुनाया है। यह फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद दिवाकर की बेंच ने सुनाया और जौनपुर जिले में दर्ज एक एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। दुर्गा यादव नाम के आरोपी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीकानेर पहुंचे पीएम मोदी ने कहा

मेरी नसों में लहू नहीं सिंदूर बह रहा है

जयपुर/बीकानेर, 22 मई (एजेंसियां)। बीकानेर दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। अगर भारत पाकिस्तान से बात करेगा तो वह सिर्फ पीओके पर ही करेगा। पीएम मोदी ने साफ-साफ कहा, पाकिस्तान को पानी नहीं दिया जाएगा और कोई व्यापार नहीं होगा। सीमापार से आतंकवाद खत्म हो और आतंकवाद को पालने-पोसने का तरीका बंद हो तभी अन्य रास्ते खुल सकते हैं। पहलगाम घटना के बाद पाकिस्तान पर भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री का पहला राजस्थान दौरा हुआ। पीएम मोदी ने आतंकवादी देश पाकिस्तान पर तगड़ा प्रहार करते हुए कहा, मेरी नसों में अब गरम लहू नहीं, सिंदूर बह रहा है। हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान को भारत के पानी का हक नहीं मिलेगा, यह हमारा संकल्प है। कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती। प्रधानमंत्री ने राजस्थान को 26 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों की

आतंकवादियों और आतंकपरस्तों को मिट्टी में मिला देंगे

अब यही नीति है, यही रीति है और यही नया भारत है

सौगात भी दी और 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इन सभी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया गया है।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, एक ओर हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं, वहीं नदियों को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। इससे यहां की धरती और किसानों को लाभ मिलेगा। राजस्थान की वीर भूमि हमें सिखाती है कि देश और देशवासियों से बढ़कर कुछ नहीं है। 22 तारीख को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर माताओं बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, लेकिन वे गोलियां 140 करोड़ देशवासियों के सीने को छलनी कर गई थीं। इसके बाद देश ने संकल्प लिया कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। आज हमारी सेना के शौर्य से हम उस प्रण पर खरे उतरे हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी थी। तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए कहा, हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट कर दिए। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। यह संयोग ही है कि पांच साल पहले जब बालाकोट में एयर स्ट्राइक हुई थी, तब मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी। यह वीर भूमि का प्रभाव ही है कि ऐसा संयोग फिर बना है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब मेरी पहली जनसभा बीकानेर में हो रही है।

▶10 पर

नीदरलैंड में बोले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर

पहलगाम आतंकी हमले का सरगना है आसिम मुनीर

एम्सटर्डम, 22 मई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को पहलगाम हमले का सरगना करार दिया। जयशंकर ने कहा कि आसिम मुनीर धार्मिक कट्टरपंथी है और पहलगाम आतंकी हमला उसी की साजिशी सोच का नतीजा है। नीदरलैंड के एक समाचार पत्र के साथ बातचीत में डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी किए गए आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। पहलगाम आतंकी हमले पर डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारतीय क्षेत्र जम्मू कश्मीर में बर्बर आतंकी हमला किया गया, जहां 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई। यह हमला कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर किया गया था क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर ही आधारित है। हमले के द्वारा धार्मिक भेदभाव को बढ़ाने की कोशिश की गई और लोगों को धर्म पूछकर मारा गया। पाकिस्तान की सेना के जो प्रमुख हैं, वो खुद धार्मिक कट्टरपंथी हैं। पहलगाम में हुआ आतंकी हमला उसी कट्टरपंथी सोच का नतीजा है।

आतंकी हमला हुआ तो भारत तगड़ा पलटवार करेगा

विदेश मंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे टीआरएफ और लश्कर ए तैयबा जैसे आतंकी संगठन हैं और टीआरएफ ने हमले की जिम्मेदारी भी ली है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 2023, 2024 में टीआरएफ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। जयशंकर ने कहा कि हमने पहलगाम आतंकी हमला करने वाले लोगों की पहचान की और ये कोई छिपी हुई बात नहीं है और उसके बाद उन्हें निशाना बनाया। साथ ही किसी सैन्य या नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों के समर्थन में भारत पर हमला किया। भारतीय विदेश मंत्री ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया।

▶10 पर

किश्तवाड़ में दो आतंकी मारे गए, एक जवान शहीद

किश्तवाड़, 22 मई (ब्यूरो)। जम्मू -कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को संयुक्त सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान में एक जवान शहीद हो गया। मुठभेड़ अभी जारी है। अनुमान है कि अभी भी दो आतंकी घिरे हुए हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादियों के खिलाफ 11 राष्ट्रीय राइफल्स, 7 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) सहित संयुक्त बलों ने किश्तवाड़ जिले के सिंघपोरा, छात्रू इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। आतंकियों की संख्या चार बताई गई थी।

▶10 पर

पाक उच्चायोग का एक और अफसर अवांछित

24 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक और अधिकारी को अवांछित घोषित कर दिया है। उसे 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के आदेश हैं। इस संबंध में पाकिस्तान उच्चायोग को आपत्ति पत्र भेजकर चेतावनी भी दी गई है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में अपने आधिकारिक दर्जे के अनुरूप आचरण नहीं करने के कारण अवांछित

▶10 पर

वन क्षेत्र बढ़ने के सरकारी दावों की पोल खुली

भारत ने गंवा दिए 18,200 हेक्टेयर वन

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार हो या देश की अन्य राज्य सरकारें, सब यह दावा करती हैं कि वन क्षेत्र में वृद्धि हो रही है और लाखों करोड़ों पौधे लगा कर वनाच्छादन बढ़ाया जा रहा है। लेकिन ये सब सरकारी दावे फर्जी साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ ज्यादा ही आगे बढ़ कर यूपी का वनक्षेत्र बढ़ने का दावा करते रहते हैं। योगी का यह दावा विकास ने नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के तथ्य पर पर्दा डालने की कोशिश है। जमीनी असलियत यही है कि भारत ने 2024 में 18,200 हेक्टेयर प्राथमिक वन गंवाए हैं। 2001 से अब तक कुल 23.1 लाख हेक्टेयर हरियाली खत्म हो गई,

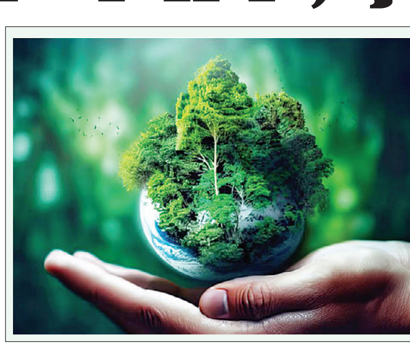

ग्लोबल रिपोर्ट से सामने आई जमीनी असलियत

उत्तर प्रदेश के जंगलों की हालत अत्यंत दयनीय

जिससे 1.29 गीगाटन सीओटू का उत्सर्जन हुआ। यह संकट देश की पारिस्थितिकी और जलवायु दोनों के लिए भीषण खतरा है।

भारत ने 2024 में 18,200 हेक्टेयर बेशकीमती प्राथमिक वनों को खो दिया। साल 2023 के 17,700 हेक्टेयर के मुकाबले थोड़ा अधिक है। यह आंकड़ा 100 से अधिक संगठनों की वैश्विक साझेदारी से प्राप्त हुआ है। इसे ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच और मैरीलैंड विश्वविद्यालय ने जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2001 से अब तक कुल 23.1 लाख हेक्टेयर वृक्षों की हरियाली खो दी है। यह नुकसान कुल वृक्षावरण का लगभग 7.1 फीसदी है। इससे लगभग 1.29 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन हुआ है। इस वृक्षावरण हानि में एक बड़ा हिस्सा आर्द्र प्राथमिक वनों का है। इन वनों को चिरकालीन वन भी कहा जाता है। यह ऐसे वन हैं जो बहुत पुराने हैं और इनमें मानवीय दखल से बहुत कम या बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है।

▶10 पर

210 करोड़ पौधे लगा कर वन-क्षेत्र बढ़ने का बेमानी दावा

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि पिछले आठ साल में 210 करोड़ पौधे लगा कर वन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि की गई। योगी ने यह नहीं बताया कि आठ साल में लगाए गए 210 करोड़ पौधों में से कितने बचे और पेड़ बने। सीएम योगी कहते हैं कि लगभग 70-75 प्रतिशत पौधे बच गए। जबकि वन विशेषज्ञों का कहना है कि पौधों के जीवित बचने की दर महज 50 से 60 प्रतिशत रहती है।

▶10 पर

असम तुम्हारा तो चटगांव तक हमारा है

बांग्लादेश के मैप पर असम के सीएम ने कहा

गुवाहाटी, 22 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश द्वारा जारी विवादास्पद मानचित्र पर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, अगर बांग्लादेश के मौलाना असम को अपना हिस्सा बताएंगे, तो भारत के पुरोहित भी चटगांव को अपना हिस्सा बताएंगे। नक्शा बनाने से असलियत नहीं बदलती।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बांग्लादेश के मानचित्र को खारिज करते हुए यह बात कही। मानचित्र में दावा किया गया है कि असम के कई इलाके बांग्लादेश का हिस्सा हैं।

▶10 पर

स्वाद और सेहत का अनूठा संगम

एक भव्य और सेहतमंद पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा स्वाद और सेहत का अनूठा संगम, एक भव्य और सेहतमंद पाक कला प्रतियोगिता, जायका पेट से दिल तक, का आयोजन जेएटीएफ बालडोटा हॉस्टल में किया गया। यह कार्यक्रम हेल्थ एंड न्यूट्रिशन वर्टिकल के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, प्रतियोगिता में भाग लेना ही अपने आप में एक जीत है। तनाव से नहीं, आनंद से पकाइए। उन्होंने कहा कि स्वाद जब सेहत से मिल जाए, तो हर रसोई एक मंदिर बन जाती है और हर महिला उसकी देवी। उन्होंने कहा, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है और आज हर प्रतिभागी ने दिल जीत लिया है। आप सभी अपनी-अपनी रसोई की रानी हैं। कविता मुथा, कार्यक्रम की संयोजक, ने नियमों को विस्तार से समझाया। प्रतिभागियों को एक स्टार्टर, एक मुख्य व्यंजन, और एक डेसर्ट बनाने के निर्देश दिए गए थे, जिसमें स्वाद और पौष्टिकता दोनों का ध्यान रखा गया। जजों के रूप में प्रसिद्ध कुलिनरी एजुकेटर विमकी गिरिया और लोकप्रिय फूड इन्फ्लुएंसर पूजा बोथरा उप-स्थित थी। दोनों ने हर प्रतिभागी से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनके व्यंजनों की सामग्री, यू एस पी और न्यूट्रिशन वैल्यू को समझा। निर्णय स्वच्छता, प्रस्तुति, पौष्टिकता और नवाचार के आधार पर किया गया। जजों का परिचय को-कन्वीनर अंगिका बाफना द्वारा कराया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन चीफ सेक्रेटरी निधि पालरेचा ने बहुत ही प्रभावशाली ढंग से किया।

जीतो महिला विंग केकेजी जोन संयोजक पिंकी जैन ने घोषणा की कि श्वेता बोकेडिया और अर्पिता लाधानी, जो पहले और दूसरे स्थान पर रहीं, वे 28 जून को बल्लारी में आयोजित होने वाली जोनल जायका प्रतियोगिता में बेंगलूरु साउथ का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने आने वाले नेशनल जायका इवेंट की जानकारी भी दी, जिसमें देशभर के जोन को एक सामान्य सामग्री दी जाएगी, जिसे हर चैप्टर अपने अंदाज में प्रस्तुत करेगा। पहला स्थान श्वेता बोकाडिया को मिला जिसने मैसूर पाक टार्ट विथ मैंगो एंड चिली पेस्टो चटनी बनाए थे। दूसरा स्थान अर्पिता लधानी के टिक-टैक-टो पुल-आउट ब्रेड और वियतनामी कोपिडा को मिला। तीसरा स्थान प्राप्त किया संतोष मेहता ने जिसके वियतनामी स्प्रिंग रोल्स बहुत स्वादिष्ट थे। प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता पुष्पा गुलेचा का मिनी ढोकला और गोंद कतीरा, रचिता सुराणा के ब्लू पी राइस बाउल, राजुल जैन का मल्टीग्रेन रवा डोसा, रुत्वी शाह का तिरामिसू, समता ओस्तवाल के कॉर्न क्रोकेट्स, हेतल जैन की रस्मलाई और सुमित्रा सेठिया की चीज सैंडविच लाजवाब थी। उपहार प्रायोजक पिजन अप्लायंसेस के स्टॉवक्राफ्ट थे। इस मौके पर अनिता पिरगल जेआईआईएफ एवं जे-पॉइंट के एपेक्स संयोजक, सुनीता गांधी श्रवण आरोग्यम एपेक्स संयोजक, बिंदु रायसोनी स्मॉल हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल एपेक्स संयोजक, राजकुमार कोठारी जेएटीएफ हॉस्टल संयोजक और चित्रा मेहता सह- संयोजक, रक्षा छाजेड़ जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की मुख्य सचिव, मीना बडेरा वाइस चेयरपर्सन, प्रभा गुलेचा पूर्व वाइस चेयरपर्सन, सचिव साक्षी नाहर, प्रिया गांधी, हेमा सोलंकी, तरुणा मेहता, रेखा विनोद और अस्मिता चौहान आदि लोग उपस्थित थे। अंगिका बाफना ने आभार जताया।

चार दिवसीय कॉर्डेलिया क्रूज टूर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आज के मनोवैज्ञानिक युग में शिक्षण एवं नेटवर्किंग को मनोरंजक, आकर्षक, रुचिकर एवं समृद्ध बनाने के कई प्रयास होते हैं, जिनमें से एक प्रभावशाली माध्यम पर्यटन यात्रा भी है। यह न केवल शिक्षा को व्यावहारिक बनाती है, बल्कि सामाजिक संपर्क को भी सुदृढ़ करती है। इसी क्रम में जीतो महिला विंग, केकेजी जोन एवं बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के कुशल नेतृत्व में एक विशेष एवं रोमांचक समुद्री यात्रा स्वर्ग की ओर पलायन - कॉर्डेलिया क्रूज टूर का आयोजन किया गया है।

यह चार दिवसीय क्रूज यात्रा बुधवार को आरंभ हुई, जो 24 मई तक चलेगी। इस यात्रा में लगभग 34 प्रतिभागी कोच्चि, लक्षद्वीप और मुंबई जैसे मनोहारी स्थलों की सैर करेंगे। इस क्रूज यात्रा के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हैं निर्मल समुद्र तटों पर विश्राम, प्रवाल भित्तियों और समुद्री जीवन की खोज, तथा क्रिस्टल जैसे स्वच्छ जल में स्नॉर्कलिंग और डाइविंग का अद्वितीय अनुभव।

यह यात्रा न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि आत्मिक शांति, सामाजिक मेल-मिलाप और नेटवर्किंग को भी नई दिशा देगी। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने कहा कि समुद्र की गहराई की तरह हमें भी जीवन में गंभीरता और गहराई लानी चाहिए। इस यात्रा के दौरान प्रतिभागी नयी संस्कृतियों, जीवनशैली, भाषाओं और अनुभवों से परिचित होंगे, जो उनके व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाएगा। इस सफल आयोजन की योजना संयोजिका संगीता मुथा एवं सह-संयोजिका प्रेमा रांका द्वारा की गई, जबकि सहमंत्री मीना बड़ेरा और कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता ने पूर्ण समर्पण के साथ व्यवस्थाओं का संचालन किया। पूर्व अध्यक्ष मधु डोशी एवं कार्यसमिति सदस्य साधना धोका का विशेष सहयोग रहा। जीतो केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना, महामंत्री दिलीप जैन, महिला विंग कन्वीनर पिंकी जैन, बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी एवं महिला विंग कन्वीनर नेमीचन्द दलाल ने इस अंतरसांस्कृतिक यात्रा हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

जन्म जयंती समारोह में सानिध्य प्रदान करने की विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अम्बेश गुरु सेवा समिति, बेंगलूरु के तत्वावधान में मेवाड़ संघ शिरोमणि अम्बालाल का जन्म जयंती समारोह मेवाड़ भवन, यशवंतपुर में तप त्याग के माध्यम से भव्य रूप से मनाया जाएगा। यह शुभ अवसर बेंगलूरु में विराजित समस्त संत सतिवृंद के पावन सानिध्य में सम्पन्न होगा। श्रमण संघीय उप प्रवर्तक घोर तपस्वी नरेशमुनि तथा उप प्रवर्तिनी तप कौमुदी साध्वी निर्मला और साध्वी आगमश्री से समारोह में पधार कर सानिध्य देने की विनम्र विनती समिति के पदाधिकारियों द्वारा की गई।

इसके पूर्व समिति की ओर से पंडित रत्न ज्ञानमुनि, उप प्रवर्तक पंकजमुनि, साध्वी कंचनकंवर, साध्वी ऋद्धिश्री की विनती की।

समिति के अध्यक्ष लादुलाल ओस्तवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुखराज मेहता, मंत्री सुरेन्द्रकुमार आंचलिया, सह मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कोठारी सहित अन्य मौजूद रहे। यह आयोजन तप, त्याग और साधना की परंपरा को समर्पित होगा तथा साध्वी साधु भगवंतों के मंगल आशीर्वाद से जनमानस को आध्यात्मिक प्रेरणा प्राप्त होगी।

कांठा प्रांत प्रीमियर लीग का आगाज

जो खेलेगा वही खिलेगा: महेंद्र मुणोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु द्वारा कांठा समाज की युवा प्रतिभाओं को खेल का उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष आयोजित होने वाले मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता केपीपीएल सीजन 7 की शुरुआत बीईएल ग्राउंड में हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों से खेल की भावना के साथ खेलते हुए अच्छे प्रदर्शन का अनुरोध किया। मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा जो फिट रहता है वह जीवन के हर क्षेत्र में हिट रहता है। सफलता का फिटनेस से गहरा संबंध है। समाज का हर युवा फिट रहे इस उद्देश्य से पिछले 7 वर्षों से कांठा प्रांत जैन

ट्रस्ट खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करता आया है। खेलकूद से शारीरिक मानसिक व्यक्तित्व विकास तो होता ही है, भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने यह भी कहा भगवान महावीर ने भाग्यवाद नहीं पुरुषार्थवाद का संदेश दिया है जो केवल भाग्य पर विश्वास करते हैं उन्हें वही मिलता है जो उनके भाग्य में लिखा है। लेकिन जो स्वयं पर विश्वास करते हैं और पुरुषार्थ करते हैं उन्हें वह सब कुछ मिलता है जो उन्हें चाहिए। उन्होंने यह भी कहा मैदान में खेल रहा है कांठा प्रांत, चाहे कोई भी टीम जीते जीतेगा कांठा प्रांत।

ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि इस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन महेन्द्र कुमार हंसराज मुणोत के मुख्य प्रायोजन, ललितकुमार जतिनकुमार गांधी के फूड प्रायोजन, उत्तमचंद मनीषकुमार कोठारी के ऑक्शन प्रायोजन, सुखीबाई कपूरचंद चानोदिया के जर्सी प्रायोजन, मनोजकुमार राजेशकुमार कटारिया के पारितोषिक प्रायोजन, उत्तमचंद विकासकुमार भलगट के गिफ्ट प्रायोजन, वसंतराज सज्जनराज पितलिया के पवेलियन प्रायोजन व अमरचंद धर्मीचंद डागा के हिट सिक्स प्रायोजन में आयोजित की जा रही है। संयोजक विजय गुगलिया एवं सह संयोजक अमित कोठारी, किरण गुगलिया, रमेश बी.गुगलिया तथा विनोद गुगलिया के अनुसार प्रतियोगिता में गणेश टाइटंस, गुगलिया मावेरिक्स, सिंघवी किंग्स, पी जे चैलेंजर्स, प्राचीन क्राफ्टर्स, रॉयल कोठारिस, श्री स्ट्राइकर्स एवं वर्धमान ड्रीम्स टीमे भाग ले रही है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन 12 लीग मैच खेले गये। प्रतियोगिता के प्रथम दिन की सभी व्यवस्थाओं में ट्रस्ट के सभी ट्रस्टियों व सहयोगी सदस्यों का निःस्वार्थ सहयोग रहा।

गृह मंत्री ने सीएम सिद्धरामैया से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपने स्वामित्व वाले शिक्षण संस्थानों पर चल रही ईडी की छापेमारी के बीच गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और बातचीत की। सटीक विवरण ज्ञात नहीं है। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि परमेश्वर ने सोने की तस्करी के मामले में छापेमारी के बारे में सीएम को सूचित किया है। ईडी सोने की तस्करी के रैकेट सहित अवैध वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत राज्य में 16 स्थानों पर छापेमारी की है, जिसमें उन लोगों को निशाना बनाया गया है जिन्होंने सोना तस्करी की आरोपी अभिनेत्री रान्या राव के खाते में हवाला का पैसा ट्रांसफर किया था। इसमें परमेश्वर से जुड़े तीन शिक्षण संस्थान शामिल हैं।

सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिसकर्मी का बेटा लापता, दो हिरासत में

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी शहर के बाहरी इलाके में एक रिसॉर्ट में 15 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। आरोपियों में एक पुलिस अधिकारी का बेटा और दो अन्य शामिल हैं। मामले के सिलसिले में बेलगावी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनमें से एक नाबालिग है और बताया गया है कि पुलिस अधिकारी का बेटा भी अपराध में शामिल था। बेलगावी पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मार्बनियांग ने कहा कि दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बेलगावी की रहने वाली पीड़िता एक आरोपी के साथ शहर के बाहरी इलाके में एक फार्महाउस में गई थी। इसके बाद, अन्य दो संदिग्ध उनके साथ शामिल हो गए। आरोपियों में से एक साकिब ने फार्महाउस में एक कमरा आरक्षित किया था। आरोप है कि संदिग्धों ने वहां आयोजित एक पार्टी के दौरान लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया। हमले के बाद, कथित तौर पर आरोपियों में से एक ने लड़की का हार उतार दिया। इस बीच, पीड़िता की माँ ने अपनी बेटी के गले में हार न होने पर गौर किया और उससे पूछताछ की। लड़की ने आखिरकार घटना का खुलासा किया, जिसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। तिलकवाड़ी पुलिस स्टेशन में पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया है, और पुलिस अधिकारी के बेटे को पकड़ने के प्रयास जारी हैं, जो फिलहाल गिरफ्तारी से बच रहा है।

धारीवाल बहूं बेटी मंडल द्वारा वार्षिक स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री धारीवाल बहूं बेटी मंडल का परस्पर स्नेह मिलन समारोह बेंगलूरु में आयोजित किया गया। इसमें बेंगलूरु के अलावा मैसूरु, कोलार, तमिलनाडु से सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। मंडल की संयोजिका आशा गादिया जैन ने मुख्य अतिथि, इंदिरा बाई दरला, कांता बाई समदडिया, वसंता बाई बांठिया, सुभद्रा बाई पारख, कंचन बाई गादिया, वसंता बाई बोरूदिया का स्वागत करते हुए समारोह का सफल संचालन किया। मेहमानों का आत्मिक स्वागत मंगला बाई लोढ़ा ने किया। संतोष धारीवाल ने मंगल-ाचरण किया। मंडल की सक्रिय कार्यकर्ता विजया बाई लुणिया के संलेखना संथारे सहित पंडित मरण पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुनीता मुथा ने गुणानुवाद करते हुए दो मिनट मौन रखवाया। मंडल की वार्षिक रिपोर्ट सह संयोजिका रेखा मालू ने प्रस्तुत की। श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याण महोत्सव पर, मंडल द्वारा गायन स्पर्धा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में गीत स्पर्धा के विजेत-ाओं का बहुमान किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शर्मिला बोहरा, द्वितीय पुरस्कार संतोष धारीवाल और तृतीय पुरस्कार ममता झामड ने प्राप्त किया।

ज्ञानशाला होती है संस्कारों की पाठशाला : मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुनिश्री पुलकित कुमारजी एवं नचिकेता मुनिश्री आदित्य कुमारजी के पावन सान्निध्य में बन्नेरघट्टा रोड एवं जिगनी ज्ञानशाला का विशेष कार्यक्रम क्लासिक ऑर्चिड, बन्नेरघट्टा स्थित राजकुमार कोटेचा के निवास स्थान पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर उपस्थित ज्ञानशाला के बच्चों, प्रशिक्षिकाओं एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा, संस्कार जीवन की आधारशिला है और संस्कारों का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज के भटकते परिवेश में अपनी संस्कृति और मूल्यों को सुरक्षित रखना एक चुनौती बन गया है। ज्ञानशाला के माध्यम से जैन तेरापंथ समाज पूरे भारत में बाल संस्कार निर्माण का प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। वास्तव में, ज्ञानशाला 'संस्कारों की पाठशाला' बन चुकी है। मुनि ने सभी उपस्थित अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ें, ताकि अगली पीढ़ी संस्कारवान बन सके। नचिकेता मुनि आदित्य कुमारजी ने घर-घर जागे सद्संस्कार, ज्ञानशाला का यह उपहार गीत के माध्यम से प्रेरणा दी। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा प्रस्तुत अर्हम अर्हम की वंदना फले गीत से हुआ। कार्यक्रम में जिगनी ज्ञानशाला से लारिका छाजेड़, खुशी लोढ़ा, वंश नाहटा एवं बन्नेरघट्टा ज्ञानशाला से पूर्वी धारीवाल, आर्या बाफना, मयंक कोठारी एवं वृद्धि सिंघी ने ज्ञानशाला में अपने अनुभव साझा करते हुए इसके महत्व को बताते हुए अपने-अपने अनुभव साझा किए। दक्षिणांचल ज्ञानशाला प्रभारी माणकचंद संचेती ने मुनि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए ज्ञानशाला नेटवर्क की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बन्नेरघट्टा ज्ञानशाला से प्रशिक्षिकाएं मधु खटेड, राजू कोठारी, अनीता दुगड़, ममता शाह तथा जिगनी से रजनी बोथरा, सरोज नाहटा, महासभा प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, मंत्री राकेश चोरड़िया, कन्हैयालाल खटेड, राजकुमार कोटेचा, उदयलाल पोकरणा, भेरूलाल पोकरणा, लादूलाल धारीवाल, संतोष गोठी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

ईडी छापेमारी का मामला

शिवकुमार समेत अन्य नेता परमेश्वर के समर्थन में खड़े हुए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के अलावा, अन्य नेताओं ने गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के घर का दौरा किया, जो प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से व्यथित हैं, और समर्थन व्यक्त किया। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने फोन पर परमेश्वर से बात की, जानकारी जुटाई और उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनके साथ हैं।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार अपनी बीमारी का इलाज कराने के बाद हाथों पर पट्टियां बांधे परमेश्वर के घर पहुंचे। उन्होंने काफी देर तक चर्चा की। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, हासन के सांसद श्रेयस पटेल, पूर्व सांसद और केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रप्पा सहित कई अधिकारियों ने गृह मंत्री के आवास का दौरा किया और विचार-विमर्श किया। इस बीच, राज्य पुलिस महानिदेशक का कार्यभार संभालने वाले एम.ए. सलीम ने गुरुवार सुबह गृह मंत्री से मुलाकात की, उन्हें धन्यवाद दिया तथा आगामी दिनों में सहयोग का अनुरोध किया। ज्ञातव्य है कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के स्वामित्व वाले शैक्षणिक संस्थानों पर छापे मारे हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने तुमकुरु के हेग्गेरे में सिद्धार्थ मेडिकल एजुकेशन इंस्टीट्यूट, मालुरुदीन में श्री सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, हेग्गेरे में परमेश्वर के गृहनगर घर, तुमकुरु के बाहरी इलाके में पुराने एचएमएस कॉलेज और नेलमंगला के पास सिद्धार्थ मेडिकल एजुकेशन इंस्टीट्यूट पर छापा मारा है। अधिकारी बुधवार सुबह 9 बजे अलग-अलग कारों में पहुंचे और गहन निरीक्षण किया। परमेश्वर के घर और शैक्षणिक संस्थानों पर छह साल पहले आयकर विभाग ने छापेमारी की थी।

हाल ही में परमेश्वर ने तुमकुरु के बाहरी इलाके में स्थित एचएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज को पूर्व कांग्रेस विधायक शफी अहमद से खरीदा था। ऐसा माना जा रहा है कि इस दौरान बड़ी मात्रा में वित्तीय लेनदेन हुआ। परमेश्वर ने मैसूरु में एक अंतर्राष्ट्रीय आवासीय विद्यालय भी शुरू किया। ऐसी भी जानकारी है कि कुछ संपत्ति लेनदेन भी हुआ है। यह पता चला है कि इस संदर्भ में शैक्षणिक संस्थानों पर हमले किए गए हैं। सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड इंजीनियरिंग कॉलेज में न केवल देश के विभिन्न राज्यों से बल्कि विदेशों से भी छात्रों का दाखिला लेना आम बात है। इस संदर्भ में, वित्तीय लेनदेन विभिन्न रूपों में होते हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ पीएमएलए अधिनियम के दायरे में आएंगे। समझा जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय ने इस संदर्भ में तलाशी अभियान चलाया है। डॉ. जी. परमेश्वर, जो हमले की सूचना मिलने के समय बेंगलूरु में थे, अपनी पत्नी कनिका के साथ एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गए थे।

तटीय और पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक में भारी बारिश जारी है, जबकि राजधानी बेंगलूरु सहित राज्य के दक्षिणी आंतरिक इलाकों में वर्षा में कमी आई है। बेंगलूरु में, जहां निचले इलाकों में पानी घुस गया था और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था, वहां बारिश कम हो गई है और फिलहाल भारी बारिश की उम्मीद नहीं है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, बेंगलूरु के आसपास के जिलों में बारिश में काफी कमी आएगी। हालांकि, मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, क्योंकि तटीय, मलनाड और उत्तर कर्नाटक के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है। उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, गदग, चिक्कमगलूरु और शिवमोग्गा जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई है। कलबुर्गी, बेलगावी, कोप्पल, बल्लारी,

चित्रदुर्ग, हासन, कोडागु, मांड्या, रामनगर और दावणगेरे जिलों में कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एस. पाटिल ने बताया कि अरब सागर में गोवा और कर्नाटक के तटीय इलाकों पर बने चक्रवाती तूफान के कारण राज्य में बादल छाए हुए हैं तथा तटीय और पर्वतीय इलाकों में भारी बारिश हो रही है। राज्य में 26 मई तक बारिश जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के आसपास के जिलों में वर्षा कम हो जाएगी तथा 40 से 50 किमी/घंटा की गति से हवाएं चलेंगी। लेकिन, उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, बेलगावी, धारवाड़, हावेरी, शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, विजयपुरा, बागलकोट, बीदर, कलबुर्गी और यादगीर जिलों में भारी बारिश का अनुमान है और ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश होगी, गरज, बिजली चमकेगी और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर राज्य में बारिश जारी रहेगी तथा कुछ जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी।

शैक्षणिक संस्थानों पर ईडी की छापेमारी

यह केंद्र सरकार की एक और धमकाने की रणनीति है: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। छापों के बारे में मीडिया से बात करते हुए प्रियांक खड़गे ने कहा कि यह केंद्र सरकार की एक और धमकाने की रणनीति है। उन्होंने कहा यह राजनीतिक निशाना है। आयकर और ईडी जो कर रहे हैं, उसमें कुछ भी नया नहीं है। यह केंद्र सरकार की एक और धमकी की रणनीति है। यह एक राजनीतिक प्रतिशोध है। जब केंद्र सरकार की बातें नहीं सुनेंगे, जब वे उनके सिद्धांतों से सहमत नहीं होंगे तो तो ईडी हमले होंगे। जानकारी लीक हुई है कि रान्या राव के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान परमेश्वर के शैक्षणिक संस्थान द्वारा किया गया था। मुझे नहीं मालूम कि ये सच है या झूठ। इससे पहले ईडी ने मुडा मामले में भी ऐसी ही जानकारी लीक की थी। वह शर्मनाक था। भले ही यह बिल भुगतान जैसा ही हो, फिर भी यह एक आधिकारिक लेनदेन है। इसमें अवैध क्या है? क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान नकद में नहीं किया जा सकता। भुगतान ऑनलाइन किया जाना चाहिए। इसमें गलत क्या है? सोने की तस्करी का मामला बार-बार सामने आ रहा है। परमेश्वर का काम सीमा शुल्क की रक्षा करना नहीं है। यहां तक कि राज्य गृह विभाग भी नहीं। केन्द्र सरकार के मंत्री और केन्द्रीय जांच एजेंसियाँ अक्षम हैं। इसे राज्य सरकार पर डालने के बारे में आपका क्या विचार है? इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया जाना चाहिए। विपक्षी नेताओं पर हमला करना और गलत जानकारी लीक करना कोई नई बात नहीं है। केंद्र सरकार पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। आपको उनकी बातें सुननी चाहिए। उनके दर्शन को स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने फटकार लगाते हुए कहा, अन्यथा इस तरह के हमले होते रहेंगे। कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में विधान परिषद के विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी के घेराव पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा उन्होंने मुझे कुत्ता कहा। अगर ऐसा कोई व्यक्ति चित्तपुर आता है तो क्या उसे पद्मभूषण या भारत रत्न दिया जाना चाहिए? क्या उन्हें राज्योत्सव पुरस्कार के लिए मेरी सिफारिश की आवश्यकता है? क्या उन्हें शर्म नहीं आती? उन्होंने पलटवार करते हुए कहा भाजपा को बातचीत बंद कर देनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा में इतनी नैतिकता है कि वह जातिवादी टिप्पणी करने वाले मुनिरत्ना को पार्टी में रखकर अपनी बात रखे। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने केंद्र सरकार पर ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक कारणों से करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा ईडी, आईटी, सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक कारणों से अन्य दलों की सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा कांग्रेस नेता ने कहा चाहे ईडी हो या आईटी, हमने देखा है कि वे हमारे नेताओं से बदला लेने के मूड में हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र में नशीले पदार्थ बेचने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
यहां सार्वजनिक क्षेत्र में कथित तौर पर ड्रग्स की तस्करी और बिक्री के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बिहार निवासी ब्रहणदेव यादव (37) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से 60,680 रुपये मूल्य की 690 ग्राम ड्रग्स जब्त की गई। इसके अलावा, अधिकारियों ने एक मोबाइल फोन, 680 रुपये नकद और अन्य सामान जब्त किया। आरोपी कथित तौर पर उडुपी तालुक के शिवल्ली गांव में मणिपाल रेलवे स्टेशन रोड के पास डायना टॉकीज रोड के चौराहे के पास ड्रग्स बेच रहा था। गिरफ्तारी को पुलिस उपाधीक्षक ए सी

लोकेश और इंस्पेक्टर रामचंद्र नायक की देखरेख में सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन की एक टीम ने अंजाम दिया। पुलिस टीम में एएसआई उमेश, प्रवीण कुमार, प्रवीण, राजेश, राघवेंद्र, वेंकटेश, संतोष, धर्मप्पा, अरुण कुमार, दीक्षित, पवन, नीलेश, परशुराम, मुत्तप्पा, मयप्पा और चरण शामिल थे। सीईएन अपराध पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

टोल प्लाजा में आग लगने से दो कलेक्शन बॉक्स जलकर खाक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेलगावी जिले के कुगनोली गांव में गुरुवार सुबह आग लगने की घटना में टोल प्लाजा पर दो कलेक्शन बॉक्स जलकर खाक हो गए। कोई हताहत नहीं हुआ। प्लाजा लेन से गुजरते समय पेट्रोल टैंकर में आग लग गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि दोनों बॉक्स

जल गए।

निप्पनी से अग्निशमन और आपातकालीन सेवा दल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया।

प्रशासनिक सुधार आयोग की 8वीं रिपोर्ट में 189 नई सिफारिशें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रशासनिक सुधार आयोग की 8वीं रिपोर्ट में 189 नई सिफारिशें की गई हैं। प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष आर.वी. देशपांडे ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को आयोग की 8वीं रिपोर्ट सौंपने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। पिछली सात रिपोर्टों में कुल 5,039 सिफारिशें की गई थीं, जिनमें से कुल मिलाकर 30 प्रतिशत को लागू किया जा चुका है, तथा 53 प्रतिशत से अधिक सिफारिशों को पूरी तरह से लागू करने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि 8वीं रिपोर्ट में हिंदू धार्मिक संस्थाएं एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग, मुद्रण लेखन सामग्री एवं प्रकाशन विभाग शामिल हैं। कर्मचारियों के डेटा को हर वर्ष राशन कार्ड, डेटाबेस और जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। यह सिफारिश की गई है कि सरकार सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना के दौरान बीपीएल परिवारों की पहचान के लिए निर्धारित मानदंडों पर विचार कर सकती है, ताकि बीपीएल परिवारों की पहचान के लिए उपयुक्त संशोधन किए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग के कार्यभार पर एक व्यापक रिपोर्ट का अध्ययन करने तथा स्टाफिंग एवं नियुक्तियों में आवश्यक संशोधनों का सुझाव देने का कार्य प्रगति पर है। सरकार को सिफारिशों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए रणनीति अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशों में उच्च स्तरीय निगरानी समिति का गठन, डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र का कार्यान्वयन, विभागों के साथ समन्वय को मजबूत करना तथा कार्यान्वित सिफारिशों के प्रभाव का सर्वेक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करना शामिल है। 23 विभागों में रिक्त पदों को प्रथम प्राथमिकता पर भरने की सिफारिश की गई है। विधान सौधा-विकास सौधा बहुमंजिला इमारत के पास सरकारी केंद्रीय स्टेशनरी स्टोर स्थापित करने की सिफारिश की गई है। एक से अधिक आय प्रमाण पत्र जारी करना बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धारवाड़ में केपीएससी का शाखा कार्यालय खोलने की सिफारिश की गई है।

रामनगर का नाम बदलने पर भाजपा को जलन क्यों हो रही है: मंत्री रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आता कि रामनगर जिले का नाम बदलने पर भाजपा क्यों परेशान है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कैबिनेट में रामनगर का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण करने पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि इस पर पुनः चर्चा होगी। उत्तर प्रदेश और दिल्ली में तो भाजपा ने ही इस तरह नाम बदला है। उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी रामनगर का नाम बदलने की प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं। क्या जिले का नाम बदलने से भू-माफियाओं को बढ़ावा मिलेगा? वे बकवास बोलते हैं। विपक्षी पार्टियाँ भी बुद्धिमान हैं। लेकिन रामलिंगा रेड्डी ने सामान्य ज्ञान का प्रयोग न करने के लिए उनकी आलोचना की।

रान्या राव क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान पर टिप्पणी नहीं करेंगे

सोने की तस्करी मामले में ईडी के साथ सहयोग करेंगे: गृह मंत्री जी परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि वह सिद्धार्थ शैक्षणिक संस्थान द्वारा न्यायिक हिरासत में बंद और सोने की तस्करी के मामले में पकड़ी गई रान्या राव के 40 लाख रुपये के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान करने के आरोपों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। अपने स्वामित्व वाले शैक्षणिक संस्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी बुधवार को हमारे संस्थानों में आये थे। उन्होंने तीन शैक्षणिक संस्थानों - सिद्धार्थ टेक्निकल कॉलेज, तुमकुरु तथा सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज, बेगुर के साथ-साथ सिद्धार्थ एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन नामक विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया है। शैक्षणिक संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे ईडी अधिकारी जो भी मांगें, उसे उपलब्ध कराएं। उन्होंने कुछ जानकारी एकत्र की और हमारे लेखा विभाग से पूछताछ की। इस देश के कानून में विश्वास रखने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं सहयोग करूंगा और जांच के दौरान जो भी सामने आएगा उसके लिए तैयार रहूंगा। उन्होंने कहा कि यहां कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है, सिद्धार्थ एक शैक्षणिक संस्थान है। मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार रात एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि संगठन द्वारा रान्या राव के 40 लाख रुपये के क्रेडिट कार्ड बिल के भुगतान के संबंध में यह जांच चल रही है। मैं इस समय इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। पहले जांच पूरी हो जाए और रिपोर्ट आ जाए। उन्होंने कहा मैं उससे पहले कोई अनावश्यक बयान नहीं दूंगा। हम इस टिप्पणी का जवाब नहीं दे रहे हैं कि केंद्र सरकार की जांच एजेंसियों ने दलित नेताओं को निशाना बनाकर छापे मारे हैं। उन्होंने दोहराया कि जांच रिपोर्ट आने से पहले कुछ भी कहना अनुचित होगा। मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि वह इन आरोपों का जवाब नहीं देंगे कि परमेश्वर की संस्थाओं पर हमला इसलिए किया गया क्योंकि वह मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी हैं। इसके लिए एक समय आएगा। पूर्व विधायक से एचएमएस शिक्षण संस्थान खरीदते समय जमीन की कीमत निर्धारित मूल्य से कम दर्शाए जाने के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इन सब बातों की जांच के लिए अलग व्यवस्था है। राजस्व विभाग का उप-रजिस्ट्रार मूल्यांकन करेगा। उन्होंने कहा कि एचएमएस और सिद्धार्थ शैक्षणिक संस्थान के बीच निष्पक्ष लेनदेन हुआ। यदि कोई कमियां हैं तो उन्हें पहचाना जाए। उन्होंने कहा मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता।

आज नम्मा मेट्रो सामान्य समय पर चलेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने घोषणा की है कि 23 मई को नम्मा मेट्रो सेवाएं सामान्य समय पर चलेंगी। उस दिन सुबह 1:30 बजे तक पहले से घोषित विस्तारित सेवा रद्द कर दी गई है। यह बदलाव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा बेंगलूरु में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच को लखनऊ स्थानांतरित करने के बाद किया गया है। बेंगलूरु में मैच रद्द होने के कारण, बीएमआरसीएल को अतिरिक्त मेट्रो ट्रिप की आवश्यकता नहीं होगी और वह मानक समय सारिणी के अनुसार पर्पल और ग्रीन दोनों लाइनों पर ट्रेनें चलाएगी। शुरू में आईपीएल मैच में भाग लेने के लिए आने वाली बड़ी भीड़ को समायोजित करने के लिए मेट्रो के विस्तारित घंटों की योजना बनाई गई थी। आमतौर पर, जब भी बेंगलूरु में आईपीएल मैच निर्धारित होता है, तो यात्रियों को समायोजित करने के लिए बीएमआरसीएल अपने ट्रेन संचालन को बढ़ाता है।

शुभ लाभ DAILY

भारी बारिश के बीच बाढ़ संभावित क्षेत्रों में कड़ी निगरानी के आदेश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रभारी उपायुक्त डॉ. के. आनंद ने कहा कि दक्षिण कन्नड़ जिले में भारी बारिश के कारण बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जानी चाहिए, ताकि लापरवाही के कारण किसी भी तरह की जनहानि से बचा जा सके। वे जिला कार्यालय परिसर में प्रजासौधा सम्मेलन हॉल में आयोजित जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों की पहले से पहचान की जानी चाहिए। ऐसे क्षेत्रों के निवासियों को रेड अलर्ट के दौरान स्थानांतरित किया जाना चाहिए। पिछले मानसून में जलमग्न हुए क्षेत्रों का बार-बार दौरा किया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पानी के प्रवाह में कोई रुकावट न हो। ग्राम लेखाकार, पीडीओ और शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुखों को केंद्रीय स्थानों पर रहना चाहिए और जनता की चिंताओं का तुरंत जवाब देना चाहिए। आपदा प्रबंधन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग और मेस्कॉम को मानसून के दौरान दुर्घटनाओं या मौतों को रोकने के लिए बिजली लाइनों के पास खतरनाक पेड़ों को हटाना चाहिए। संबंधित विभागों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जलभराव को रोकने के लिए सड़क किनारे और राजमार्ग नालों की सफाई की जाए। जीर्ण-शीर्ण स्कूल और आंगनवाड़ी भवनों की मरम्मत की जानी चाहिए। शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्र बिजली के स्विच या केबल को न छुएं। किसी भी परिस्थिति में असुरक्षित कक्षाओं में कक्षाएं नहीं चलाई जानी चाहिए। बाजपे में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास निचले इलाकों में बारिश का पानी घुसने की शिकायतें मिली हैं। प्रभारी डीसी ने अधिकारियों को इस मुद्दे को हल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों ने कहा समस्या के समाधान के लिए एनआईटीके से विशेषज्ञ की राय मांगी जा रही है। मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान, नावों को समुद्र में नहीं जाना चाहिए और इस दौरान मजदूरों को नावों पर नहीं सोना चाहिए। लघु सिंचाई विभाग को बांधों और चेकडैमों की सफाई के लिए उपाय करने चाहिए। रेत निकालने से बने गड्ढों में जमा बारिश के पानी में बच्चों के डूबने की कई घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि खनन विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। प्रभारी डीसी ने भारी बारिश के दौरान मलनाड क्षेत्र में झरनों और समुद्र तटों पर पर्यटकों की पहुंच को प्रतिबंधित करने की भी सिफारिश की। यदि आवश्यक हो, तो इन स्थानों पर होमगार्ड या सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए। शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को हर 15 दिनों में एक बार प्रयोगशालाओं में पीने के पानी की जांच करनी चाहिए। पीने के पानी की आपूर्ति करने वाले पाइपों को नाले के पानी या अन्य पदार्थों से दूषित होने से बचाया जाना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि जलजनित बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए लोगों को केवल उबला हुआ पानी ही पानी पीने की सलाह दी जाती है।

मानसून के दौरान 1 जून से 61 दिनों के लिए मशीन से मछली पकड़ने पर प्रतिबंध

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक समुद्री मत्स्य पालन (विनियमन) अधिनियम और राज्य सरकार की अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार, उडुपी जिले में 1 जून से 31 जुलाई, 2025 तक 61 दिनों की अवधि के लिए सभी मशीनी मछली पकड़ने की गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। इस प्रतिबंध में मशीनी नावों द्वारा किसी भी प्रकार के जाल या उपकरण का उपयोग करके मछली पकड़ना शामिल है, साथ ही 10 हॉर्सपावर (एचपी) से अधिक के इनबोर्ड या आउटबोर्ड इंजन से सुसज्जित पारंपरिक नावें भी शामिल हैं। हालांकि, पारंपरिक या देशी नावें और 10 एचपी तक के इंजन वाली मोटर चालित नावें, जिनका उपयोग केवल परिवहन के लिए किया जाता है, इस अवधि के दौरान परिचालन की अनुमति दी जाएगी।

मत्स्य पालन विभाग ने सभी मछुआरों को इस दौरान जारी मौसम संबंधी सलाह का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है।

प्रतिबंध के मद्देनजर, सभी मछली पकड़ने वाली नावों को 31 मई तक बंदरगाह पर वापस लौटना होगा। इस समय सीमा के बाद बंदरगाह में प्रवेश करने का प्रयास करने वाली नावों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाली किसी भी मछली पकड़ने की गतिविधि पर कर्नाटक समुद्री मछली पकड़ने (विनियमन) अधिनियम, 1986 के अनुसार दंड लगाया जाएगा। जुर्माने के अलावा, उल्लंघनकर्ताओं को एक वर्ष के लिए राज्य के वितरण बिंदुओं पर कर-मुक्त डीजल का लाभ उठाने से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। यह निर्देश मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक के कार्यालय द्वारा जारी किया गया है, और सभी तटीय मछुआरों से आदेश का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया गया है।

कलबुर्गी में नारायणस्वामी के घेराव से भाजपा नेता नाराज

सरकार की निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेताओं ने मंत्री प्रियांक खड़गे के समर्थकों द्वारा विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी पर हमले के प्रयास और घेराव पर अपना आक्रोश व्यक्त किया है।

राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, पूर्व मंत्री सुनील कुमार और अन्य ने चेतावनी दी है कि अगर ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियंका खड़गे के समर्थकों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। सोशल नेटवर्किंग पर पोस्ट करने वाले विजयेंद्र ने कहा कि मंत्री प्रियांक खड़गे की देखरेख में कलबुर्गी कलबुर्गी गणराज्य बन गया है।

उन्होंने विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी पर किए गए हमले के प्रयास पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत निंदनीय बताया। प्रियांक खड़गे, अगर आपके पास मारने, पीटने और काटने का आदर्श है, तो वह आदर्श बाबासाहेब द्वारा हमें दिया गया संविधान है। हम आपकी धमकियों और उपद्रव का जवाब संविधान के माध्यम से देंगे। शोषित समुदायों के नेता और विपक्ष के नेता जैसे संवैधानिक पद पर आसीन चलवाडी नारायणस्वामी को चित्तपुर गेस्टहाउस में नजरबंद करने की घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने अफसोस जताया है कि कांग्रेस का अपने गुंडा समर्थकों के हाथों पराजय का शिकार होना कर्नाटक में कैंप संस्कृति की जीवंतता को दर्शाता है। ऐसी स्थिति जहां पुलिस विपक्षी नेता को सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ है, आपातकाल की याद दिलाती है।

आलोचना और टिप्पणियों को स्वस्थ मन से स्वीकार किया जाना चाहिए तथा उनका सक्षमतापूर्वक जवाब दिया जाना चाहिए। यह लोकतंत्र और राजनीतिक संस्कृति की सुंदरता का प्रतिबिंब होगा। कलबुर्गी जिला उन लोगों के कब्जे में है जो इंदिरा गांधी के आपातकाल की तानाशाही छाया में आ गए थे। उन्होंने कांग्रेस पर यह आरोप लगाया है कि नारायणस्वामी की नाकेबंदी इस बात का सबूत है कि यहां कोई लोकतंत्र नहीं है और बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा परिकल्पित संविधान के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

यदि मुख्यमंत्री सिद्धारामैया लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, संवैधानिक पद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, तो उन्हें विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी को तुरंत पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए और नाकाबंदी करने वाले गुंडों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि वे इससे बाहर निकलेंगे तो वे स्वयं को औपनिवेशिक संस्कृति का हिस्सा मानेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने नारायणस्वामी जैसे नेता के पीछे खड़े होने को प्राथमिकता बना ली है, जो एक शोषित समुदाय से उठकर लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखने के लिए आगे आए हैं। चित्तपुर स्थित सरकारी गेस्टहाउस में विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी को लगाया गया घेराव निंदनीय है। पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने भी एक पोस्ट के माध्यम से मांग की है कि कलबुर्गी गणराज्य के गुंडों ने यह कृत्य किया है और इस समूह के पीछे कौन लोग हैं, इसका पता लगाने के लिए तत्काल जांच की जानी चाहिए। आरोप लगाया गया है कि इसका कारण यह है कि नारायणस्वामी दस्तावेजों के साथ मंत्री प्रियांक खड़गे की गलतियों को उजागर कर रहे हैं, और मांग की है कि गुंडे के कृत्य का समर्थन करने के लिए मंत्री को तुरंत मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री सिद्धारामैया लोकतंत्र में विश्वास करते हैं, संवैधानिक पद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, तो नारायणस्वामी को तुरंत पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने और नाकाबंदी करने वाले गुंडों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में रेलवे की अहम भूमिका: बसवराज बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

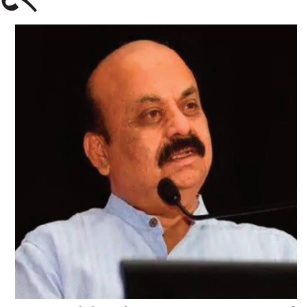

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में रेलवे की प्रमुख भूमिका है और इसे स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेलवे और सड़कों के विकास पर सराहनीय रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गुरुवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे हुब्बल्ली डिवीजन द्वारा आयोजित अमृत भारत योजना के तहत पुनर्निर्मित गदग रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक गदग रेलवे स्टेशन के विकास पर 23 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं, जो बहुत खुशी और गर्व की बात है। गदग ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण भूमि है, जो अपनी धार्मिक विरासत, कुमार व्यास की भूमि और मुद्रण के केंद्र के रूप में जानी जाती है। बेतागेरी अपने हथकरघा के लिए प्रसिद्ध है। उद्योग, वाणिज्य और पर्यटन को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी गई है और इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा गदग से हुब्बल्ली के लिए पहली ट्रेन 1884 में शुरू की गई थी। तब से इस स्टेशन ने एक लंबी यात्रा देखी है। इस स्टेशन से प्रतिदिन 5,000 से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। अमृत भारत योजना के तहत यात्रियों के लिए एस्केलेटर, लिफ्ट, ओवरब्रिज, फुट ओवरब्रिज, शौचालय और सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। बोम्मई ने कहा कि गदग-वाडी रेलवे लाइन परियोजना पर काम चल रहा है और इसके पूरा होने पर हैदराबाद से सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से गदग से यालाविगी तक एक और नया मार्ग स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि एक बार यह संपर्क स्थापित हो जाने पर हावेरी और गदग के रास्ते हैदराबाद तक यात्रा आसान हो जाएगी। सांसद ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने ब्रॉड गेज विस्तार, डबल गेज लाइन, विद्युतीकरण और उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली के माध्यम से रेलवे का आधुनिकीकरण किया है। देश भर में 500 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें तेज रफ्तार से चल रही हैं, जिससे भारतीय रेलवे में एक बड़ी क्रांति आ रही है। सार्वजनिक उपयोगिता और वाणिज्य को बढ़ावा देते हुए, रेलवे भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने में अहम भूमिका निभाता है। इसे स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा रेल और सड़क अवसंरचना का विकास सराहनीय है।

दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश, रेड अलर्ट के बावजूद उडुपी में हल्की बारिश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों में रेड अलर्ट जारी होने के साथ ही दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश हुई, जबकि उडुपी जिले में अनुमान से कम बारिश हुई। उडुपी के कुछ इलाकों में सुबह हल्की बारिश हुई और दोपहर बाद बारिश में सुधार हुआ। दिन में ज्यादातर बादल छाए रहे और कुछ इलाकों में घरों और फसलों को नुकसान पहुंचने की खबर है।

दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश जारी रही। पूरे दिन रुक-रुक कर बारिश होती रही, जिससे कुछ जगहों पर कृत्रिम बाढ़ आ गई। कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। देर रात शुरू हुई बारिश सुबह 9 बजे तेज हो गई, दोपहर के आसपास थोड़ी कम हुई और शाम को फिर से तेज हो गई। मेंगलूरु में कुछ सड़कों पर कृत्रिम बाढ़ की खबर है। बंटवाल तालुक में पुडु और मेरामाजालु गांवों में घरों को नुकसान पहुंचा है। बेल्टांगडी तालुक में चारमाडी थोंडाटाडी सरकारी स्कूल की एक दीवार ढह गई। पडांगडी में एक घर के पास एक और दीवार ढह गई। धर्मस्थल के पास सड़क पर एक पेड़ गिर गया, जिससे यातायात अस्थायी रूप से बाधित हो गया। पुत्तूर तालुक में, कावु के पास एक घर क्षतिग्रस्त हो गया। उल्लाल सीमा में तीन घरों को मामूली क्षति हुई। नीरमार्ग जीपी सीमा के अंतर्गत बोंडांथिला गांव में, एक परिसर की दीवार गिरने से घर क्षतिग्रस्त हो गया। तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ-साथ समुद्री लहरें भी तेज हो गईं। पिछले 24 घंटों में, दो घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए और तीन घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। एक ट्रांसफार्मर, 60 बिजली के खंभे और तीन किलोमीटर बिजली के तार प्रभावित हुए। एहतियाती उपायों के लिए, 25 एसडीआरएफ कर्मियों और 26 नावों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। पुडु गांव के करमार में एक घर पर एक पेड़ गिर गया, जिससे दीवार में दरारें आ गईं। मेरामाजालु में, चंद्रावती के घर के पीछे मिट्टी का कटाव हुआ, जिससे दीवार पर मिट्टी गिर गई। इस बीच, मणि और कल्लडका में राजमार्ग निर्माण कार्य के कारण कीचड़ भरी सड़कों के कारण यातायात की समस्याएँ हुईं। कल्लाडका में, सर्विस रोड की खराब स्थिति के कारण यातायात धीमी गति से चल रहा था और छोटे-मोटे जाम भी लग रहे थे। लगातार बारिश के बावजूद नेत्रावती नदी के जलस्तर में कोई खास बदलाव नहीं आया है। भारी बारिश के कारण दक्षिण कन्नड़ में तापमान में भारी गिरावट देखी गई। बुधवार को, मेंगलूरु में अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस कम है, और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम है। रेड अलर्ट के बावजूद, उडुपी जिले में अपेक्षित मात्रा में बारिश नहीं हुई। हालांकि, कुंदापुर और बिंदूर जैसे इलाकों में दोपहर में अच्छी बारिश हुई। उडुपी, करकला, कौप और ब्रह्मवार में सुबह हल्की बारिश हुई और उसके बाद बादल छाए रहे।

बारिश से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि बारिश के पानी से होने वाली आपदाओं को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने गुरुवार को विधान सौधा परिसर में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, हम यह करेंगे। शिवकुमार बेंगलूरु विकास एवं नगर नियोजन विभाग के भी प्रभारी हैं। जब उनसे बारिश के कहर और राहत उपायों के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो अधिक बारिश की कामना करता हूं। जितनी अधिक बारिश होगी, उतना ही हम समझ पाएंगे कि क्या ठीक करने की जरूरत है। हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धारामैया के नेतृत्व में झील विकास प्राधिकरण के संबंध में एक बैठक हुई थी और हमने एहतियाती बैठक भी की है। बेंगलूरु में वर्षा जल निकासी नालों के विकास को पूरा करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा बारिश से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों में गुस्सा है। इसलिए मैंने शहरी नियोजन प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वह

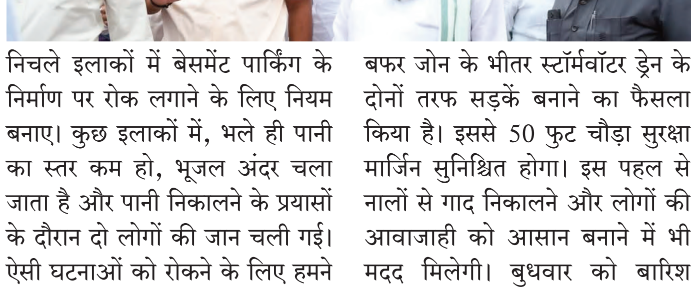

निचले इलाकों में बेसमेंट पार्किंग के निर्माण पर रोक लगाने के लिए नियम बनाए। कुछ इलाकों में, भले ही पानी का स्तर कम हो, भूजल अंदर चला जाता है और पानी निकालने के प्रयासों के दौरान दो लोगों की जान चली गई। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हमने बफर जोन के भीतर स्टॉर्मवॉटर ड्रेन के दोनों तरफ सड़कें बनाने का फैसला किया है। इससे 50 फुट चौड़ा सुरक्षा मार्जिन सुनिश्चित होगा। इस पहल से नालों से गाद निकालने और लोगों की आवाजाही को आसान बनाने में भी मदद मिलेगी। बुधवार को बारिश प्रभावित इलाकों के निरीक्षण के दौरान कुछ लोगों द्वारा उनसे मिलने से इनकार करने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कई लोग हमसे मिले और हमारे खिलाफ आवाज भी उठाई। मैंने उनकी सभी शिकायतें सुनीं। परेशान लोगों का गुस्सा जाहिर करना स्वाभाविक है। हम उनकी समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए यहां हैं। जब भी जरूरत होगी मैं उनसे मिलूंगा। भले ही मैं सैकड़ों लोगों से सीधे न मिल सकूं, लेकिन मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मैं उनका प्रतिनिधित्व करने वालों से मिलूं। कुछ लोग हमारी आलोचना करते हैं, जबकि अन्य हमारे काम की सराहना करते हैं। बेंगलूरु शहर में 211 स्थानों पर बारिश से संबंधित समस्याएं थीं। इनमें से 166 क्षेत्रों में समस्याओं का समाधान हो चुका है। 44 स्थानों पर अभी भी काम बाकी है, जिनमें से 24 में काम चल रहा है। विपक्ष केवल राजनीति करने के लिए है और वे ऐसा करना जारी रख सकते हैं। हम उनके सुझावों का स्वागत करते हैं। भाजपा के इस आरोप का जवाब देते हुए कि राज्य सरकार द्वारा 2,000 करोड़ रुपये की परियोजना का उपयोग नहीं किया गया, उन्होंने कहा उनके कार्यकाल के दौरान, कोई राहत उपाय लागू नहीं किए गए। हमारी सरकार एक बार में स्टॉर्मवॉटर ड्रेन परियोजना को पूरा करने के लिए काम कर रही है। मैं विपक्ष के नेता आर. अशोक से एक बात कहना चाहता हूं, ऐसी समस्याएं केवल भाजपा विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में हो रही हैं। ये मुद्दे उनके कार्यकाल के दौरान उचित काम न करने का परिणाम हैं। रामनगर जिले का नाम बदलने को लेकर आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा इस मामले पर कैबिनेट में चर्चा होने दीजिए। मैं बाद में आपको जवाब दूंगा।

पहलगाम नरसंहार का पूरा हुआ एक माह

कभी पर्यटकों से गुलजार था कश्मीर, आज है वीरानियों में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 22 मई।

पहलगाम आतंकी हमले ने न केवल मासूम जिंदगियों को निगल लिया, बल्कि जम्मू कश्मीर के पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गहरा जख्म दिया है। कश्मीरियों की सारी आशा अब सुरक्षा बहाल होने और देश-दुनिया के पर्यटकों के दोबारा लौटने पर टिकी है। लेकिन फिलहाल, जन्नत-ए-कश्मीर सन्नाटे और डर के साए में जी रहा है।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले को एक महीना बीत चुका है, लेकिन इसका खौफ अभी भी पूरे कश्मीर घाटी पर छाया हुआ है। इस हमले में 26 निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों को आतंकवादियों ने बेरहमी से गोली मार दी थी। अब जबकि गर्मी का मौसम अपने चरम पर है, तब भी जम्मू कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर वीरानी और सन्नाटा पसरा हुआ है। टूर ऑपरेटर शौकत मीर के शब्दों में, हमले ने न सिर्फ इंसानियत को शर्मसार किया बल्कि कश्मीर के हजारों लोगों की आजीविका भी छीन ली। होटल मालिकों, टैक्सी चालकों, दुकानदारों और स्ट्रीट वेंडर्स को भारी नुकसान हो रहा है। टैक्सी की किस्त भरना, ऑफिस किराया देना तक मुश्किल हो गया है। डल झील के किनारे ड्राई फ्रूट और केसर बेचने वाले व्यापारी अली कहते हैं कि इस मौसम में तो हमें 15 एक्स्ट्रा स्टाफ रखना पड़ता था, लेकिन इस बार दुकान में ताले लगाने की नौबत आ गई है। कई दिन से कोई बिक्री नहीं हुई।

श्रीनगर की डल झील, जो आमतौर पर गर्मियों में पर्यटकों से गुलजार रहती है, आज सूनी और शांत है। न तो शिकारे में बैठकर झील की सैर करते सैलानी दिखते हैं, न ही किनारे पर भीड़भाड़। शिकारा चलाने वाले बिलाल के बकौल, पिछले 24 दिन से मेरा शिकारा वहीं खड़ा है, कोई सवारी नहीं। पिछले साल तो तीन शिफ्ट में हम लोग शिकारा चला रहे थे। डल झील के आसपास के होटल, हाउसबोट, रेस्टोरेंट और दुकानें खाली पड़ी हैं।

वहां जहां कभी टैक्सियों की लंबी कतारें हुआ करती थीं, आज पूरी सड़क वीरान पड़ी है, मानो कोई कर्फ्यू लगा हो। हालांकि पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर के 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना ने भारत पर ड्रोन हमलों की कोशिश की, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें नाकाम कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पर संघर्ष विराम का प्रस्ताव दिया।

श्रीनगर के लाल चौक जैसे सेल्फी हॉटस्पॉट और फोटोग्राफी स्थलों पर भी एक अजीब सी खामोशी है। जहां हर दिन सैकड़ों पर्यटक तस्वीरें खींचा करते थे, वहां अब सन्नाटा है। कश्मीरी काहवा बेचने वाले सलामत रूंधे गले से कहते हैं कि ऐसा सन्नाटा मैंने कोविड के समय के बाद पहली बार देखा है। वैसे कश्मीर घाटी में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद है। पुलिस के साथ-साथ सेना की भी भारी तैनाती है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और संवेदनशील इलाकों में सघन तलाशी अभियान चल रहा है। इसके बावजूद डर और असुरक्षा की भावना के चलते पर्यटक कश्मीर आने से कतरा रहे हैं।

साइबर ठगी पर सख्ती, अब मोबाइल की भी होगी जांच

केंद्र सरकार ने जारी किया धोखाधड़ी जोखिम संकेतक

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। साइबर ठगी पर लगाम कसते हुए दूरसंचार विभाग ने वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) लॉन्च किया है। यह टूल संदिग्ध मोबाइल नंबरों की पहचान कर बैंकों व यूपीआई सेवाओं को अतिरिक्त सुरक्षा जांच के लिए अलर्ट करेगा। यह संकेतक बैंकों, यूपीआई सेवा प्रदाताओं और वित्तीय संस्थानों को खुफिया जानकारी साझा कर उन्हें कार्रवाई करने में सक्षम बनाएगा। फोन-पे इसे अपनाने वाला पहला प्लेटफॉर्म बना।

बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, अगर कोई मोबाइल नंबर धोखाधड़ी में शामिल होने के लिहाज से संदिग्ध पाया जाता है, तो एफआरआई टूल उसकी पहचान कर लेगा। इसके बाद जब भी उस मोबाइल नंबर पर डिजिटल भुगतान करने का प्रयास किया जाएगा, तो प्रणाली अतिरिक्त सुरक्षा जांच और सत्यापन करेगी। बयान में कहा गया है कि एफआरआई दूरसंचार और वित्तीय दोनों क्षेत्रों में संदिग्ध धोखाधड़ी के खिलाफ

त्वरित, लक्षित एवं सहयोगात्मक कार्रवाई की अनुमति देता है।

डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) के हिस्से के रूप में विकसित एक बहु-आयामी विश्लेषणात्मक उपकरण से मिले नतीजों के तौर पर एफआरआई को विकसित किया गया है। दूरसंचार विभाग ने कहा, साइबर धोखाधड़ी में शामिल मोबाइल नंबर का इस्तेमाल आमतौर पर कुछ दिन के लिए ही होता है। ऐसे नंबरों के पूर्ण सत्यापन में कई दिन लग सकते हैं। ऐसे नंबरों से जुड़े जोखिम पर अग्रिम संकेतक बहुत उपयोगी होते हैं। डिजिटल भुगतान मंच फोनपे इस संकेतक को अपनाने वाले शुरुआती संस्थानों में से एक है।

दूरसंचार विभाग ने एफआरआई को हितधारकों के साथ साझा करने की घोषणा करते हुए कहा, यह किसी मोबाइल नंबर को वित्तीय धोखाधड़ी के लिहाज से मध्यम, उच्च या अत्यधिक जोखिम के रूप में वर्गीकृत करता है। यह वर्गीकरण भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, दूरसंचार विभाग के चक्षु पोर्टल और बैंकों-वित्तीय संस्थानों की ओर से साझा खुफिया जानकारी सहित विभिन्न हितधारकों से मिली सूचनाओं पर आधारित है। दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) नियमित रूप से उन मोबाइल नंबरों की सूची हितधारकों से साझा करती है, जिन्हें मोबाइल नंबर रिवोकेशन सूची से डिस्कनेक्ट कर दिया गया है। बैंकों, यूपीआई सेवा प्रदाताओं और वित्तीय संस्थानों को ऐसे नंबरों के साइबर अपराध में शामिल होने, पुनः सत्यापन में विफल होने, निर्धारित सीमा से अधिक उपयोग करने जैसे डिस्कनेक्ट होने के कारण भी बताए जाते हैं। इन नंबरों का इस्तेमाल वित्तीय धोखाधड़ी के लिए भी किया जाता है।

कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने भी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की केंद्र की तारीफ

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ढांचों को नेस्तनाबूद करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने भी तारीफ की है। उन्होंने शशि थरूर की ही तरह सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि दशकों से हमारा देश आतंकवाद से पीड़ित है। पहलगाम हमले पर हमने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन यह संयमित और मापी हुई कार्रवाई थी। इसे हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है।

कांग्रेस के शासनकाल के दौरान केंद्रीय कपड़ा उद्योग मंत्री रहे आनंद शर्मा को केंद्र सरकार के उस मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, जिसे पाकिस्तान को बेनकाब करने और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताने के लिए बनाया गया है। आगामी दिनों में शर्मा अपनी टीम के साथ इथियोपिया, कतर और मिस्र की यात्रा करेंगे। जहां पर वो अपनी टीम के साथ पाकिस्तान की करतूतों के बारे में दुनिया को बताएंगे। शर्मा इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारत दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। वह कहते हैं कि हमने इस आतंकवाद की एक बड़ी कीमत अदा की है। इसलिए इस मामले में विश्व समुदाय को संवेदनशील बनाना महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए शर्मा कहते हैं कि बहुत कम देश हैं, जो खुद को संयम में रख पाते हैं, लेकिन हमने अपनी प्रतिक्रियाओं में खुद को संयमित रखा।

गौरतलब है कि शशि थरूर भी सरकार की तारीफ कर चुके हैं। पत्रकारों से बात करते हुए शशि थरूर ने भारत सरकार के द्वारा दी गई जिम्मेदारी पर बात की। उन्होंने कहा था कि इस मामले में मुझे कुछ भी नहीं कहना है। थरूर ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका मैं सम्मान करता हूं और उसका निर्वहन मैं उसी प्रकार से करूंगा, जैसे मैंने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान प्रत्येक कार्य को किया है। फिर चाहे वो संयुक्त राष्ट्र हो या फिर कांग्रेस पार्टी हो। हालांकि, कांग्रेस ऑपरेशन सिंदूर पर भी सियासत कर रही है।

कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने सर्वदलीय नेताओं को विदेशों के दौरे पर भेजने को सवालों से बचने और ध्यान भटकाने वाला कदम बता रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों की तलाश में जुटी एनआईए

श्रीनगर, 22 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले को आज एक महीना पूरा हो गया है। इस हमले में सीमा पार से आए आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी। पुलिस और जांच एजेंसी एनआईए आतंकवादियों की तलाश में जुटी हैं। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान आमने-सामने आ गए थे। भारत ने पाकिस्तान पर सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। भारत ने आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके में चल रहे आतंकी ठिकानों पर जोरदार एयर स्ट्राइक की थी और 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। भारत ने मुरीदके, बहावलपुर और कोटली में एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया था। ये जगहें भारत में कई आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले लश्कर-ए-तैयबा,

जैश-ए-मोहम्मद जैसे कुख्यात आतंकी संगठनों के गढ़ हैं। इन आतंकी संगठनों ने मुंबई से लेकर संसद पर हमले सहित कई वारदातों को अंजाम दिया है।

पहलगाम हमले की गंभीरता को देखते हुए एनआईए ने आतंकी हमले की जांच अपने हाथ में ले ली थी। तब से एनआईए लगातार गवाहों से पूछताछ कर रही है और हमलावरों तक पहुंचने के लिए तकनीक का इस्तेमाल भी कर रही है। पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पांच आतंकवादियों के हाथ होने का शक जताया गया है इनमें से तीन पाकिस्तान के हैं। एनआईए की ओर से तीन आतंकवादियों के स्केच भी जारी किए गए थे और उनके बारे में सूचना देने वाले को 20-20 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। एनआईए पिछले कुछ दिनों में डेढ़ सौ लोगों से पूछताछ कर चुकी है जिनमें टट्टू चलाने वाले, दुकानदार, फोटोग्राफर और पर्यटन से जुड़े कामों में लगे लोग शामिल है। इसी तरह कई और लोगों से भी जांच एजेंसी पूछताछ कर चुकी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में कई आतंकियों के घरों को बुलडोजर की कार्रवाई या ब्लास्ट करके उड़ा दिया गया था।

आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया था और इसमें कई ओवर ग्राउंड वर्कर भी शामिल थे। ऐसा करके पुलिस ने कोशिश की थी कि पहलगाम हमले के बारे में कोई सुराग हासिल किया जाए और यह भी संदेश दिया जाए कि कोई भी शख्स अगर आतंकवादियों का साथ देगा तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। एक अधिकारी ने बताया कि हमले के सुराग को लेकर बहुत ज्यादा प्रगति नहीं हुई है।

पुलिस के एक अफसर ने बताया कि हिरासत में लिए गए ज्यादातर लोगों को रिहा कर दिया गया है हालांकि कुछ लोग पहले ओजीडब्ल्यू के तौर पर काम करते थे, उन पर नागरिक सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अफसर के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर पुलिस और एनआईए को कई लोगों के बारे में जानकारी मिली, लेकिन ज़्यादातर सुराग झूठे पाए गए।

एक अफसर ने बताया कि हमले के शुरुआती दिनों में सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों के डिजिटल फुटप्रिंट्स के बारे में पता लगा लिया था और उनके कम्युनिकेशन में भी सेंध लगा दी थी लेकिन इसके बाद से ऐसा लगता है कि आतंकी ऑफलाइन हो गए हैं। हमले के बाद दक्षिण कश्मीर में चलाए गए ऑपरेशंस में सेना और पुलिस ने 6 स्थानीय आतंकवादियों को मार गिराया था। इनमें आतंकी संगठन टीआरएफ का भी एक टॉप कमांडर शामिल था। पुलिस का कहना है कि पहलगाम आतंकी हमले में टीआरएफ का ही हाथ है। इस बीच, भारत पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने में जुटा हुआ है। इसके लिए भारतीय सांसदों और नेताओं के प्रतिनिधिमंडल को दुनिया के कई देशों के दौरे पर भेजा गया है।

गति एवं गौरव के प्रतीक हैं अमृत स्टेशन : योगी आदित्यनाथ

यूपी के 19 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्तर प्रदेश के 19 रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प हुआ है। यह भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए इसे गति और गौरव के उत्तम समन्वय का नया प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि अमृत स्टेशन नये भारत के संकल्प को साकार करने वाले हैं। बता दें कि अमृत भारत स्टेशन न केवल आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं, बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति और कनेक्टिविटी को भी बढ़ावा देंगे।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा, इज्जतनगर, करछना, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सुरेमनपुर, स्वामिनारायण छपिया और उझानी स्टेशनों को इस योजना के तहत नया स्वरूप दिया गया है। इन स्टेशनों का पुनर्विकास यूपी में रेल यात्रियों के लिए सुगम और सुखद अनुभव सुनिश्चित करेगा। उत्तर प्रदेश के पुनर्विकसित स्टेशनों में आधुनिक सुविधाएं जैसे आधुनिक वेटिंग रूम, एस्केलेटर, लिफ्ट, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, डिजिटल डिस्प्ले, हरित ऊर्जा आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय वास्तुशिल्प की झलक जैसे कई नवाचार किए गए हैं। ये स्टेशन न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएंगे, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन देंगे।

बीकानेर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के बाद लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आज राष्ट्र को समर्पित किए गए उत्तर प्रदेश के 19 अमृत स्टेशनों समेत देश के सभी 103 अमृत स्टेशन नए भारत में विरासत के संरक्षण, विकास के संकल्प तथा गति एवं गौरव के उत्तम समन्वय के नए प्रतीक हैं। देश भर में पुनर्विकसित ये अमृत स्टेशन ऐसे नए भारत की संकल्पना को साकार करते हैं, जहां सुविधाएं, तकनीक और सांस्कृतिक गौरव एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। निश्चित ही ये अमृत स्टेशन क्षेत्र के विकास, स्थानीय संस्कृति के उत्थान, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार में सहायक सिद्ध होंगे। सीएम योगी ने यात्रियों को एकीकृत आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सुलभ और आत्मीय यात्रा का अनुभव देने वाले इन अमृत स्टेशनों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हार्दिक आभार जताया है।

बता दें कि देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित इन 103 स्टेशनों को 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जो क्षेत्रीय वास्तुकला को दर्शाने और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। मोदी सरकार में पिछले 11 वर्षों में 34 हजार किमी रेल पटरियां बिछाई गई हैं। साथ ही 47 हजार किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण हुआ है।

इसके अलावा वंदेभारत, नमो भारत, अमृत भारत जैसी ट्रेनें और 42 हजार आईसीएफ कोच को एलएचबी कोच में बदला गया है। आजादी के बाद पहली बार छोटे और मझोले स्टेशनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वर्ष 2023-24 में 1062 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई। इसके अंतर्गत अगले 8 महीनों में 100 और स्टेशन तैयार होंगे, जबकि 2027 तक 500 स्टेशनों का कार्य पूर्ण हो जाएगा।

दिल्ली सड़क हादसे में गयाजी के तीन मासूम समेत चार लोगों की मौत

गयाजी / दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने बिहार के गया जिले के एक छोटे से महादलित टोला चपरी को गहरे शोक में डुबो दिया। हरियाणा के रेवाड़ी में मजदूरी करने जा रहे मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन के पलटने से तीन मासूम बच्चों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह हादसा बुधवार सुबह दिल्ली के द्वारका सेक्टर-23 इलाके में हुआ, जब पिकअप वाहन का टायर फट गया और वह अनियंत्रित होकर पलट गया।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को गया जिले के इमामगंज प्रखंड अंतर्गत झिकटिया पंचायत के चपरी गांव से करीब 30 मजदूर, अपने पूरे परिवार के साथ दिल्ली के लिए निकले थे। वे दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन पर उतरे और वहां से एक पिकअप वाहन के जरिए हरियाणा के रेवाड़ी स्थित एक निर्माण स्थल की ओर रवाना हुए। लेकिन उनका यह सफर किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। द्वारका सेक्टर 23 के पास जैसे ही वाहन पहुंचा, टायर फटने के कारण वह पलट गया और कई मजदूर उसके नीचे दब गए।

इस हादसे में चपरी गांव के रणजीत कुमार (26) पिता फेकू मांझी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके साथ तीन मासूम बच्चे भी इस हादसे का शिकार बन गए। इनमें लक्ष्मीनिया कुमारी पिता रणजीत भारती, शीशम कुमारी (7) पिता राजेश भारती और गौरव कुमार (7) पिता संजय मांझी शामिल हैं। इसके अलावा करीब दस अन्य मजदूर घायल हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जब हादसे की खबर गांव पहुंची तो चपरी गांव में कोहराम मच गया। पूरे टोले में शोक का माहौल है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया, उनके घरों में चूल्हा तक नहीं जला। महिलाओं के विलाप और बच्चों की सिसकियों से गांव का हर कोना गूंज उठा। गांववालों के अनुसार यह पहली बार नहीं है जब इस तरह का कोई हादसा हुआ हो, लेकिन इस बार दर्द और गहराई से महसूस किया जा रहा है क्योंकि मासूम बच्चों की जान गई है।

घटना पर बिहार सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने गहरी संवेदना जताई है। उन्होंने कहा कि हमें सुबह ही इस हादसे की जानकारी मिल गई थी। घायलों और बचे हुए लोगों को हमारे आवास पर बुलाया गया है। उनके रहने और इलाज की व्यवस्था की जा रही है। जिनकी मौत हुई है, उनके पार्थिव शरीर को वापस भेजने की कोशिश की जा रही है।

मंत्री संतोष सुमन ने इस अवसर पर बिहार से मजदूरों के पलायन और बंधुआ मजदूरी पर चिंता व्यक्त की।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अहिल्याबाई होल्कर के नाम से जाना जाएगा औरैया मेडिकल कॉलेज

सपा ने हटा दिया था अहिल्याबाई होल्कर का नाम

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान 2025 के अंतर्गत एक संगोष्ठी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि महा-पुरुषों को जाति, मत या मजहब के आधार पर बांटा नहीं जा सकता। उन्होंने पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि उन्होंने महापुरुषों को इन आधारों पर विभाजित करने का प्रयास किया। विशेष रूप से समाजवादी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि औरैया में माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर स्थापित डिग्री कॉलेज का नाम बदलने का प्रयास किया गया था। उन्होंने गर्व के साथ घोषणा की कि वर्तमान सरकार ने औरैया के मेडिकल कॉलेज का नाम माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का हार्दिक स्वागत किया और माता रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां सदाचार और सद्बुद्धि है, वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक ऊर्जा की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश के 140 करोड़ लोग प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने 2014 से पहले की सरकारों पर भारत को भारतीय दृष्टिकोण से न देखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उस समय राम और कृष्ण को काल्पनिक बताया गया, रामसेतु को तोड़ने की कोशिश की गई और भ्रष्टाचार, अविश्वास, अराजकता व राजनीतिक षड्यंत्र का बोलबाला था। वहीं, मोदी सरकार ने राष्ट्र-प्रथम का भाव पैदा किया, जिसके परिणामस्वरूप आज भारत गर्व के साथ नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन अगर कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं। ऑपरेशन सिंदूर इसका जीवंत उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, रेलवे, मेट्रो, रैपिड रेल और रोपवे के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रदेश सरकार की नीति को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है, जिससे उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को हुआ था। छोटी उम्र में विवाह के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी और 1725 से 1795 तक अपने 70 वर्ष के जीवनकाल में आदर्श शासन व्यवस्था स्थापित की। उन्होंने किसानों, नौजवानों, कारिगरों, हस्तशिल्पियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। मुख्यमंत्री ने औरंगजेब और बाबर के समय में तोड़े गए मंदिरों के पुनरोद्धार का जिक्र करते हुए कहा कि अहिल्याबाई ने मालवा राज से बाहर निकलकर पशुपतिनाथ, रामेश्वर, महाकाल, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और बंगाल तक के मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। बनारस की तरह माहिष्मति की साड़ियां और नर्मदा घाट की भव्यता आज भी उनके शासन की गवाही देती है।

मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई को नारी सशक्तिकरण का प्रतीक बताते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया में महिलाएं अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही थीं, तब भारत में अहिल्याबाई एक आदर्श शासन व्यवस्था चला रही थीं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सात वर्किंग विमेन हॉस्टल अहिल्याबाई के नाम पर बनाए जा रहे हैं। साथ ही, नारी वंदन अधिनियम और शासन की अन्य योजनाओं के माध्यम से नारी शक्ति के सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पीएसी की तीन बटालियनों का नाम अवंती बाई, झलकारी बाई और वीरांगना उदा देवी के नाम पर रखा है, जो नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अगले 10 दिनों तक जन-जन तक जाकर माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और योगदान के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि देशभर में 21 से 31 मई तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहिल्याबाई के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे लोगों को बताएं कि भारत ने उस समय नारी शक्ति का सम्मान किया, जब दुनिया में महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। इस अवसर पर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, प्रदेश सरकार में मंत्री अजीत पाल, कार्यक्रम के संयोजक संजय राय सहित प्रदेश सरकार के मंत्रीगण और बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नमामि गंगे की बैठक में आगरा के लिए बड़ी सौगात

126 करोड़ की सीवेज प्रबंधन परियोजना को मिली मंजूरी

लखनऊ/नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। गंगा और उसकी सहायक नदियों के पुनर्जीवन की दिशा में एक ठोस और समग्र पहल के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 63वीं कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य विषय स्थिरता और नवाचार था, जो मिशन के मूल उद्देश्यों जैसे जल गुणवत्ता सुधार, सतत शहरी जल प्रबंधन और गंगा घाटी के पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली से जुड़ा हुआ है।

इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें वैज्ञानिक अध्ययन, तकनीकी समाधान और पुनर्जीवन योजनाएं शामिल थीं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल तत्काल सुधार लाना है, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित करना भी है, जिससे नदियों और जलाशयों का अस्तित्व आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके।

उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक शहर आगरा के लिए एक महत्वाकांक्षी सीवेज प्रबंधन परियोजना को हाल ही में 126.41 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है।

यह परियोजना शहर के जल स्रोतों की सफाई और संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में आने वाले दशकों तक अहम भूमिका निभाएगी। परियोजना के तहत 40 इंटरसेप्शन और डाइवर्जन संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, जो शहर के सीवेज नेटवर्क को प्रभावी रूप से संचालित करने में मदद करेंगी। इसके अतिरिक्त, 21.20 किलोमीटर लंबी इंटरसेप्शन और डाइवर्जन सीवर लाइन बिछाई जाएगी, जो विभिन्न हिस्सों से सीवेज जल का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करेगी।

आधुनिक तकनीकों से लैस इस परियोजना में 8 अत्याधुनिक पंपिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जो सीवेज जल के प्रवाह को नियंत्रित कर त्वरित परिवहन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, 5 मुख्य नालों में प्रभावी ट्रैश स्क्रीन लगाई जाएंगी, जो प्रदूषकों और कचरे को रोककर जल स्रोतों की सुरक्षा करेंगी।

सीएम योगी से मिले टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन

यूपी के औद्योगिक विकास में मिलेगा टाटा संस का साथ

उत्तर प्रदेश में एयर इंडिया करेगी एमआरओ की स्थापना

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। यह बैठक राज्य के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन और भविष्य की रणनीतियों पर केंद्रित थी, जिसमें प्रदेश को देश-विदेश के निवेशकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाने के विषय में गहन विचार-विमर्श हुआ। बैठक में विशेष रूप से अयोध्या में प्रस्तावित टेम्पल आर्किटेक्चर म्यूज़ियम परियोजना की प्रगति पर चर्चा हुई, जो न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोने का कार्य करेगी, बल्कि राज्य के पर्यटन क्षेत्र को भी एक नई ऊंचाई देगी। इसके अतिरिक्त, जेवर एयरपोर्ट परियोजना की समीक्षा की गई, जो पश्चिमी उत्तर

प्रदेश के आर्थिक और वाणिज्यिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली है। एयर इंडिया की संभावित एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग) सुविधा की स्थापना को लेकर भी विस्तृत वार्ता हुई, जिससे प्रदेश में विमानन सेवा क्षेत्र के विकास को मजबूती मिलेगी और हजारों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टाटा समूह की प्रदेश में व्यापक निवेश गतिविधियों की प्रशंसा की और निवेशकों के लिए बेहतर औद्योगिक माहौल, निरंतर सुधार और सुगम प्रशासन सुनिश्चित करने के अपने दृढ़ संकल्प को दो-हराया। उन्होंने टाटा संस से कहा कि वे राज्य में अपने निवेश को और भी विस्तार दें तथा विशेष रूप से लखनऊ में एक ग्लोबल कैप्टिव सेंटर की स्थापना करें। इस कदम से प्रदेश में उच्च तकनीकी और कौशल आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे युवाओं का कौशल विकास होगा और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

एन. चंद्रशेखरन ने उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग-हितैषी नीतिगत फैसलों, बुनियादी ढांचे के विकास, और निवेश के लिए तेजी से बनने वाली सकारात्मक पारिस्थितिकी तंत्र की प्रशंसा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि टाटा समूह राज्य सरकार के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश को निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि टाटा संस की आगामी परियोजनाओं में प्रदेश की प्रमुख भूमिका सुनिश्चित की जाएगी।

कछुआ संरक्षण की दिशा में योगी सरकार ने बढ़ाए सार्थक कदम

कुकरैल, सारनाथ और चंबल में बना है कछुआ संरक्षण केंद्र

विभिन्न राज्यों से पकड़े गए कछुओं का यूपी में हो रहा संरक्षण

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। जीव-जंतु के प्रति अनुराग रखने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कछुआ संरक्षण की दिशा में भी अभूतपूर्व कदम बढ़ाए गए हैं। 23 मई को विश्व कछुआ दिवस है। कछुआ की जैव समृद्धता व उनके संरक्षण के लिए जनजागरूकता पैदा करने के लिए वर्ष 2000 से विश्व कछुआ दिवस का आयोजन किया जाता है। विभिन्न राज्यों से पकड़े गए कछुओं को उत्तर प्रदेश में लाकर संरक्षित किया जा रहा है। कुकरैल, सारनाथ व चंबल में कछुआ संरक्षण केंद्र तथा प्रयाग के पास कछुआ अभयारण्य केंद्र की स्थापना की गई है। भारत में कछुआ की 30 प्रजाति पाई जाती है, इसमें से 15 उत्तर प्रदेश में मिलती हैं। योगी सरकार का इनके संरक्षण व संवर्धन पर पूरा जोर है।

कछुआ धरती पर पाया जाने वाला सबसे प्राचीन व लम्बी आयु का प्राणी है। यह जलीय पारितंत्र का महत्वपूर्ण घटक भी है। यह पानी के सफाई कर्मी के रूप में भी जाना जाता है। प्राचीन सभ्यताओं से लेकर प्रदेश के इतिहास में विभिन्न रूपों में इनका जिक्र है।

कच्छप अवतार के रूम में तो कच्वा हमारी परंपरा में पूजनीय भी है। योगी सरकार के नेतृत्व में वन विभाग कछुओं के संरक्षण के लिये पूर्णतया प्रतिबद्ध है। जलीय स्रोत (नदी, तालाब, झील) आदि प्रदूषित हो रहे हैं। ऐसे में कछुए की कटहवा, मोरपंखी, साल, सुंदरी आदि प्रजातियां जल को प्रदूषण मुक्त रखने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उत्तर प्रदेश वन एवं वन्यजीव विभाग ने कछुओं के विलुप्त होने तथा इनके अवैध व्यापार को रोकने की दिशा में कई प्रयास किए हैं। विभिन्न राज्यों में पकड़े गये उत्तर भारत के कछुओं को वापस उत्तर प्रदेश में लाकर पुनर्वासित किया गया है। यह प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। प्रदेश में तीन केंद्रों (कुकरैल, सारनाथ तथा चंबल) के माध्यम से कछुआ संरक्षण की दिशा में अग्रसर हैं। नमामि गंगे परियोजन-ाओं के अंतर्गत भी कछुआ एवं उनके प्राकृतिक वास की पहचान के साथ संरक्षित करने की दिशा में कार्य शुरू किया है। प्रयाग के समीप कछुआ अभयारण्य बनाया है। प्रयागराज के डीएफओ अरविंद यादव ने बताया कि 2020 में इसकी स्थापना हुई थी। 30 किमी. के दायरे में यह अभयारण्य है। यह तीन जिलों (प्रयागराज के कोठरी मेजा से होते हुए मीरजापुर, भदोही होते हुए उपरवार) तक फैला है।

कछुए की 30 प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं। इनमें से 15 प्रजातियां उत्तर प्रदेश में पाई जाती हैं। इनमें से ब्राह्मणी, पचेड़ा, कोरी पचेड़ा, कालीटोह, काला कछुआ, हल्दी बाथ कछुआ, साल कछुआ तिलकधारी, ढोर कछुआ, भूतकाथा कछुआ, पहाड़ी त्रिकुटकी कछुआ, सुंदरी कछुआ, मोरपंखी कछुआ, कटहवा लिथरहवा, स्योंटर फाइटर, पार्वती कछुआ आदि प्रमुख हैं।

उत्तर प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) अनुराधा वेमुरी ने कहा, प्रदेश सरकार के निर्देशन में वन-वन्यजीव विभाग कछुआ संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्यरत है। प्रदेश के तीन केंद्रों के माध्यम से कछुआ संरक्षण किया जा रहा है तो वहीं कछुआ के व्यापार पर भी अंकुश लगाया जा रहा है। अन्य राज्यों में भी पकड़े गए कछुओं को उत्तर प्रदेश में लाकर पुनर्वासित किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

पर्यावरण संरक्षण सबकी जिम्मेदारी, समाज भी निभाए भूमिका: योगी

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-2025 का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता पर जोर दिया। इस वर्ष की थीम प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास को केंद्र में रखते हुए, सीएम योगी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भारत के वैदिक दर्शन और सनातन परंपराओं का उल्लेख करते हुए प्रकृति के साथ सामंजस्य की आवश्यकता को लेकर लोगों से अपील भी की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती हैं। उन्होंने वैदिक शांति पाठ का उदाहरण देते हुए बताया कि सनातन धर्म में हर मांगलिक अनुष्ठान की शुरुआत पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष और समस्त चराचर जगत के कल्याण की कामना से होती है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण पर निर्भर है। अथर्ववेद में कहा गया है कि धरती हमारी माता है और हम इसके पुत्र हैं। एक पुत्र के नाते, हमें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने 1992 में शुरू हुई वैश्विक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण की चर्चा का उल्लेख करते हुए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया है, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। यह केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। जब तक हम सभी मिलकर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए काम नहीं करेंगे, तब तक सतत विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण भारत की स्वावलंबी परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले हर गांव में खलिहान, गोचर भूमि, तालाब

और खाद के गड्ढे होते थे, जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। गांवों में सॉलिड वेस्ट को खाद के गड्ढों में डालकर कंपोस्ट बनाया जाता था, तालाब स्वच्छता के प्रतीक थे और गोचर भूमि पशुओं के लिए आरक्षित थी, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में हमने इन परंपराओं को नजरअंदाज कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय असंतुलन और बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने गांवों में तालाबों को ड्रेनेज का माध्यम बनाने और गोचर भूमि पर अतिक्रमण जैसे कदमों को आत्मघाती बताया।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य का जैव विविधता बोर्ड प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास के विजन को साकार करने के लिए नए अभियान चला रहा है। पिछले आठ वर्षों में वन विभाग ने 210 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण कर राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही, नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी को कानपुर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्मल और अविरल बनाने में सफलता प्राप्त हुई है। कानपुर, जो कभी नमामि गंगे का सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था, आज वहां गंगा स्वच्छ और जीवंत है।

सीएम योगी ने जैव विविधता के संरक्षण में स्थानीय परंपराओं और ज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सनातन धर्म की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को देव-ताओं के साथ जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि पीपल, बरगद और जामुन जैसे वृक्षों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। पहले लोग चींटियों को मारने के बजाय आटा और चीनी देकर उन्हें प्राकृतिक रूप से हटाते थे। यह प्रकृति के साथ सामंजस्य का उदाहरण है। सीएम योगी ने आधुनिक विकास के मॉडल पर भी सवाल उठाए, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर कार्य को मशीनीकरण की ओर ले जा रहे हैं, चाहे वह ड्रेनेज हो या औद्योगिक कचरा। हमें प्राकृतिक उपायों को अपनाना होगा, जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में जल शोधन की देसी पद्धतियां थीं। उन्होंने कहा कि जटायु जैसे पक्षियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों और दवाओं के दुष्प्रभावों ने इन प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर पहुंचा दिया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जटायु, जो प्रकृति के शोधन का कार्य करता था, आज अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। हमें अपनी परंपराओं के प्रति कृतज्ञता दिखानी होगी। सीएम योगी ने लोगों से आह्वान किया कि जैव विविधता संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा। यह सृष्टि केवल मनुष्य के लिए नहीं है। अगर हमें अपने अस्तित्व को बचाना है, तो हमें जीव-जंतुओं, जल स्रोतों और पर्यावरण के संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करना होगा।

संपादकीय

बारात नहीं, कूटनीति है

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के संसदीय दल के नेता संजय राउत कह रहे हैं कि यह बारात भेजने की जरूरत नहीं है। यह सिर्फ 'टूरिज्म प्रोग्राम' चल रहा है।' कांग्रेस दो बिंदुओं पर अटकी है। वह राष्ट्रपति ट्रंप को 'अमरीकी पापा' और 'अमरीकी फूफा' कहते हुए युद्धविराम पर सवाल पूछ रही है। क्या ऐसा तंज कूटनीति में उचित और स्वीकार्य है? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार पूछ रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुए? पाकिस्तान को हमले से पहले जानकारी देकर सचेत करना विदेश मंत्री जयशंकर की चूक नहीं, एक अपराध है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि देश को जानने का अधिकार है। विपक्षी खेमे में कांग्रेस के साथी दलों-सपा, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), झारखंड मुक्ति मोर्चा, नेशनल कॉन्फ्रेंस-को मौजूदा संवेदनशील दौर में भारत सरकार के निर्णयों पर आपत्ति नहीं है और ये सवाल, संदेह जताने के बजाय 'राष्ट्रीय एकजुटता' का प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ 'काली भेड़ें' हैं, जिनके दलों के सांसद 'विशेष प्रतिनिधिमंडलों' के साथ विदेश भेजे जा रहे हैं। क्या यह प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक विवशता है कि उन्हें 33 देशों के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्षी सांसदों और नेताओं का सहारा लेना पड़ रहा है? यह संदर्भ राजनीतिक दलों और विपक्ष का नहीं है, बल्कि राष्ट्र भारत का है। प्रतिनिधिमंडल 'भारत के राजदूत' हैं, किसी दल-विशेष के सांसद या नेता नहीं हैं। क्या इन प्रतिनिधिमंडलों को 'बारात' माना जा सकता है? इतनी क्षुद्र और घटिया राजनीति करने की विवशता क्या है? देश के विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक स्पष्ट कर चुके हैं कि विदेश मंत्री ने ऐसा बयान नहीं दिया। पाकिस्तान को इतना सचेत नहीं किया गया कि हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन, लखवी सरीखे खूंखार आतंकवादी भाग कर किसी सुरक्षित पनाहगाह में शरण ले सकें। वे निश्चित तौर पर हमारी सेनाओं के निशाने पर हैं। पाकिस्तान में आजकल अज्ञात हमलावर भी खूब सक्रिय हैं, पाकिस्तान और कांग्रेस को यह भूलना नहीं चाहिए। सवाल है कि कांग्रेस बार-बार ऐसे बयान देकर देश को भ्रमित करने पर क्यों आमादा है? सेना के आधार पर हमारे सैन्य संचालन के तीनों महानिदेशकों ने भी ब्रीफ किया था कि हमारे सभी पायलट सकुशल घर लौट आए हैं। जाहिर है कि लड़ाकू विमान भी सुरक्षित लौट आए होंगे! फिर कांग्रेस और राहुल गांधी इस बयान को क्यों दोहरा रहे हैं कि पाकिस्तान को हमले की पूर्व जानकारी थी, लिहाजा हमने कुछ लड़ाकू विमान खोए होंगे! विडंबना यह है कि इधर कांग्रेस जो बयान दे रही है, उधर पाकिस्तान मीडिया की वे सुर्खियां बने हैं। ऐसी ही फर्जी खबरें सोशल मीडिया पर चलाई जा रही हैं कि पाकिस्तान की वायुसेना ने भारत के 5 राफेल विमान धराशायी कर दिए। वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ संसद में भी यही बयान देते हैं और खबर का आधार सोशल मीडिया बताते हैं। ऐसे मंत्रियों को चुल्लू भर पानी भी नहीं मिलना चाहिए। सवाल यह भी है कि कांग्रेस भारत सरकार के साथ खड़ी है अथवा पाकिस्तानी खबरों की सूत्र बनी है? बहरहाल जब भारत सरकार पाकपरस्त आतंकवाद और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दुनिया के प्रमुख देशों को ब्रीफ करने के लिए 59 सांसदों-नेताओं के सात प्रतिनिधिमंडल भेज रही है, तब क्या दोगली राजनीति होनी चाहिए? हम पाकिस्तान के आतंकवादी चरित्र को नंगा करना चाहते हैं और हमारा ही राजनीतिक उथलापन दुनिया के सामने है। शर्मिन्दगी की बात है।

प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि देश को जानने का अधिकार है। विपक्षी खेमे में कांग्रेस के साथी दलों-सपा, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), झारखंड मुक्ति मोर्चा, नेशनल कॉन्फ्रेंस-को मौजूदा संवेदनशील दौर में भारत सरकार के निर्णयों पर आपत्ति नहीं है और ये सवाल, संदेह जताने के बजाय 'राष्ट्रीय एकजुटता' का प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ 'काली भेड़ें' हैं, जिनके दलों के सांसद 'विशेष प्रतिनिधिमंडलों' के साथ विदेश भेजे जा रहे हैं। क्या यह प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक विवशता है कि उन्हें 33 देशों के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्षी सांसदों और नेताओं का सहारा लेना पड़ रहा है? यह संदर्भ राजनीतिक दलों और विपक्ष का नहीं है, बल्कि राष्ट्र भारत का है। प्रतिनिधिमंडल 'भारत के राजदूत' हैं, किसी दल-विशेष के सांसद या नेता नहीं हैं।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

ललित गर्ग

भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है। पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ति होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा

एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे। सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा। ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

देश | दुनिया से

कौन है ट्रंप की बेबी डॉल?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में उन देशों के साथ प्रेम की पुचकारी बढ़ाई है, जिनके साथ भारत के अच्छे रिश्ते नहीं हैं। इनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की शामिल हैं। यह भारत के लिए चिंता का विषय है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान में ट्रंप की दिलचस्पी केवल क्रिप्टो करेंसी के कारोबार तक ही सीमित नहीं है। उनके सहयोगियों ने हाल ही में इस्लामाबाद के साथ उनके परिवार की कंपनी के लिए क्रिप्टो करेंसी का सौदा किया था। ट्रंप की आंखों में भारत के लिए पहले जैसा प्यार नहीं रह गया है। इसको जानने के लिए अतीत को टटोलने की कोशिश करते हैं। ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच पहले कार्यकाल (2017-2021) में गर्मजोशी भरे संबंध थे। जिन्हें हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे आयोजन याद होंगे, उन्हें पता होगा कि इन दोनों नेताओं की दोस्ती कैसे परवान चढ़ी थी। लेकिन 2025 में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और मोदी के प्रति उनका रुख तल्ख होता जा रहा है। यह बदलाव कोई अचानक नहीं है। इसके पीछे देश और दुनिया से संबंधित कई कारण हैं, पर भारत-पाक युद्ध के बाद अचानक डोनाल्ड ट्रंप का रुख भारत के प्रति कुछ ज्यादा ही रूखा नजर आ रहा है। इसके ठीक उलट ट्रंप पाकिस्तान के प्रति अपेक्षाकृत नरम दिखाई देते हैं। सवाल उठता है कि कि क्या पाकिस्तान का मोह ट्रंप को भारत से दूर कर रहा है? क्योंकि पाकिस्तान अमेरिका का बरसों दुलारा रहा है, पर अब चीन और रूस की गोद में जाकर बैठ गया है। ट्रंप ने जिस तरह पाकिस्तान को आईएमएफ से 2.4 बिलियन डालर का बेलआउट पैकेज दिलाया, वो यूं ही नहीं हुआ है। भारत के विरोध में यह तर्क देने के बावजूद कि इसका दुरुपयोग आतंकवाद के लिए हो सकता है, ट्रंप प्रशासन ने इस बेलआउट का समर्थन किया, जिसे भारत ने पाकिस्तान के प्रति नरमी के रूप में देखा। इसके बाद एप्पल सीईओ टिम कुक को भी ट्रंप यह समझाते हुए नजर आए कि आईफोन की फैक्टरी का भारत में विस्तार करने की क्या जरूरत है? चीन और रूस के खिलाफ भारत का अमेरिका का खुलकर साथ न देना ट्रंप को अखरता है। कहा जा रहा है कि अमेरिका के बार-बार खुलकर कहने के बावजूद भारत चीन और रूस के सामने खुलकर

अमेरिका के साथ नहीं आ रहा है। अमेरिका और ट्रंप के भारत से चिढ़ने का सबसे बड़ा कारण यह है। अमेरिका चाहता है कि एशिया में चीन और रूस से मुकाबले के लिए भारत उसके साथ आए। पर भारत ने रूस और चीन के साथ संबंधों को संतुलित रखा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने तटस्थ रुख अपनाया और रूसी तेल (13 डालर/बैरल की छूट पर) खरीदना जारी रखा, जो वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करता है। ट्रंप ने रूस के प्रति नरम अपनाई, लेकिन भारत की स्वतंत्रता उन्हें अखरती है, क्योंकि यह अमेरिका के वैश्विक प्रभाव को सीमित करती है। भारत का रूस के साथ रक्षा सौदों (जैसे एस-400) का इतिहास भी अमेरिका को चुभता है। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद भारत ने चीन के साथ डी-एस्केलेशन शुरू किया और 2025 तक एलएसी पर तनाव कम हुआ। भारत-चीन व्यापार 125 बिलियन डालर तक पहुंचा, जो ट्रंप की चीन-विरोधी नीति से टकराता है। पाकिस्तान कभी अमेरिका का लाडला होता था। पाकिस्तान को आतंकवादियों के रहमोकरम पर जिंदा रहने वाला एक देश बनाने के पीछे अमेरिका का ही हाथ रहा है। इस बात को वहां के इंटेलेक्चुअल्स मानते भी हैं। ट्विन टावर पर हमले के बाद बदली परिस्थितियों में पाकिस्तान और अमेरिका में दूरी आ गई थी। पर एक बार फिर विश्व के बदलते परिवेश में अमेरिका को पाकिस्तान की जरूरत है। पाकिस्तान में बैठकर अमेरिका ईरान और अफगानिस्तान को नियंत्रित करने के सपने देख रहा है। अमेरिका को यह भी लगता है कि चीन और रूस के पाले से पाकिस्तान को बाहर निकालना जरूरी है। यही कारण है कि डोनाल्ड ट्रंप का हालिया रुख भारत के प्रति तल्ख और पाकिस्तान के प्रति अपेक्षाकृत नरम दिखाई देता है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान का मोह ट्रंप को भारत से दूर कर रहा है। ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत करने के संकेत दिए हैं। 9 मई 2025 को आईएमएफ ने पाकिस्तान को 2.4 बिलियन डालर का बेलआउट दिया। 10 मई 2025 को भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में ट्रंप ने मध्यस्थता का दावा किया, जिसे भारत ने खारिज कर द्विपक्षीय बताया। पाकिस्तान ने इस दावे का स्वागत किया, जबकि भारत की ओर से पहले चुप्पी दिखाई गई, बाद में मध्यस्थता की बात को नकार दिया गया।

कुछ | अलग

जय डोनाल्ड अभिमान गुण सागर

अब रही मेरे गुरु होने की बात डोनाल्ड ट्रंप जी! तो मैं पिछले बीस सालों से कांट्रेक्ट पर चला गुरु हूं साहब! अब आप ही बताओ! कांट्रेक्ट वाला गुरु क्या किसी भले चंगे को उल्लू बनाए, क्या किसी भले चंगे को गधा बनाए। मैं तो मात्र मथा टेक गुरु हूं परमादरणीय डोनाल्ड ट्रंप जी! मैं तुम्हारी गुरुता के आगे पानी तो छोड़िए, तुम्हारे आदेश के बिना सांस भी नहीं भर सकता। इसलिए बस, अपनी एक्स विश्वगुरुता का स्मरण करता जब भी रोटी कमाने से फुर्सत मिलती है, अपने सुनहरे अतीत को याद कर जरा अघाए लेता हूं। अपनी बेकार की गुरुता पर इतराए लेता हूं। अपने गुरुडम को बनाए बचाए रखने के लिए अपनी पीठ खुद ही थपथपाए लेता हूं। अपने भीतर के अथाह अज्ञान को तनिक दबाए लेता हूं। पर मेरे भीतर का अकूटनीतिज्ञ ज्ञान है कि जितना मैं इसको कूटता हूं, वह उतना ही मुझे पीटता है। हे नाउएडेजी विश्वगुरु! अपुन विश्वगुरु जब थे, तब थे। आज तो हम परीक्षा भवन में परीक्षार्थियों से डर उनको खुली नकल करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम परीक्षार्थियों से पैसे ले उनको पास करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम अपने किसी शोध छात्र का शोध अपने नाम से प्रकाशित करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम क्लास में गप्पें मार, घर में पूरी क्लास को ट्यूशन पढ़ाने वाले गुरु हैं। आज तो हम अपनी योग्यता को भूल औरों के बच्चों को सरकारी स्कूल और अपने अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने वाले गुरु हैं। आज तो हम अपना मनवांछित स्टेशन का पाने के लिए किसी के भी पांवों में नाक रगडऩे वाले गुरु हैं। आज तो हम पढ़ाने के बदले नेताओं के आगे-पीछे पूंछ हिलाने वाले गुरु हैं। आज तो हम सरकार से अपना ड्यू अनड्यू पाने के लिए कहीं भी हाथ जोडऩे वाले गुरु हैं। आज तो हम बोर्ड के कार्यालय में जा फेल को पास और पास को फेल करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम पैसे लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम मिल मिलाकर मैरिट लिस्ट बदलवाने वाले गुरु हैं। आज तो हम गधे को घोड़ा और घोड़े को गधा बनाने वाले गुरु हैं। आज तो हम आगे बढऩे वाले होनहार छात्रों को सबसे पीछे लाने वाले गुरु हैं। अपुन में इतनी खासियतें होने के बाद भी मैं जो अपने को गुरु मानता रहूं तो मानता रहूं। तोतों की तरह नैतिकता का पाठ रटने से कोई विश्वगुरु नहीं बन जाया करते। डोनाल्ड ट्रंप साहब! शास्त्र रटने के बदले जो शस्त्र पढ़ते हैं, वही विश्वगुरु होते हैं। हे डोनाल्ड ट्रंप जी! विश्वगुरु वही जो धरा पर अशांति फैलाने के साथ-साथ शांति का पाठ पढ़ाए। विश्वगुरु वही जो अपनी इगो के लिए समस्त मानवता को दाव पर लगाए। विश्वगुरु वही जो दो युद्ध करने वालों में से एक को युद्ध का सामान खरीदने के लिए आईएमएफ से फंड दिलवाए और दूसरे को संयम रखने का पाठ पढ़ाए।

आप का | नजरिया

नौकरी के नए परिधान में

मल्टी टास्क वर्कर के परिधान में पशु मित्र इस बार पशुपालन विभाग के ग्रामीण संपर्क को सशक्त करेंगे। एक हजार पदों को मंजूर करके हिमाचल सरकार ने रिक्तियों के सागर में डुबकी लगाई है। सरकारी ढांचे में सरकार की व्यस्तता तथा अपने कद और पद के बीच संतुलन की रस्सी पर चुनौतियां भी अजीब हैं। हालांकि चर्चाओं के कई बिंदु हमेशा मंत्रिमंडल की बैठकों से कुछ पाना चाहते हैं, फिर भी छोटे से पहाड़ी राज्य की आर्थिकी के बीच समाधानों की वकालत महंगी है। कम से कम पढ़े-लिखे युवाओं के लिए सरकारी नौकरी का सर्कस काफी दुर्लभ सा नजारा है। मानव संसाधन के विकास में हिमाचल जहां खड़ा है, उसके ठीक विपरीत रोजगार के अवसर निरुत्तर और अपनी खामोशियों में सुन्न हैं। मानव संसाधन के किलों में महत्त्वाकांक्षा की चोरी हो रही है, फिर भी इस प्रदेश में नौकरी सियासत और इच्छाशक्ति का बहुरूपियापन है। यहां रोजगार घाट-घाट का पानी पीने के बजाय सरकारी अवसर के छबील पर नहाना चाहता है। इसलिए मल्टी टास्क वर्कर भी रोजगार का नया मुहावरा और विराम में एक बड़ी आशा बन जाता है। सरकारी नौकरी के वजूद में सरकारों की मेहनत बेरोजगारों के ख्वाबों से बड़ी है, यहां नींद के बादलों से लडक़र सूरज उगाना पड़ता है। हिमाचल मंत्रिमंडल की हर बैठक में प्रदेश को देखने का हिसाब होता है, जिसमें या तो सरकारी नौकरी के कुछ नए प्रवेश द्वार खोले जाते हैं या कर्मचारी वर्ग की आशाओं पर मरहम पट्टी का इंतजाम होता है। विसंगतियों के कई दस्तूर सरकारी कर्मचारियों के कैडर का सरदर्द बने रहते हैं, नतीजतन हर सरकार कहीं पैरवी और कहीं पैबंद के मार्फत दिलासा देती रहती है कि हालात बदलेंगे, तेरी मुलाकात के बाद। बहरहाल मसला सरकारी कर्मचारी की रिटायरमेंट ऐज तक पहुंच गया है, जहां सरकारी खजाना अपनी ही पैरवी के संदेश लिए खड़ा है। वेतन और पेंशन के जटिल प्रश्न पुनः सरकार की जेब टटोल रहे हैं। ऐसे में एक कदम आगे लेने के लिए कितना पीछे हटना पड़ेगा, यह हिसाब सरकार का कुशलक्षेम पूछता है। एक प्रगतिशील राज्य और कुशल राज्य के बीच अब अंतर कुशल वित्तीय प्रबंधन का है। आर्थिक मंदी के बाजार में सुक्खू सरकार अपने कौशल की खुद गवाह बनकर राज्य को पाल रही है, तो कर्मचारी वर्ग के डाकखाने में सरकारी चिट्ठियों का मोहरबंद होना लाजिमी है। फैसलों की अकड़ को सियासत की शूरवीरता से बचाना हुनर है, तो मौजूदा सरकार के संघर्ष को देखते हुए यह कहा जा सकता है, 'यहां सांस भारी होती है तेरे नगमे सुनकर, फिर भी बहुत दूर जाना तेरे ही साथ।' यानी परिस्थितियां कुंडली मारकर हिमाचल के भविष्य से मुखातिब हैं। ऐसे में कठिन फैसलों में सरकार के अभिप्राय बदलेंगे। राज्य को कर्मचारी मान लेना या कर्मचारी फायदों में सियासत को तोल लेने का हर्जाना इतना भारी है कि अब निजी क्षेत्र के संदर्भ भी मंत्रिमंडल की बैठकों को संवारने लगे हैं। इस बार भी मंत्रिमंडल के एजेंडों में प्रदेश का नजरिया निजी क्षेत्र की निगाहों से दूर नहीं है। मंत्रिमंडलीय बैठकों के बाहर व्यवस्था परिवर्तन की नित नई तैयारियों में राज्य अपनी परंपराओं, खुशफहमियों, अव्यवहारिक आचरण, फिजूलखर्ची और सियासी झाडफ़ूंक से लड़ रहा है। फैसलों की जद में सारे कठोर निर्णय एक साथ नहीं लिए जा सकते, लिहाजा कहीं स्कूल-कालेजों पर तालाबंदी के तर्क समझाए जा रहे हैं, तो कहीं सरकारी कार्यसंस्कृति को सौ फीसदी कार्यालय हाजिरी के फर्ज बताए जा रहे हैं। इसे काली सूची भी कहा जा सकता है, लेकिन अंधेरों से बाहर आना है तो रोजगार के अवसरों, आर्थिकी की आशा और हिमाचल निर्माण की भागीदारी में निजी क्षेत्र के समर्थन में फैसलों की फेहरिस्त पर मंत्रिमंडलीय बैठकें मेहनत करें, ताकि निजी निवेश के दायरे में उच्च क्षमता व सरोकार पुष्ट किए जा सकें।

दृष्टि | कोण

सौगात से सौगंध तक राज्य कर्मचारी

हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने से लेकर आज तक कर्मचारी संघ, कर्मचारियों के मुद्दों के समाधान करवाने के लिए सरकार व प्रबंधन पर दबाव बनाने के लिए समय-समय पर कई तरह के टूल्स अपनाते रहे हैं। राजनीतिक पार्टियों को भी पता है कि हिमाचल में कर्मचारियों के बगैर सरकार बनाना मुश्किल है। कर्मचारी नेता विभिन्न मुद्दों को सरकार व प्रबंधन के समक्ष उठाते रहे और जरूरत पड़ी तो हड़ताल का बिगुल भी बजाते रहे हैं। 1980 में पंजाब के समकक्ष हिमाचल के कर्मचारियों को वेतनमान दिलाने में सुंदरनगर और पालमपुर में कुछ सरकारी कर्मी शहीद भी हुए। उस समय कर्मचारियों के आगे सरकार को झुकना पड़ा। गोपाल दास वर्मा ने कर्मचारी महासंघ को राज्य सचिवालय में कार्यालय दिलाया। शांता कुमार की सरकार के 'काम नहीं तो वेतन नहीं' के आदेश के खिलाफ सभी कर्मचारियों ने हड़ताल की। इस हड़ताल के दौरान बहुत से कर्मचारी नेताओं को टर्मिनेट भी किया गया था। 'काम नहीं तो वेतन नहीं' के नियम के लागू होने के बाद वास्तव में हड़तालों का दौर थम ही गया था। शांता कुमार ने अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ को मान्यता भी दी। मधुकर उनके बहुत करीबी थे। उसके बाद अराजपत्रित महासंघ, बोर्ड और निगमों के संघ भी विशेष राजनीतिक पार्टियों के साथ अप्रत्यक्ष रूप से अपने आप को आज तक जोड़ते आ रहे हैं। आज अराजपत्रित महासंघ मान्यता प्राप्त करने के लिए दो-तीन गुटों में बंटा है। यही कारण है कि आज तक संशोधित वेतनमानों का एरियर्स कर्मचारियों एवं पेंशनरों को नहीं मिला है। यहां कर्मचारी संघों की बहुलता है, जिससे संघों की शक्ति, सुरक्षा और नेतृत्व प्रभावित होता है। कर्मचारियों को बांटे रखना ही सरकार एवं प्रबंधन का काम होता है। इससे संघ/एसोसिएशन की सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति नहीं होती है। यही कारण है कि संघों को अपनी मांगों को मनवाने के लिए राजनीतिक पार्टियों पर निर्भर रहना पड़ता है। ये राजनीतिक पार्टियां इन संघों को अपने हिसाब से चलाती हैं। कर्मचारियों की मांगें सरकार से मनवाना तो संघ का दायित्व है, परंतु साथ में सरकारी विभागों एवं अर्धसरकारी उपक्रमों की कार्यप्रणाली एवं वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों में भी कर्मचारी संघों को सकारात्मक सहयोग करना चाहिए, क्योंकि कर्मचारियों की देनदारियों के भुगतान का सीधा संबंध सरकार एवं प्रतिष्ठानों की वित्तीय स्थिति पर निर्भर करता है। इस समय हिमाचल सरकार की देनदारियां 90000 करोड़ हो गई हैं। 27 में से 12 सार्वजनिक उपक्रम घाटे में चल रहे हैं। इनका कुल घाटा 2024 तक 4901.51 करोड़ रुपए था। घाटे में एचपीएसईबी पहले, एचआरटीसी दूसरे, एचपीटीसीएल तीसरे तथा एचपीपीसीएल चौथे स्थान पर है। इन सार्वजनिक उपक्रमों के घाटे से उनकी वित्तीय व्यवहार्यता, इन पीएसयू में काम करने वाले कर्मचारियों की आजीविका पर असर डाल रही है। हिमाचल पथ परिवहन निगम के घाटे में जाने से कर्मचारियों को समय पर वेतन, संशोधित वेतनमानों का एरियर, ओवर टाइम तथा पेंशनरों को पेंशन समय पर नहीं मिल रही है। निगम में सरकार द्वारा सुधार लाने का कर्मचारी संघ विरोध करते रहे हैं, जिसका खामियाजा अब भुगतना पड़ रहा है। ऐसा ही हाल हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का रहा। उपभोक्ता संतुष्टि की तरफ कभी ध्यान ही नहीं दिया गया। अब जब उन्हें सेवानिवृत्ति के लाभ नहीं मिल रहे हैं तो माननीय हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ रही है। कर्मचारी अब भी निगम में सुधारों का विरोध कर रहे हैं। सरकार की सोच हमेशा दीर्घकालिक होती है, परंतु कर्मचारी संगठनों को अपने सदस्यों के हित देखने होते हैं। 1992 में सीएम शांता कुमार ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करवाकर केन्द्रीय सरकार को भेजा कि केंद्रीय विद्युत अधिनियम में संशोधन कर 5 मेगावाट से ज्यादा क्षमता की विद्युत परियोजनाओं का निजी क्षेत्र में निर्माण के लिए अनुमति दी जाए। केंद्रीय सरकार ने संसद में कानून बनाकर विद्युत दोहन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को अनुमोदित कर दिया। बिजली कर्मियों ने विद्युत के निजीकरण के विरोध में 29 दिनों तक हड़ताल की। बहुत से कर्मचारी नेताओं को नौकरी से बर्खास्त किया गया। 'नो वर्क नो पे' का नियम लागू किया गया। उधर हिमाचल सरकार के पास पन विद्युत की अपार संपदा के दोहन के लिए पैसा नहीं था। इसलिए यह निर्णय लेना पड़ा। इस निर्णय से हिमाचल को यह फायदा हुआ कि निजी क्षेत्र में बिजली का उत्पादन हुआ और बिजली परियोजनाओं से बिजली के साथ रॉयल्टी के रूप में आय होना शुरू हो गई जिससे प्रदेश की इकोनॉमी बूस्ट करने के लिए धन मिलना शुरू हो गया। आज हिमाचल प्रदेश में 24 घंटे बिजली मिलती है।

जिद और गुहार में अंतर नहीं कर पा रहा है पाकिस्तान, कर रहा नादान हरकतें

इस्लामाबाद,22 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पास बुद्धि और विवेक का अभाव दिखाई देता है। वजह ये है कि वो भारत से ऐसे मुद्दों पर बात करना चाहता है जो उसे पहले से ही स्वीकार नहीं है। मसलन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि सउदी अरब में भारत से कश्मीर, पानी, कारोबार और आतंकवाद पर बात हो सकती है। जबकि पीएम शरीफ भूल गए हैं कि भारत पहले ही कह चुका है।

दोनों देशों के बीच किसी तीसरे की जरुरत नहीं है । और जहां तक कश्मीर का सवाल है तो भारत इसे स्वीकार नहीं कर सकता वो केवल पीओके पर बात करेगा। इस तरह भारत जिन मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट कर चुका है फिर भी उन्ही की जिद करना नादानी हरकत से कम नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत से मार खाने के बाद पाकिस्तान की सरकार और सेना किसी तरह अपनी फजीहत बचाने में जुटे हैं। इसी के तहत एक तरफ सेना प्रमुख आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बना दिया गया है तो वहीं सरकार चाहती है कि किसी तरह भारत से रिश्ते सामान्य हो जाएं। इसी क्रम में शहबाज शरीफ ने अब इस्लामिक दुनिया के रहनुमा कहे जाने वाले सऊदी अरब से गुहार लगाई है। शहबाज शरीफ का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता की बहुत जरूरत है और इसके लिए सऊदी अरब एक तटस्थ स्थान हो सकता है। शहबाज शरीफ ने इसके अलावा आसिम मुनीर के प्रमोशन का भी क्रेडिट लेने की कोशिश की है।

शरीफ ने कहा कि मैंने पार्टी के मुखिया नवाज शरीफ से सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है। उनका यह दावा भी अहम है क्योंकि कयास यही लग रहे हैं कि आसिम मुनीर ने अपना प्रमोशन खुद लिया है। टीवी पत्रकारों के एक ग्रुप से बातचीत में पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि हम भारत से बात करेंगे तो उसके 4 ही एजेंडे होंगे– कश्मीर, पानी, कारोबार और आतंकवाद।

बता दें कि भारत लगातार दोहराता रहा है कि पाकिस्तान के साथ कोई वार्ता तभी हो सकती है, जब वह आतंकवाद पर लगाम लगाए। इसके अलावा भारत ने सिंधु जल समझौते को भी फिलहाल रोक रखा है। इसीलिए शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत के लिए जरूरी जो 4 बातें बताई हैं, उनमें से एक जल भी है। यही नहीं शहबाज शरीफ से पत्रकारों ने पूछा कि क्या भारत के साथ वार्ता के लिए तटस्थ स्थान चीन भी हो सकता है। इस पर शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत इसके लिए कभी राजी नहीं होगा। हालांकि शहबाज शरीफ ने कहा कि सऊदी अरब वह देश हो सकता है, जहां बैठकर बातचीत के लिए दोनों देश और खासतौर पर भारत राजी हो सकता है। दरअसल पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की ओर से किए गए हमले को लेकर जनता में सरकार और सेना के प्रति गुस्सा है।

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन सिंदूर की सच्चाई बताने संजय झा के नेतृत्व में जापान पहुंचा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

टोक्यो,22 मई । जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) सांसद संजय झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जापान पहुंचा है। यह दौरा 'ऑपरेशन सिंदूरळ के तहत आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार के कदमों की जानकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा करने के उद्देश्य से किया गया है। संजय झा ने इस संबंध में जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की।इसमें उन्होंने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जापान पहुंच चुका है। हमें यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आम लोगों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की तरफ से आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदम का हम समर्थन करते हैं।जेडीयू सांसद ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर कहा कि इस ऑपरेशन से आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति साफ जाहिर होती है। जापान और भारत आतंकवाद के खिलाफ एक साथ हैं और हम शांति की पैरोकारी करते हैं।

कान्स 2025 के रेड कार्पेट पर पहुंची ऐश्वर्या राय बच्चन

वॉशिंगटन। कान्स के रेड कार्पेट पर जिस अभिनेत्री का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा था, जिसका रॉयल लुक इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है, ऐसी ही एक लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री हैं– ऐश्वर्या राय बच्चन। ऐश्वर्या राय ने 2002 में कान फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट पर अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस वर्ष ऐश्वर्या का इस महोत्सव में शामिल होना 22वां वर्ष है। अभिनेत्री इस कार्यक्रम में अपनी 13 वर्षीय बेटी आराध्या के साथ पहुंचीं। ऐश्वर्या का हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद इस बात को लेकर काफी चर्चा हुई कि एक्ट्रेस रेड कार्पेट पर क्या लुक पहनेंगी। अंत में ऐश्वर्या की शाही लुक देख हर कोई दंग रह गया। जैसे ही वह रेड कार्पेट आईं, उन्होंने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। कान्स के रेड कार्पेट पर ऐश्वर्या का देसी अंदाज देखने को मिला। ऐश्वर्या कान्स फिल्म महोत्सव में पारंपरिक लुक में पहुंचीं, जिसमें दोनों तरफ सोने की सजावट वाली सफेद रंग की डिजाइनर साड़ी, गले में लाल हार, पारंपरिक आभूषण, हाथ में मैचिंग अंगूठी और मांग में सिंदूर शामिल था। इस समय अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लग रही थीं। फिल्मफेयर ने कान्स के रेड कार्पेट पर ऐश्वर्या की तस्वीरें सोशल मीडिया पर क्वीन इज बैक शीर्षक के साथ शेयर कीं। ऐश्वर्या राय बच्चन पहली बार 2002 में फिल्म देवदास के प्रीमियर के लिए कान फिल्म महोत्सव में शामिल हुईं। इसके बाद वह हर साल किसी नामी ब्रांड के लिए इस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेती हैं। इस इवेंट के लिए ऐश्वर्या का लुक हर साल चर्चा का विषय रहता है। इस साल एक्ट्रेस का ये रॉयल लुक सभी को काफी पसंद आया है।

ईरान ने पाकिस्तान के साथ सीमा को पूरी तरह सील करने का किया फैसला

तेहरान। ईरान ने अपने साथी देश पाकिस्तान के साथ सीमा को पूरी तरह सील करने का बड़ा फैसला लिया है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक इस कदम का उद्देश्य सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करना है। ईरान द्वारा किया गया यह फैसला अवैध गतिविधियों को रोकने का है। सीमा सुरक्षा में सुधार के लिए इस कदम के माध्यम से ईरान ईंधन तस्करी, अवैध आवाजाही और नशीले पदार्थों का प्रबंधन करने की योजना बना रहा है। ईरान में इन समस्याओं का समाधान करने के लिए सीमा पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। इस कदम से आतंकवादी गतिविधियों, ड्रग तस्करी और अवैध प्रवास को रोकने में मदद मिलेगी। इससे ईरान की इकोनॉमी को भी नुकसान से बचाया जा सकता है। दोनों देशों के बीच हाल के समय में हुए तनाव के बाद, इस फैसले से राहत मिल सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। ईरान का यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ–साथ आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह सीमा की बेहतर सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक कदम है जो आगे विकसित हो सकता है। विशेष रूप से 2024 में ईरान के मिसाइल हमलों के बाद से दोनों देशों के बीच हाल के समय में तनाव देखा गया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने आतंकवाद और सीमा सुरक्षा पर सहयोग की बात भी की है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सकारात्मक हो सकता है, बशर्ते दोनों देश सहयोग बनाए रखें।

वाशिंगटन में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या पर तीखी प्रतिक्रिया, राजदूत माइक ने कहा–यह आतंकी कृत्य

मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रमुख स्मिथ ने कहा- संदिग्ध हिरासत में, फिलिस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाए, गन बरामद

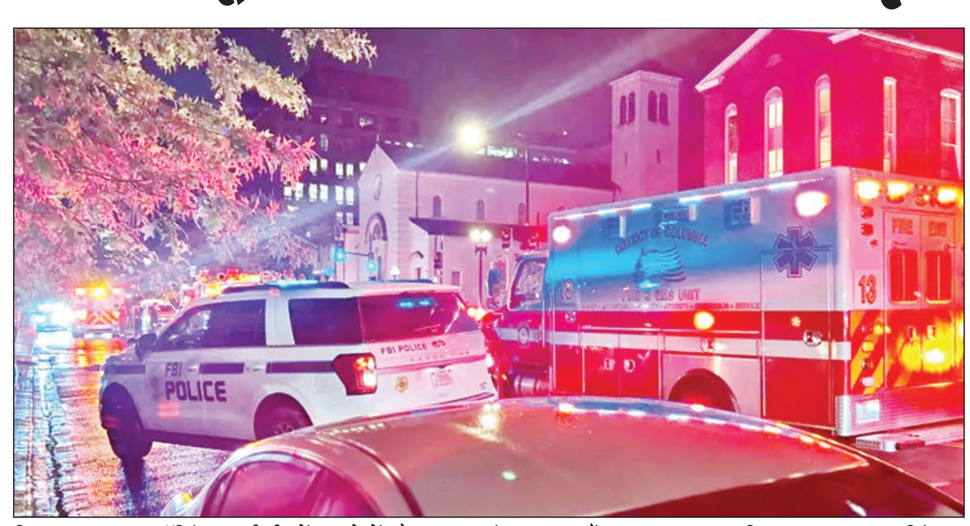

वाशिंगटन,22 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर इजराइल के दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। इजराइल में अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी ने एक्स पोस्ट पर इसे आतंकी कृत्य बताया है। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक आतंकवादी कृत्य है। इजराइल के लोग आज सुबह जागने के बाद इस खबर को सुनकर परेशान हैं।

एफबीआई ने शुरू की जांच

सीबीएस न्यूज ने इस खूनखराबे पर विस्तृत रिपोर्ट प्रसारित की है। इस पर एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, मुझे और मेरी टीम को आज रात डाउन टाउन डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर और हमारे वाशिंगटन फील्ड ऑफिस के पास हुई गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। एफबीआई मेट्रोपॉलिटन पुलिस के साथ मिलकर जांच कर रही है। उधर, एफबीआई वाशिंगटन फील्ड ऑफिस ने एक्स पर लिखा, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं है।

मृतकों में एक इजराइली राजनयिक और दूसरी महिला कर्मचारी

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात वॉशिंगटन डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय से बाहर निकलते समय दो इजराइली दूतावास कर्मचारियों (एक पुरुष राजनयिक और एक महिला) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक संदिग्ध हिरासत को हिरासत में लिया गया है। कानून प्रवर्तन सूत्रों का कहना है कि दोनों को यहूदी संग्रहालय में एक कार्यक्रम से बाहर निकलते समय गोली मारी घई। सूत्रों ने कहा कि ऐसा लगता है कि गोलीबारी एक लक्षित हमला था।

पुलिस को रात 9:08 बजे मिली सूचना

मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रमुख पामेला ए. स्मिथ ने देररात संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोलीबारी की सूचना स्थानीय समयानुसार रात 9:08 बजे मिली। संदिग्ध को शुरू में यहूदी संग्रहालय के बाहर इधर–उधर घूमते हुए देखा गया। इसके बाद वह चार लोगों के पास पहुंचा। एक हैंडगन निकाली और पीड़ितों को गोली मार दी। डीसी फायर एंड इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज डिपार्टमेंट ने बताया कि गोलीबारी एफ स्ट्रीट एनडब्ल्यू के 300 ब्लॉक में एफबीआई कार्यालय भवन के पास हुई।

आरोपित शिकागो का रहने वाला

स्मिथ ने कहा कि फिलहाल ऐसा लगता है कि गोलीबारी एक ही संदिग्ध व्यक्ति ने की है। उसे हिरासत में ले लिया गया है। आरोपित शिकागो का 30 वर्षीय व्यक्ति है। खूनखराबा करने के बाद वह संग्रहालय में घुस गया था। उसे संग्रहालय सुरक्षाकर्मियों ने दबोचा। साथ ही गन भी बरामद कर ली गई है। स्मिथ ने कहा कि हिरासत के दौरान आरोपित ने स्वतंत्र, स्वतंत्र फिलिस्तीन का नारा लगाया। करीब से मारी गई गोली होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर लिखा, आज रात वाशिंगटन डीसी में यहूदी संग्रहालय के पास दो इजराइली दूतावास कर्मचारियों की बेवजह हत्या कर दी गई। सूत्रों ने बताया कि कार्यक्रम में मौजूद इजराइली दूतावास के अन्य कर्मचारी भी घायल हुए हैं। गोलीबारी एफबीआई के फील्ड ऑफिस के पास एफ स्ट्रीट पर हुई। इजराइली दूतावास के प्रवक्ता ताल नैम कोहेन ने एक्स पर लिखा, वाशिंगटन डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय में यहूदी कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान आज शाम इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों को करीब से गोली मार दी गई। संयुक्त राष्ट्र में इजराइली राजदूत डैनी डैनन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि गोलीबारी यहूदी संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम के बाहर हुई। डैनन ने लिखा कि गोलीबारी में इजराइली दूतावास के दो अन्य कर्मचारी घायल हुए हैं, लेकिन अधिकारियों ने इस संख्या की पुष्टि नहीं की है।

आतंकियों की घुसपैठ के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र हाईअलर्ट पर

काठमांडू,22 मई (एजेंसियां)।

आतंकवादियों की घुसपैठ की खुफिया सूचना के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दोनों देशों के सुरक्षाकर्मी 24 घंटे संयुक्त निगरानी में जुटे हुए हैं। भारतीय खुफिया एजेंसी के नेपाल में रह रहे 37 पाकिस्तानी और बांग्लादेशी आतंकवादियों के भारत में प्रवेश करने के प्रयास की जानकारी साझा करने के बाद सीमा पार करने वाले एक-एक व्यक्ति की सख्ती से जांच की जा रही है।

दिल्ली में गिरफ्तार नेपाली नागरिक अंसारुल मियां अंसारी की गिरफ्तारी के बाद उसने जो खुलासा किया है उसके बाद नेपाल में आईएसआई के स्लीपर सेल के एक्टिव होने की जानकारी मिली है जिसे भारतीय इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने नेपाली सुरक्षा बलों के साथ साझा किया है। इसके बाद से ही नेपाल पुलिस के विशेष ब्यूरो और एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड उनको ढूंढने के प्रयास में जुटे हैं।

उधर नेपाल भारत खुली सीमा पर भारतीय एसएसबी और नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के साथ सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। एपीएफ सीमा सुरक्षा के प्रभारी डीआईजी कमल गिरी ने कहा कि सीमा क्षेत्र के दोनों तरफ हाई अलर्ट जारी किया गया है। इस समय एसएसबी और एपीएफ की टीम सीमा पर कड़ी निगरानी कर रही है। डीआईजी ने बताया कि 24×7 सीमा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

न्यूसाउथ वेल्स में भारी बारिश

न्यूसाउथ वेल्स में भारी बारिश के बाद इलाके में चारों तरफ पानी ही पानी नजर आया। उसी की ड्रोन से ली गयी एक तस्वीर।

नेतन्याहू का बड़ा ऐलान– हमारा लक्ष्य स्पष्ट गाजा अंतत: इजराइली नियंत्रण में होगा

येरुशलम,22 मई (एजेंसियां)।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार रात एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इजराइल ने हमास के खिलाफ अपने स्पष्ट और न्यायसंगत लक्ष्य में अब तक काफी कुछ हासिल किया है, लेकिन अभी काम पूरा नहीं हुआ है।

नेतन्याहू ने बताया कि इजराइली सेना ने हमास के शीर्ष नेता याह्या सिनवार और उनके भाई मोहम्मद सिनवार को मार गिराया है। सिनवार को 07 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले का मुख्य मास्टरमाइंड माना जाता है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने गाजा के दक्षिणी हिस्से में दुश्मन पर जबरदस्त प्रहार किया है और भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद युद्ध को जारी रखा है। उन्होंने खुलासा किया कि ऑपरेशन गिडीऑन के तहत इजराइल ने युद्ध के अगले चरण की शुरुआत कर दी है। उनके अनुसार, इस अभियान के अंत में गाजा पट्टी का संपूर्ण क्षेत्र इजराइल की सुरक्षा नियंत्रण में होगा।

नेतन्याहू ने ईरान को इजराइल के लिए अब भी एक बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि उनकी सरकार अमेरिका के साथ पूर्ण समन्वय में है ताकि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोका जा सके। उन्होंने दो टूक कहा, अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल अपनी रक्षा खुद करेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने गाजा में एक नई तीन–चरणीय मानवीय सहायता योजना की घोषणा की, जिसे अमेरिका के सहयोग से लागू किया जाएगा। इसके तहत आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति; अमेरिकी कंपनियों द्वारा स्थापित वितरण केंद्र, जिनकी सुरक्षा इजराइली बलों द्वारा की जाएगी और दक्षिणी गाजा में एक 'स्टरल जोन' स्थापित करना जहां नागरिकों को संपूर्ण मानवीय सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, हमारे सबसे करीबी मित्र भी हथियार भेजने को तैयार हैं, लेकिन मानवीय संकट को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल युद्ध को समाप्त करने के लिए तैयार है, लेकिन केवल तभी जब इजराइल की सुरक्षा सुनिश्चित हो, बंधकों की वापसी हो और और हमास नेतृत्व गाजा छोड़ दे। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा को पूरी तरह से निरस्त्र किया जाना चाहिए और इजराइल ट्रम्प योजना का अधिकतम लाभ उठाएगा। इस योजना के अंतर्गत, जो गाजा निवासी बाहर जाना चाहते हैं, उन्हें बाहर जाने दिया जाएगा।

व्हाइट हाउस में तनावपूर्ण मुलाकात: ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका पर श्वेत किसानों की हत्या का लगाया आरोप

वाशिंगटन,22 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ हुई एक हाई–प्रोफाइल मुलाकात के दौरान उन पर तीखा आरोप लगाते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीकी सरकार श्वेत किसानों की लक्षित हत्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

ट्रंप ने बैठक के दौरान ओवल ऑफिस की लाइट्स बंद कर एक विवादित वीडियो चलाया जिसमें एक चरमपंथी नेता किसान को मारो जैसे बोल वाला गीत गा रहा था। साथ ही उन्होंने कुछ समाचार लेख दिखाकर यह दावा किया कि श्वेत किसानों को मौत, भयानक मौत का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप पहले ही दक्षिण अफ्रीका को दी जाने वाली समस्त अमेरिकी सहायता काट चुके हैं और दर्जनों श्वेत दक्षिण अफ्रीकी किसानों को अमेरिका में शरण दी है, यह दावा करते हुए कि कहा कि वहां नस्लीय नरसंहार चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने ट्रंप के आरोपों का खंडन करते हुए कहा, हम इस प्रकार की हिंसा और सोच के पूरी तरह खिलाफ हैं। यह हमारी सरकार की नीति नहीं है। रामाफोसा ने बैठक का उद्देश्य अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच संबंधों को पुन: स्थापित करना बताया, लेकिन ट्रंप के तेवर नरम नहीं हुए। उन्होंने दोहराया, जब वे जमीन लेते हैं, तो वे श्वेत किसान की हत्या करते हैं। इससे पहले, फरवरी माह में ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर दक्षिण अफ्रीका को दी जाने वाली समस्त अमेरिकी सहायता रोक दी थी। आदेश में दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर गैर–श्वेत नीतियां अपनाने और ईरान व हमास जैसे दुष्ट तत्वों का समर्थन करने का आरोप लगाया गया था। इस विवाद में ट्रंप के दक्षिण अफ्रीका में जन्मे सलाहकार एलन मस्क की टिप्पणियों ने आग में घी का काम किया। मस्क का कहना है कि उनके स्टारलिंक प्रोजेक्ट को इसलिए लाइसेंस नहीं मिल रहा क्योंकि वह अश्वेत नहीं हैं। जबकि दक्षिण अफ्रीकी सरकार का कहना है कि स्टारलिंक ने अभी तक कोई आधिकारिक आवेदन ही नहीं दिया है। प्रतिनिधिमंडल में खेल और व्यापारिक हस्तियों की मौजूदगी रामाफोसा अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रसिद्ध गोल्फर एर्नी एल्स और रेटीफ गुसेन को भी लेकर गए थे, जो ट्रंप की गोल्फ के प्रति दीवानगी को ध्यान में रखते हुए एक रणनीतिक प्रयास था। साथ ही लक्जरी गुड्स टायकून जोहान रूपर्ट को भी शिष्टमंडल में शामिल किया गया ताकि भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर संतुलन बनाया जा सके। राजनयिक समीकरण और अमेरिका की नाराजगी ट्रंप प्रशासन दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय रुख से भी नाखुश है, खासकर गाजा संकट को लेकर इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार का आरोप लगाने को लेकर। साथ ही, रामाफोसा की पूर्व भूमिका टेलीकॉम कंपनी एमटीएन के साथ, जो ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़ी है, ने भी वाशिंगटन में संदेह पैदा किया है।

यूरोपा लीग 2024-25 : टोटनहैम हॉटस्पर ने 17 साल बाद जीता खिताब, चैंपियंस लीग में भी मिली जगह

बिलबाओ ,22 मई (एजेंसियां) । टोटनहैम हॉटस्पर ने बुधवार देर रात यूरोपा लीग 2024-25 के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर 17 साल के खिताबी सूखे को समाप्त कर दिया। ब्रेनेन जॉनसन के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत टोटनहैम ने यह मुकाबला जीता और साथ ही अगले सीजन की चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की कर ली।

2008 के बाद पहला खिताब, 1984 के बाद पहली यूरोपीय जीत - यह टोटनहैम का 2008 लीग कप के बाद पहला खिताब है और 1984 के बाद पहली यूरोपीय ट्रॉफी। खास बात यह रही कि इस सीजन में टोटनहैम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को चार बार हराया है और यह इतिहास में पहली बार हुआ जब उसने एक ही सीजन में यूनाइटेड के खिलाफ चारों मुकाबले जीते हों।

जॉनसन का गोल बना निर्णायक, डिफेंस में चूक से मिला मौका - 42वें मिनट में टोटनहैम को वह मौका मिला जिसने मुकाबले की दिशा तय कर दी। पेपे सार के क्रॉस पर यूनाइटेड का डिफेंस बिखर गया, वहीं गोलकीपर आंद्रे ओनाना गोललाइन पर जमे रह गए। जॉनसन और ल्यूक शॉ दोनों गेंद तक पहुंचे और गेंद दोनों से लगकर नेट में चली गई।

यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं मिला, वैन डी वेन की शानदार क्लियरेंस - दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के पास बराबरी का शानदार मौका था, जब रस्मुस होयलुंड का हेडर गोल की ओर जा रहा था, लेकिन मिकी वैन डी वेन ने लाइन पर शानदार क्लियरेंस कर दी। अंतिम क्षणों में भी ल्यूक शॉ का हेडर गोलकीपर विकारियो ने डाइव लगाकर बचा लिया।

जॉनसन बोले - 17 साल का इंतजार खत्म, अब कोई शिकायत नहीं - मैच के बाद ब्रेनेन जॉनसन ने कहा, इस सीजन में कुछ खास नहीं रहा, लेकिन आज कोई फर्क नहीं पड़ता। क्लब ने 17 साल से कोई ट्रॉफी नहीं जीती थी। यह जीत बहुत मायने रखती है। फैन्स हमें और टीम को ताने देते हैं, लेकिन हमें यह पहला कदम लेना था। बहुत खुश हूं।

कोच पोस्टेकोग्लू को मिली राहत, क्लब के भविष्य पर टिकी निगाहें - इस जीत के साथ ही टोटनहैम के कोच एंज पोस्टेकोग्लू के लिए यह एक बड़ी राहत लेकर आई है। खराब प्रीमियर लीग सीजन के बावजूद यह जीत उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

आरसीबी ने टिम सीफर्ट को किया साइन, जैकब बेटल इंग्लैंड ड्यूटी के लिए होंगे रवाना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे मैचों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट को अपनी टीम में शामिल किया है। यह फैसला टीम के खिलाड़ी जैकब बेटल के इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के चलते लिया गया है। जैकब बेटल 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी का लीग चरण का आखिरी मुकाबला खेलने के बाद 24 मई को इंग्लैंड रवाना होंगे। इसके बाद से टिम सीफर्ट की टीम में एंट्री प्रभावी मानी जाएगी। न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अब तक 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें उन्होंने 1540 रन बनाए हैं। सीफर्ट को आरसीबी ने 2 करोड़ रुपये में साइन किया है। प्लेऑफ की दौड़ में टीम की संभावनाओं को देखते हुए उनकी मौजूदगी से आरसीबी के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

हांसी फ्लिक ने बढ़ाया बार्सिलोना के साथ करार, 2027 तक बने रहेंगे कोच

बार्सिलोना। स्पेनिश फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना ने अपने कोच हांसी फ्लिक के साथ करार को जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। जर्मन कोच हांसी फ्लिक ने बार्सिलोना के साथ अपने पहले ही सीजन में ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जीतकर घरेलू ट्रेबल हासिल किया। उनके इस प्रदर्शन ने प्रशंसकों और क्लब प्रबंधन दोनों को प्रभावित किया है। फ्लिक ने जावी हर्नांडेज की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी, जब टीम पिछले सीजन एक भी ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही थी। शुरुआती करार 2026 तक का था, जिसे अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम को इंटर मिलान से कड़े मुकाबले में हार मिली। ला लीगा में बार्सिलोना अब तक 37 मैचों में 99 गोल कर चुका है और खिताब पहले ही अपने नाम कर चुका है। टीम रविवार को सीजन का अंतिम मुकाबला एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ खेलेगी। बार्सिलोना के बयान में कहा गया ,बार्सिलोना और हांसी फ्लिक के बीच करार का नवीनीकरण हो गया है, जो अब उन्हें 30 जून 2027 तक क्लब से जोड़े रखेगा। फ्लिक की यह सफलता बार्सिलोना के लिए एक नई उम्मीद और स्थिरता का संकेत है, जो आने वाले सीजनों में यूरोपीय फुटबॉल पर दबदबा कायम करने की ओर इशारा करती है।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: रोनाल्डो और ड्यूरान के गोल से अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराया

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग 2024-25 में बुधवार रात खेले गए मुकाबले में अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम 33 मैचों में 67 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। अल नासर के लिए यह गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉन ड्यूरान ने किए। पहला हाफ : गोल के मौके तो मिले, पर गोल नहीं पहले हाफ में अल नासर ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन अंतिम क्षणों में फिनिशिंग की कमी के चलते स्कोर खाता नहीं खुल सका। रोनाल्डो को दो बार गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को जाल में नहीं पहुंचा सके। कोच स्टेफानो पियोली की टीम आक्रमण में थोड़ी धीमी नजर आई। दूसरे हाफ में बदला खेल का रुख दूसरे हाफ में अल नासर ने पूरी आक्रामकता के साथ शुरुआत की। 47वें मिनट में रोनाल्डो को कटबैक पर गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। इसके बाद 63वें मिनट में अल नासर को पेनल्टी मिली, लेकिन रोनाल्डो ने वह मौका भी चूक दिया।

लगातार चौथी जीत के बाद गुजरात टाइटंस की पहली हार

लखनऊ सुपर जाएंट्स को मिली सत्र की छठी जीत

नई दिल्ली ,22 मई (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 64वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स ने गुजरात टाइटंस को 33 रन से हरा दिया। इस सीजन में लखनऊ की 13 मैचों से छठी जीत थी। हालांकि, इस जीत का लखनऊ को कोई खास फायदा नहीं होगा। लखनऊ और गुजरात के बीच यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। मैच में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था।पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम ने मिचेल मार्श की तूफानी शतक और निकोलस पूरन की फिफ्टी से निर्धारित 20 ओवर के खेल में 2 विकेट के नुकसान पर 235 रन का स्कोर खड़ा किया था, लेकिन इसके जवाब में गुजरात टाइटंस 20 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन ही बना पाई। इस तरह गुजरात की टीम को अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बावजूद गुजरात ने अपने घर में लखनऊ की हालत खराब कर दी।

टॉस हारकर लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 235 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में गुजरात के लिए शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने धमाकेदार शुरुआत की। शानदार फॉर्म में चल रहे सुदर्शन का बल्ला इस मैच में ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाया और वह 16 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, इसके बाद शुभमन गिल ने 35 रनों की पारी खेलकर लखनऊ के खेमे को दहशत में ला दिया था। शुभमन को पारी में अच्छी शुरुआत मिली थी, लेकिन वह उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए।

शुभमन के बाद जोस बटलर भी शानदार लय में दिखे। ऐसा लगा कि बटलर अपनी तेज तर्रार बैटिंग से मैच को निकाल ले जाएंगे, लेकिन आकाश सिंह के खिलाफ वह 33 रन बनाकर बोल्ड हो गए। टॉप ऑर्डर के इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद शेफरन रदरफोर्ड और शाहरुख ने गुजरात के लिए मैच में रोमांच भर दिया। दोनों ने मिलकर एक समय लखनऊ को मुश्किल में डाल दिया था, लेकिन लखनऊ के लिए विलियम ओरुर्क ने पूरी बाजी को पलट दी।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो लखनऊ की तरफ से विलियम ओरुर्क ने अपना कमाल दिखाया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में 27 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा आवेश खान और आयुष बडोनी ने 2-2 विकेट लिए जबकि आकाश सिंह और शाहबाज अहमद के खाते में एक-एक विकेट आया।

लखनऊ के लिए मिचेल मार्श ने लगाया शतक

गुजरात के खिलाफ मुकाबले में लखनऊ के ओपनर बल्लेबाज मिचेल मार्श ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना पहला शतक लगाया। मिचेल मार्श की इस शतकीय पारी की मदद से लखऊ ने 2 विकेट पर 235 रन बनाए।मार्श ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 64 गेंद में आठ छक्कों और 10 चौकों से 117 रन बनाए और पूरन (नाबाद 56 रन, 27 गेंद, पांच छक्के, चार चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी करके टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

मार्श ने इससे पहले एडेन मार्करम (36) के साथ पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। सुपर जाइंट्स की टीम पहले ही प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि टाइटंस की टीम प्ले ऑफ में जगह सुनिश्चित कर चुकी है।

मैनहट्टन के येल क्लब में वरिष्ठ फोटो पत्रकार ने की पीयूष गोयल से मुलाकात

मैनहट्टन, न्यूयॉर्क, 22 मई (एजेंसियां)। मैनहट्टन के ऐतिहासिक येल क्लब में एक उल्लेखनीय बैठक में, भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से स्नैप्स इंडिया के संपादक, प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी फोटो पत्रकार मो. जाफर ने मुलाकात की। चर्चा में वैश्विक पुल बनाने और भारत की यात्रा तथा विश्व मंच पर इसके नेतृत्व को दर्शाने में मीडिया की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

मो. जाफर ने भारतीय गणमान्य व्यक्तियों, वीवीआईपी और विश्व नेताओं से जुड़े प्रतिष्ठित क्षणों को कैद करने में दशकों से कार्य कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में रहने वाले जाफर को कई मौकों पर भारतीय प्रवासियों और विदेशों में भारत की मौजूदगी का प्रतिनिधित्व करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता है। स्नैप्स इंडिया के माध्यम से, उन्होंने लगातार उच्च-स्तरीय यात्राओं, द्विपक्षीय शिखर सम्मेलनों और भारतीय मंत्रियों और वैश्विक राष्ट्राध्यक्षों से जुड़े कार्यक्रमों को कवर किया है।

श्री पीयूष गोयल के साथ मो. जाफर की बातचीत ने भारत की वैश्विक छवि को आकार देने में भारतीय प्रवासियों के योगदान के लिए सरकार की सराहना को रेखांकित किया। बैठक में इतिहास को संरक्षित करने और राष्ट्रों के बीच समझ को बढ़ावा देने में स्वतंत्र मीडिया के महत्व को भी मान्यता दी गई। बैठक के बाद बोलते हुए, जाफर ने अपने काम के लिए निरंतर समर्थन और मान्यता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना और इसके नेताओं को दुनिया के साथ जुड़ते हुए कैमरे में कैद करना हमेशा सम्मान की बात होती है। फोटोग्राफी के माध्यम से इतिहास का दस्तावेजीकरण वैश्विक मंच पर भारत की यात्रा में योगदान देने का मेरा तरीका है। येल क्लब में आयोजित कार्यक्रम ने विदेशों में भारत की कहानी को बढ़ावा देने और वैश्विक नेता के रूप में इसके उदय को दस्तावेज करने के लिए अथक प्रयास करने वाले व्यक्तियों का जश्न मनाने के साझा दृष्टिकोण की पुष्टि की।

आईटीटीएफ विश्व टेबिल टेनिस चैम्पियनशिप

दोहा में आईटीटीएफ विश्व टेबिल टेनिस चैम्पियनशिप में खेलती हुई जापान की योशहीमुरा और सटसूकी की जोड़ी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम घोषित आयुष म्हात्रे कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

नई दिल्ली ,22 मई (एजेंसियां) । भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें भारत की युवा टीम एक महीने तक इंग्लैंड की धरती पर अपना दमखम दिखाएगी। दौरे में एक 50 ओवर का वॉर्म-अप मैच, पांच युवा वनडे और दो मल्टी-डे मुकाबले खेले जाएंगे।

आयुष म्हात्रे को सौंपी गई कप्तानी - टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि अभिज्ञान कुंडू को उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी दी गई है। वैभव सूर्यवंशी को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जो हाल के घरेलू प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं की नजर में आए।

जूनियर खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका - यह इंग्लैंड दौरा युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साबित करने का सुनहरा मौका होगा। खासकर कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी।

ये खिलाड़ी करेंगे इंग्लैंड में भारत का प्रतिनिधित्व - आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, युद्धाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अंमोलजीत सिंह। स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी और आलंक्रित रापोले (विकेटकीपर) को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया है।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 : यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत बने कप्तान

हार्दिक सिंह उपकप्तान की भूमिका में कायम, जून में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली ,22 मई (एजेंसियां) । हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह चरण 7 से 22 जून 2025 तक नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है जबकि मिडफील्ड के दमदार खिलाड़ी हार्दिक सिंह उपकप्तान बने रहेंगे।

भारतीय टीम अपने यूरोपीय सफर की शुरुआत 7 और 9 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ दो मैचों से करेगी, इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। ये सभी मुकाबले एम्सटेलवीन के वागनर स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इसके बाद टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंटवर्प में खेलेगी और अंत में 21 और 22 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा। टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सुरज करकेरा को चुना गया है। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप ज़ेस, जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और यशदीप सिवाच शामिल हैं।

मिडफील्ड की जिम्मेदारी राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह जैसे खिलाड़ियों को दी गई है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे आक्रामक खिलाड़ी टीम में शामिल हैं।

भारत ने इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में खेले गए होम लेग में आठ मैचों में से पांच जीतकर 15 अंक जुटाए और वर्तमान में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस लीग की टॉप टीम को 2026 एफआईएच वर्ल्ड कप में सीधी एंट्री मिलेगी, ऐसे में भारतीय टीम यूरोपीय लेग में अधिक से अधिक अंक बटोरना चाहेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, हम इस बार टीम में थोड़ा और अनुभव चाहते थे और मुझे लगता है कि चयन एकदम सही है।

टीम ने अच्छी ट्रेनिंग की है और हम इस बार प्रो लीग जीतने के लक्ष्य से जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, अब तक हमने कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं किया है, लेकिन आगे हमें कोशिश करनी होगी कि अगर जीत नहीं भी मिली तो कम से कम मुकाबले ड्रॉ करके शूटआउट में जाएं ताकि कुछ अंक मिल सकें। हमें पेनाल्टी कॉर्नर कन्वर्ज़न रेट में भी सुधार करना होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम - एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (यूरोपीय चरण)

गोलकीपर :
- 1. कृष्ण बहादुर पाठक
- 2. सुरज करकेरा

डिफेंडर :
- 3. सुमित
- 4. अमित रोहिदास
- 5. जुगराज सिंह
- 6. नीलम संजीप ज़ेस
- 7. हरमनप्रीत सिंह (कप्तान)
- 8. जर्मनप्रीत सिंह
- 9. संजय
- 10. यशदीप सिवाच

मिडफील्डर:
- 11. राज कुमार पाल
- 12. नीलकांता शर्मा
- 13. हार्दिक सिंह (उपकप्तान)
- 14. राजिंदर सिंह
- 15. मनप्रीत सिंह
- 16. विवेक सागर प्रसाद
- 17. शमशेर सिंह

फॉरवर्ड:
- 18. गुरजंत सिंह
- 19. अभिषेक
- 20. शिलानंद लाकड़ा
- 21. मंदीप सिंह
- 22. ललित कुमार उपाध्याय
- 23. दिलप्रीत सिंह
- 24. सुखजीत सिंह।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फाईल फोटो

भारत-अमेरिका के बीच हो सकता है 8 जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौता

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच 8 जुलाई से पहले अंतरिम व्यापार समझौते का ऐलान होने की उम्मीद है। दोनों देश व्यापारिक तनाव कम करने के लिए ट्रेड डील पर चर्चा कर रहे हैं। भारत सरकार अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि भारत सरकार, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग कर रही है. दरअसल, अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था, जो 9 जुलाई तक प्रभावी है. हालांकि, आधारभूत 10 प्रतिशत टैरिफ अभी भी लागू है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल वॉशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्ष हावर्ड लुटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के चरण पर चर्चा करने के लिए वहां थे। भारत की यह ट्रेड डील कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए है, साथ ही कपड़ा, चमड़ा, और लेबर-गहन उद्योगों को भी टैरिफ राहत की मांग है। अमेरिकी प्रशासन को यूएस कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता है अमेरिकी नीचे टैरिफ को कम करने के लिए, लेकिन वह पारस्परिक टैरिफ को हटा सकता है।

भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त 26 प्रतिशत टैरिफ से पूरी छूट की मांग

दिल्ली के बावली बाजार में ड्राई फ्रूट्स महंगे, मांग में कमी, भारत पाक में जंग का असर, मंडी में ड्राई फ्रूट्स आना बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के मशहूर खारी बावली बाजार में भारत-पाक के बीच उमड़े तनाव का सीधा असर दिखाई देने लगा है। यहां पर ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एशिया का सबसे बड़ा मेवा बाजार बावली भी इस संकट से झूझ रहा है। व्यापारियों की मानें तो भारत-पाक तनाव के कारण कई बॉर्डर बंद हो गए हैं, जिसके कारण सीमा पार से आने वाले ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति में कमी आ गई है। जिसकी वजह से ड्राई फ्रूट्स की कीमतें 300 से 400 रुपए तक बढ़ गई हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सावधान! देश में ...

मंजीत कौर के अनुसार, आरोपियों ने सरकारी योजनाओं का लाभ और दो लाख रुपए का लालच दिया, लेकिन कोई वादा पूरा नहीं किया गया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने आठ नामजद और दर्जनों अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह जग्गी ने इस मामले को गंभीरता से उठाया। उन्होंने स्थानीय गुरुद्वारा श्री सिंह सभा में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। जग्गी ने बताया कि पीलीभीत के सिख बहुल गांवों में करीब 3,000 से अधिक सिखों का धर्म परिवर्तन हो चुका है। उन्होंने जिला प्रशासन को 160 परिवारों की सूची सौंपी, जिनके धर्म परिवर्तन की पुष्टि हुई है। जग्गी ने कहा कि नेपाल से आए पादरी और कुछ स्थानीय पास्टर गरीबी, अशिक्षा और अंधविश्वास का फायदा उठाकर सिखों को ईसाई बना रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ परिवारों के घरों पर क्रॉस के निशान बनाए गए हैं, जो धर्मांतरण का प्रतीक माने जा रहे हैं। हालांकि, प्रशासनिक सख्ती के बाद कई परिवारों ने इन निशानों को हटा लिया है, लेकिन वे अब भी ईसाईयत का पालन कर रहे हैं। जग्गी ने कहा कि यह सिख समुदाय की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान पर हमला है और इसके पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है, जो नेपाल के रास्ते इस साजिश को अंजाम दे रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।बैल्हा गांव के सिखों ने बताया कि नेपाल से आने वाले पास्टर और पंजाब के कुछ मिशनरी लोग चंगाई प्रार्थना सभाओं के जरिए सिखों को लुभा रहे हैं। ये सभाएं सिख युवकों को विदेश भेजने, उनकी आर्थिक स्थिति ठीक करने, बुजुर्गों की बीमारी ठीक करने और उन्हें आर्थिक मदद देने का वादा करती हैं, जिससे गरीब और अशिक्षित लोग आसानी से प्रभावित हो जाते हैं। परमिंदर सिंह ने बताया कि मिशनरी लोग बाहरी तौर पर यह नहीं दिखाते कि कोई धर्म परिवर्तन कर चुका है। वे सिखों को उनकी पारंपरिक वेशभूषा और नाम बरकरार रखने की सलाह देते हैं, ताकि धर्मांतरण का पता न चले। फिर भी कई लोग उपचार सत्रों और आर्थिक लालच के कारण ईसाई धर्म की ओर झुक रहे हैं। हालांकि लखविंदर सिंह और बलजीत सिंह जैसे लोग धर्म परिवर्तन के बाद घर वापसी कर सिख धर्म में लौट आए हैं। लखविंदर ने बताया कि उनके बेटे की बीमारी ठीक न होने पर वे प्रार्थना सभाओं में गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, जिसके बाद उन्होंने सिख धर्म में वापसी कर ली।गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बताया कि अब तक 160 परिवारों की घर वापसी कराई जा चुकी है। इसके लिए कमेटी ने अमृतपान जैसे धार्मिक कार्यक्रम शुरू किए हैं। साथ ही नौ ऐसे लोगों की सूची सार्वजनिक की गई है, जो सिख से ईसाई बनकर अब दूसरों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इन लोगों का सामाजिक बहिष्कार करने के लिए गुरुद्वारे में उनकी सूची लगाई गई है।पीलीभीत की भौगोलिक स्थिति इस मामले को और जटिल बनाती है। नेपाल सीमा से सटे होने के कारण यह क्षेत्र लंबे समय से सीमा पार गतिविधियों का केंद्र रहा है। जांच एजेंसियां बताती हैं कि नेपाल से संचालित कुछ एनजीओ और मिशनरी संगठन धर्मांतरण की गतिविधियों में लिप्त हैं। हरपाल सिंह जग्गी ने दावा किया कि 2012 से नेपाल के पादरी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं और विदेशी ताकतों के इशारे पर सिखों को निशाना बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि यह केवल धार्मिक मामला नहीं, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। स्थानीय सिख नेताओं ने शिक्षा की कमी और गरीबी को धर्मांतरण का प्रमुख कारण बताया। उनका कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले लोग आसानी से प्रलोभनों का शिकार हो जाते हैं। कई पीड़ितों ने शपथपत्र देकर बताया कि उन्हें दो लाख रुपए, आवास, शौचालय और अन्य सरकारी योजनाओं का लालच दिया गया, लेकिन बाद में कोई लाभ नहीं मिला।पीलीभीत प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। डीएम संजय कुमार सिंह ने बताया कि एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है, जो मामले की तह तक जाएगी। एसपी अभिषेक यादव ने कहा कि मंजीत कौर की शिकायत पर आठ नामजद और दर्जनों अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही एक अवैध चर्च को भी हटाया गया है। प्रशासन ने उन गांवों में काउंसलिंग कैंप शुरू किए हैं, जहां धर्मांतरण की शिकायतें मिली हैं। हालांकि, पूरनपुर तहसील के एसडीएम अजीत प्रताप सिंह का कहना है कि बड़े पैमाने पर सुनियोजित धर्मांतरण की खबरें तो मिल रही हैं, लेकिन सिखों की वेशभूषा बनाए रखने के कारण धर्मांतरण का ठोस सबूत नहीं मिल पा रहा है। हालांकि कुछ सिख समुदाय के लोगों के शपथपत्र और गुरुद्वारा कमेटी की सूची एसडीएम के इस दावे को झूठा साबित करती है।

खुफिया एजेंसियों और ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल की सूचना पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले का संज्ञान लिया है। सीएम योगी ने सभी सीमावर्ती जिलों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश धर्म स्वतंत्रता कानून के तहत सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है, जिसके तहत जबरन या प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण पर रोक लगाई गई है। सिख संगठनों का कहना है कि यह मामला उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान पर हमला है। वे मांग कर रहे हैं कि जिन लोगों ने खुद अपनी मर्जी से धर्मांतरण किया है, उन्हें अपने दस्तावेजों में धर्म बदलने की जानकारी दर्ज करानी चाहिए। साथ ही वे दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। गुरुद्वारा कमेटियों ने घर वापसी के लिए बड़े पैमाने पर धार्मिक जागरूकता अभियान शुरू किया है।यह उजागर हो चुका है कि कैसे नेपाल से सटे सीमावर्ती जिलों में ईसाई मिशनरियां धर्मांतरण का जाल फैला रही हैं। नेपाल से सटे 7 सीमावर्ती जिलों में ईसाई धर्मांतरण के मामलों के मामलों पर कार्रवाई भी हो चुकी है। बीते साल यूपी से लोगों को नेपाल ले जाने का मामला सामने आया था, जिसमें हिंदू संगठनों ने आरोपी पादरियों को पकड़कर न सिर्फ पीटा था, बल्कि उनके चेहरों पर कालिख भी पोत दी थी। ईसाई मिशनरियों का जाल अयोध्या तक फैलता जा रहा है।

ईसाई प्रचारक स्थानीय धार्मिक संवेदनशीलताओं को अनुकूलित करने के लिए सोच-समझ कर चर्चों के बजाय प्रार्थना कक्ष और आश्रम जैसे शब्दों का उपयोग करते हैं और हिंदुओं और सिखों के लिए परिचित प्रतीकों और अनुष्ठानों को अपनाते हैं। सिख समुदायों में, ईसाई मिशनरियों ने कथित तौर पर ऐसे पादरी नियुक्त किए हैं जो पगड़ी और कृपाण सहित पारंपरिक सिख पोशाक पहनते हैं, जिससे उनके प्रभाव का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। इनमें से कुछ मिशनरी, हिंदू नाम होने के बावजूद, हिंदू विरोधी गतिविधियों में गहराई से शामिल हैं। उदाहरण के लिए, जौनसार क्षेत्र में, सुंदर सिंह चौहान नामक एक स्थानीय युवक को कथित तौर पर ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया और बाद में चर्च द्वारा पादरी के रूप में नियुक्त किया गया। वह अब स्थानीय आबादी के बीच धर्मांतरण के प्रयासों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। क्षेत्र के कई लोक गायक भी ईसाई मिशनों के प्रभाव में काम कर रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, हरबर्टपुर अस्पताल और हल्द्वानी में एक ग्रामीण अस्पताल जैसे विशिष्ट ईसाई संस्थान और अस्पताल मिशनरी गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं। एक महत्वपूर्ण संस्था, नैनीताल में मेथोडिस्ट चर्च, जो अब सत्तल आश्रम के नाम से संचालित होती है, इन धर्मांतरण अभियानों में भूमिका निभाने के लिए संदेह के घेरे में है।सितारगंज में, रमेश कुमार नामक एक स्थानीय निवासी, जिसे अब रमेश मैसी के नाम से जाना जाता है, कथित तौर पर ईसाई मिशन के रैंकों के माध्यम से एक प्रमुख पादरी बन गया है। मैसी ने विधान सभा के लिए चुनाव भी लड़ा और अब उसे चल रहे धर्मांतरण प्रयासों में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। राणा आदिवासी समुदाय के अन्य प्रभावशाली व्यक्ति, जैसे दान सिंह राणा और गोपाल राणा, को भी कथित तौर पर अपने लोगों के बीच ईसाई धर्म को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। झाझरा क्षेत्र में, डॉ. चंदना नामक एक पादरी ने धर्म के प्रचार में अपनी भूमिका के लिए प्रमुखता प्राप्त की है।मोदी सरकार के तहत मिशनरी संगठनों को विदेशी सहायता में कमी के बावजूद, इन गतिविधियों का जारी रहना, खास तौर पर उत्तराखंड के आदिवासी क्षेत्रों में, एक बड़ी चुनौती है। थारू बुक्सा जनजाति के 40 प्रतिशत से ज्यादा लोग पहले ही धर्म परिवर्तन कर चुके हैं, स्थानीय नेता चिंता जता रहे हैं कि इन समुदायों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान खतरे में है। इन प्रयासों के पीछे स्थानीय धर्मांतरित लोगों को प्रेरक शक्ति के रूप में इस्तेमाल करना और हिंदू और सिख परंपराओं के साथ ईसाई शिक्षाओं का मिश्रण करना इस मुद्दे को और भी जटिल और संबोधित करना मुश्किल बना देता है।तराई में, जहां पंजाब के बाहर सिखों की सबसे बड़ी आबादी रहती है, ईसाई मिशनरियों ने अपना धंधा तेज कर दिया है। खास तौर पर अनुसूचित जाति समूह, राईख सिख समुदाय के बीच। यह विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इस क्षेत्र का सिख धर्म से गहरा संबंध है, जिसका प्रतीक पवित्र गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब है। सिख समुदाय की अपने धर्म के प्रति लंबे समय से चली आ रही आस्था के बावजूद, ईसाई मिशनरी सफलतापूर्वक घुसपैठ कर रहे हैं, मिशनरी केंद्रों पर रविवार की प्रार्थनाएं थारू और राईख सिखों दोनों को आकर्षित करती हैं।सितारगंज में अनुग्रह आश्रम नामक सबसे बड़े धर्मांतरण केंद्रों में से एक में, रविवार की प्रार्थना सभाओं में थारू और राईख सिख समुदायों के बहुत से लोग आते हैं। मिशनरी उनकी कमजोरियों का फायदा उठाते हैं, उन्हें ईसाई धर्म में शामिल करने के लिए वित्तीय सहायता और घरेलू सामान की पेशकश करते हैं। बताया जाता है कि प्रार्थना के घंटों बाद उपस्थित लोग पादरी से मिलते हैं जो उन्हें सलाह देते हैं और ईसा मसीह के प्रति समर्पण के ज़रिए जीवन की चुनौतियों से राहत दिलाने का वादा करते हैं। यह पहुंच बच्चों तक भी फैली हुई है, जिन्हें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में ईसाई मूल्यों की शिक्षा दी जाती है, उन्हें किताबें, स्टेशनरी और ऑनलाइन सीखने के लिए मोबाइल फ़ोन जैसी मुफ्त आपूर्ति का लालच दिया जाता है।इन मिशनरियों का प्रभाव सितारगंज, खटीमा और आस-पास के गांवों जैसे थारू बघोरी, पैरपुरा, पिंडारी और सजनी के थारू-बहुल इलाकों में बढ़ रहा है। निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की आड़ में, ईसाई संस्थाएं व्यवस्थित रूप से बच्चों को ईसा मसीह के जीवन और बाइबल की कहानियों के बारे में पढ़ा रही हैं, जो भविष्य में धर्मांतरण के लिए आधार तैयार कर रही हैं। इनमें से कई बच्चे, उच्च शिक्षा तक पहुंचने तक, ईसाई धर्म में पूरी तरह से एकीकृत हो जाते हैं।उल्लेखनीय रूप से, नेपाल सीमा के पास स्थित खटीमा विधानसभा क्षेत्र में अमाऊ चर्च की गतिविधियां बढ़ी हैं। मिशनरी संगठन कथित तौर पर भारत और नेपाल के बीच बिना निगरानी के आवाजाही में शामिल है, इसके वाहन अक्सर सीमा पार करते हैं। नेपाल के माओवादी विद्रोह के बाद, ईसाई मिशनरियों के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने भारत-नेपाल सीमा के साथ-साथ वन गांवों में पैर जमा लिए हैं, जिनमें रनसाली और कडापानी जैसे क्षेत्र शामिल हैं। मिशनरी नेटवर्क उत्तराखंड के कई अन्य क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिसमें मोहम्मदपुर भुड़िया, लोहियापुल, उमरकला, फुलैया, मझोला और पोलीगंज के गांव शामिल हैं, जहां उनके संचालन को ट्रैक करना मुश्किल होता जा रहा है। ये नेटवर्क इतने मजबूत हो गए हैं कि मिशनरी झुग्गी-झोपड़ियों में प्रार्थना केंद्र भी बना रहे हैं। खास बात यह है कि ये मिशनरी अपने पीछे बहुत कम या कोई ऐसा दस्तावेज नहीं छोड़ते जो कानूनी तौर पर धर्म परिवर्तन को साबित कर सके, जिससे उनकी गतिविधियों के दायरे को ट्रैक करना लगभग असंभव हो जाता है। आज, धर्म परिवर्तन के बाद नाम भी नहीं बदले जाते हैं, जिससे नए ईसाई धार्मिक अल्पसंख्यकों और आदिवासी समूहों को दी जाने वाली कानूनी सुरक्षा का लाभ उठाते रहते हैं।खुफिया रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि ईसाई मिशनरियों ने उत्तराखंड में नेपाल मूल के गरीब निवासियों को धर्मांतरित करने के लिए लक्षित प्रयास शुरू किए हैं। इन नए धर्मांतरित व्यक्तियों के माध्यम से, मिशनरी प्रभाव पड़ोसी नेपाल में घुसपैठ करना शुरू कर दिया है। इस ऑपरेशन का अधिकांश हिस्सा खटीमा और सितारगंज के केंद्रों से समन्वित किया जाता है, जिससे इस मुद्दे की जटिलता और सीमा पार आयाम बढ़ जाते हैं।

कानून व्यवस्था के...

उस पर आरोप है कि उसने जौनपुर के विक्रमपुर में एक चर्च में गरीब ग्रामीणों को मुफ्त इलाज और पैसे का लालच देकर ईसाई मजहब अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह काम ईसाई प्रार्थना सभाओं के नाम पर किया जा रहा था। इस मामले में थाने के थानाध्यक्ष ने एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें दुर्गा यादव और कुछ अन्य लोगों पर गैरकानूनी धर्मांतरण के आरोप लगाए गए थे।दुर्गा यादव के वकील ने दलील दी कि 2021 के कानून की धारा 4 के तहत केवल पीड़ित व्यक्ति या उनके नजदीकी रिश्तेदार ही शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उसका कहना था कि एसएचओ द्वारा दर्ज एफआईआर गैरकानूनी है, क्योंकि वह इस मामले में पीड़ित व्यक्ति नहीं है। जस्टिस विनोद दिवाकर ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि धारा 4 में किसी भी पीड़ित व्यक्ति का मतलब केवल पीड़ित या उनके रिश्तेदारों तक सीमित नहीं है। हाईकोर्ट ने माना कि इस शब्द का दायरा व्यापक है और इसमें पुलिस अधिकारी जैसे लोग भी शामिल हो सकते हैं, जो सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कार्रवाई करते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर इस शब्द को संकीर्ण अर्थ में लिया जाए, तो यह कानून अपने मकसद को पूरा करने में नाकाम हो जाएगा, खासकर तब जब बात सामूहिक धर्म परिवर्तन की हो, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशाना बनाता हो।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि गैरकानूनी धर्म परिवर्तन न केवल व्यक्ति या उनके परिवार के खिलाफ अपराध है, बल्कि यह समाज और सामाजिक व्यवस्था के लिए भी खतरा है। खासकर तब, जब सामूहिक धर्म परिवर्तन धोखाधड़ी, जबरदस्ती, प्रलोभन या गलत तरीकों से किया जाए। हाईकोर्ट ने कहा, ऐसे मामलों में राज्य मूकदर्शक नहीं रह सकता। हाईकोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति जबरदस्ती, धोखे या लालच से धर्म परिवर्तन करा सकता है। कोर्ट ने कहा कि यह कानून सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए बनाया गया है, जो संविधान के अनुच्छेद 25 के अनुरूप है।

मेरी नसों में ...

पीएम मोदी ने कहा, एयर स्ट्राइक के बाद चूरू में मैंने कहा था, शपथ है मुझे इस मिट्टी की कि मैं देश को मिटने नहीं दूंगा, देश झुकने नहीं दूंगा। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से बड़ी नम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि देश के कोने-कोने में तिरंगा यात्राओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें हमने मिट्टी में मिला दिया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज उनसे एक-एक कतरे का हिसाब चुकाया गया है। जो सोचते थे कि भारत चुप रहेगा, आज वे अपने घरों में दुबके बैठे हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वे मलबे के ढेर में दबे पड़े हैं।

पीएम मोदी ने कहा, यह प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय का नया स्वरूप है। यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह आक्रोश नहीं, समर्थ भारत का रौद्र रूप है। यह भारत का नया स्वरूप है। पहले घर में घुसकर हमला किया था, अब सीधा सीने पर प्रहार किया है। आतंक का फन कुचलने की यही नीति है, यही रीति है, यही भारत है और यही नया भारत है।

पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीन नियम तय किए हैं। अगर, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। इसे देश के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा, समय सेना तय करेगी। एटम बम की गीदड़ भभकी से भारत डरने वाला नहीं है। आतंकियों और आतंकपरस्त सरकार को एक ही माना जाएगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन-स्टेट वाला खेल अब नहीं चलेगा। भारत ने पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सात अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तान कर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लहू गर्म होता है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है। अब भारत ने साफ कर दिया है कि हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ये कीमत, पाकिस्तान की सेना और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चुकाएगी। पाकिस्तान ने नाल एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन वह उसे रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुंचा सका। वहीं, यहां से कुछ ही दूरी पर स्थित पाकिस्तान का रहीम यार खान एयरबेस आईसीयू में पड़ा है, पता नहीं कब खुलेगा। उसे तहस-नहस कर दिया गया है। अब पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा और न वार्ता होगी। अगर, बात होगी तो सिर्फ पीओके पर होगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने देशनोक से देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया और बीकानेर-बांद्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने 26 हजार करोड़ रुपए के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल में राजस्थान में करीब 70 हजार करोड़ खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए करीब 10 हजार करोड़ खर्च कर रही है। 2014 की तुलना में यह 15 गुना ज्यादा है। राजस्थान के गांव तेजी से उन्नति की ओर बढ़ें, युवाओं को शहरों में अच्छे अवसर मिलें और राजस्थान का विकास हो, इसके लिए डबल इंजन सरकार तेजी से काम कर रही है। नई औद्योगिक नीतियां जारी की गई है। बीकानेर को इन नीतियों का लाभ मिलेगा। बीकानेर की बात आती है तो बीकानेरी भुजिया का स्वाद और रसगुल्लों की मिठास विश्व भर में अपनी पहचान बनाएगी भी और बढ़ाएगी भी। रिफाइनरी की का काम अंतिम चरण में है। इकोनॉमिक कॉरिडोर जालौर बीकानेर समेत कई शहरों से गुजर रहा है। दिल्ली मुंबई से भी राजस्थान के शहर जुड़ रहे हैं। राजस्थान में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आगे बढ़ रही है। इस योजना में राजस्थान के चालीस हजार से ज्यादा लोग जुड़ गए है। लोग इससे कमाई कर रहे हैं। बिजली से जुड़े कई योजनाओं का शिलान्यास हुआ है। बिजली का बढ़ता उत्पादन नई गति दे रहा है। रेत के मैदान में हरियाली लाने वाले गंगासिंह जी की भूमि राजस्थान है। हमसे बेहतर पानी का महत्व कौन जान सकता है? हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं और नदियों को भी जोड़ रहे हैं। पार्वती-काली सिंध और चंबल नदी लिंक परियोजना से राजस्थान के किसानों को फायदा होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीएम को पटका पहनाकर सम्मानित किया।

पहलगाम आतंकी हमले...

उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम द्विपक्षीय तौर पर हुआ। भारत ने जब 10 मई को पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तो पाकिस्तानी सेना ने स्वीकार किया था कि हमें संघर्षविराम करना चाहिए।

भारतीय विदेश मंत्री ने दुनिया के समक्ष एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकी पाकिस्तान में हैं तो उन्हें वहीं घुसकर मारेंगे। जयशंकर ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। उन्होंने कहा, अगर दोबारा किसी भी तरह का आतंकी हमला होता है तो भारत तगड़ा पलटवार करेगा। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर आतंकी पाकिस्तान में छुपे बैठे हैं, तो हम उन्हें वहीं घुसकर मारेंगे, जहां वो हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर नीदरलैंड के दौरे पर हैं। वहीं पर एनओएस को दिए साक्षात्कार में उन्होंने आतंकवाद से लड़ाई में भारत के नए दृष्टिकोण को उजागर किया। विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बात करते हुए कहा कि ये केवल एक-दूसरे पर गोलीबारी करने के बारे में नहीं है, बल्कि ये ऑपरेशन एक संदेश है। इसे जारी रखा जाना भी एक संदेश ही है। विदेश मंत्री ने एक सवाल के जवाब में पहलगाम आतंकी हमले को याद किया और कहा कि जिस प्रकार से 22 अप्रैल को लोगों की आस्था के बारे में पूछकर उनकी हत्या की गई। इसका एक उद्देश्य कश्मीर के पर्यटन को भी नुकसान पहुंचाना था। क्योंकि पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। लेकिन, संदेश स्पष्ट है 22 अप्रैल जैसी हरकत दोबारा हुई तो आतंकियों पर फिर से वैसा ही हमला करेंगे।

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को पकड़ने में भारत सक्षम था या नहीं के सवाल पर विदेश मंत्री ने स्पष्ट कहा कि हम ये पहचानने में पूरी तरह से सक्षम थे कि आतंकी कौन थे, क्योंकि उन सभी की तस्वीरें हमारे पास थीं। पहलगाम आतंकी हमला लश्कर ए तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े द रजिस्टेंट फ्रंट ने किया था। ये कई वर्षों से हमारे रडार पर था। 2023, 2024 और 2025 में हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति के ध्यान में लाए थे।

किश्तवाड़ में दो ...

दो आतंकियों की मौत के बाद दो आतंकियों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ सुबह शुरू हुई और अभी भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि तीन से चार आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद संयुक्त सुरक्षा बलों ने किश्तवाड़ जिले के सिंघपोरा, छात्रू इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया।ऑपरेशन को ऑपरेशन त्राशी नाम देते हुए भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि आज सुबह छात्रू, किश्तवाड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों से सामना हुआ। अतिरिक्त जवानों को शामिल किया गया है और आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के अनुसार संयुक्त बलों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों, उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स और समर्थकों के खिलाफ आक्रामक अभियान शुरू कर दिया है। यह अभियान 22 अप्रैल के बाद और तेज हो गया, जब लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी।

असम तुम्हारा तो...

सीएम सरमा ने कहा कि बांग्लादेश एक छोटा देश है और इतना ध्यान दिए जाने का वह हकदार नहीं है। बांग्लादेश के लोग ऐसा फर्जी नक्शा बना सकते हैं और प्रकाशित कर सकते हैं। हम भी बांग्लादेश को असम का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा बना सकते हैं। यहां तक कि भारत और अमेरिका को भी एक नक्शे पर एक साथ रखा जा सकता है। सिर्फ नक्शा बनाने से यह असलियत नहीं बन जाएगी।

भारत ने गंवा...

ये वन मूलतः एक ऐसे क्षेत्र को कवर करते थे जो इंसान के किए गए पर्यावरण में बदलावों से पहले का था। प्राथमिक वन अक्षुण्ण पारिस्थितिक तंत्र के उदाहरण हैं। ये वन जंगल में आग, तूफान, या भूस्खलन जैसे प्राकृतिक विक्षोभों से गुजर सकते हैं और मानवीय गतिविधियों से प्रभावित नहीं होते हैं।

यह वन जैव विविधता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाते हैं। भारत ने 2002 से 2024 के बीच कुल 3,48,000 हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वन खो दिए। यह लगभग 5.4 फीसदी हानि के बराबर है और देश की कुल वृक्षावरण हानि का लगभग 15 फीसदी हिस्सा है। आंकड़ों से पता चलता है कि देश को 2022 में 16,900 हेक्टेयर , 2021 में 18,300 हेक्टेयर, 2020 में 17,000 हेक्टेयर और 2019 में 14,500 हेक्टेयर आर्द्र प्राथमिक वनों का नुकसान हुआ। यह सभी आंकड़े लैंडसैट उपग्रह चित्रों के विश्लेषण पर आधारित हैं। इन्हें हर क्षेत्र के लिए खास एल्गोरिद्म से जांचा गया है। भारत में परिपक्व वन पारिस्थितिकी तंत्रों का लगातार होता नुकसान, वन संरक्षण की नीतियों को और मजबूत करने और भूमि उपयोग की टिकाऊ योजनाओं की जरूरत की तरफ इशारा करता है।

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा वन क्षेत्र वाले जिलों में जंगल तेजी से घटे हैं। पिछले चार वर्षों में कुल 137 वर्ग किमी वन क्षेत्र कम हुआ है। सबसे ज्यादा कमी सामान्य और खुले वन में आई है। सामान्य सघन वन का दायरा 967 वर्ग किमी था, जो भारतीय वन सर्वे की ताजा रिपोर्ट में घटकर 927 वर्ग किमी ही रह गया है। खुले वन में भी भारी गिरावट आई है। इसकी अपेक्षा झाड़ियों का दायरा बढ़ा है। 2019 में 28 प्रतिशत झाड़ियां थीं, जो अब बढ़कर 42 प्रतिशत तक पहुंच गई।

उत्तर प्रदेश के 10 जिलों में वन क्षेत्र घटा है। इनमें मीरजापुर सोनभद्र आजमगढ़ बिजनौर चंदौली लखीमपुर खीरी महाराजगंज मुजफ्फरनगर पीलीभीत और सुल्तानपुर जिले हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की 2021 की जिलेवार रिपोर्ट से यह उजागर होता है। वन क्षेत्र में सर्वाधिक कमी सोनभद्र और मिर्जापुर जिले में आई है।

प्रदेश के 10 जिलों में हरियाली कम होने का कारण जंगलों की अंधाधुंध कटाई और नए पौधों के रखरखाव में अभाव है। सोनभद्र में 103.54 वर्ग किलोमीटर के वन क्षेत्र में कमी आई है। इसी तरह मिर्जापुर में 57.62 वर्ग किलोमीटर, चंदौली में 11.78 वर्ग किलोमीटर, बिजनौर में 4.71 वर्ग किलोमीटर, सुल्तानपुर में 1.90 वर्ग किलोमीटर, पीलीभीत में 1.38 वर्ग किलोमीटर, महाराजगंज में 1.31 वर्ग किलोमीटर, आजमगढ़ में 0.69 वर्ग किलोमीटर, लखीमपुर खीरी में 0.50 वर्ग किलोमीटर और मुजफ्फरनगर में 0.08 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र कम हो गया है। वन क्षेत्रों की कमी इसी तेज रफ्तार से जारी है।

210 करोड़ पौधे लगा...

केवल एक जिले सोनभद्र का उदाहरण सामने रखें तो असलियत सामने दिखेगी। योगी सरकार ने जिले में 1.55 करोड़ पौधे लगवाए थे। पौधे लगाकर लोग उसे भूल गए। देखभाल न होने के कारण उन पौधों की जगह सिर्फ ठूंठ बची है। कई जगह तो ठूंठ भी नदारद है।

मध्यम और खुले वन की सुरक्षा को लेकर प्रदेश में भीषण लापरवाही है। संरक्षित क्षेत्रों में तो लगातार निगरानी और सख्ती के चलते वन सुरक्षित रह रहे हैं, लेकिन खुले क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई धड़ल्ले से चल रही है। रेणुकूट वन प्रभाग के अंतर्गत म्योरपुर, बीजपुर और बभनी थाना क्षेत्रों में पिछले एक साल में खैर, साखू, शीशम जैसे इमारती लकड़ियों की अंधाधुंध कटाई के अनगिनत मामले सामने आ चुके हैं। ज्यादातर मामलों में वन माफिया कटान के बाद लकड़ी को सुरक्षित निकालने में कामयाब रहते हैं। इसी तरह ओबरा और सोनभद्र वन प्रभाग में भी अवैध कटान के मामले लगातार आ रहे हैं। इसके अलावा नई सड़कों, परियोजनाओं के कारण भी पेड़ों की कटाई बड़ी संख्या में हुई है। इसके बदले नए पौधे भी लगाए गए हैं, लेकिन ज्यादातर जगहों पर देखरेख के अभाव में पेड़ बनने से पहले ही पौधे सूख गए।

पाक उच्चायोग ...

व्यक्ति घोषित कर दिया है। अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को इस आशय का आपत्ति पत्र जारी किया गया। उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और स्थिति का दुरुपयोग न करें। इससे पहले 13 मई 2025 को पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश को जासूसी के आरोप में अवांछित घोषित किया गया था। यह कार्रवाई पाकिस्तान के खिलाफ चले ऑपरेशन सिंदूर के समय पर की गई थी।

सभी पापों से मुक्ति दिलाता है एकादशी का व्रत

4 शुभ योग में आज रखा जाएगा अपरा एकादशी व्रत

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। इस साल अपरा एकादशी आज 23 मई को है। इसे अचला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। अपरा एकादशी व्रत धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण व्रत है। ये व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दिन व्रत रखा जाता है और विधि-विधान से श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि आज 23 मई को रात 01:12 बजे प्रारंभ होगी और इसी दिन रात 10:29 बजे समाप्त हो जाएगी। सनातन धर्म में उदया तिथि को प्राथमिकता दी जाती है, अतः अपरा एकादशी व्रत 23 मई को रखा जाएगा। आज 23 मई को अपरा एकादशी के दिन 4 शुभ संयोग बन रहे हैं। उस दिन प्रीति योग, आयुष्मान योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। मान्यता है कि अपरा एकादशी व्रत से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है और स्वर्ग लोक की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं जल्द पूर्ण होती हैं। साथ ही सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैसे तो प्रत्येक एकादशी का अपना महत्व होता है लेकिन अपरा एकादशी विशेष रूप से शुभ और लाभकारी मानी जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह की कृष्ण पक्ष पर पड़ने वाली एकादशी तिथि को अपरा एकादशी कहा जाता है।

भगवान विष्णु की विशेष आराधना के लिए समर्पित अपरा एकादशी का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की आराधना करने से वे जल्दी प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि जो भी यह व्रत रखता है उसको जीवन में अपार तरक्की मिलती है साथ ही मोक्ष की भी प्राप्ति होती है। हिंदी में अपार शब्द का अर्थ असीमित है, क्योंकि इस व्रत को करने से व्यक्ति को असीमित धन की भी प्राप्ति होती है, इस कारण से ही इस एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। इस एकादशी का एक और अर्थ यह है कि यह अपने उपासक को असीमित लाभ देती है। अपरा एकादशी का महत्व ब्रह्म पुराण में बताया गया है। अपरा एकादशी पूरे देश में पूरी प्रतिबद्धता के साथ मनाई जाती है। इसे भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। पंजाब, जम्मू और कश्मीर और हरियाणा राज्य में, अपरा एकादशी को भद्रकाली एकादशी के रूप में मनाया जाता है और इस दिन देवी भद्रा काली की पूजा करना शुभ माना जाता है। उड़ीसा में इसे जलक्रीड़ा एकादशी के रूप में जाना जाता है और भगवान जगन्नाथ के सम्मान में मनाया जाता है।

अपरा एकादशी तिथि

ज्योतिषीय गणना के अनुसार ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 23 मई को रात 01:12 बजे प्रारंभ होगी और इसी दिन रात 10:29 बजे समाप्त हो जाएगी। सनातन धर्म में उदया तिथि को प्राथमिकता दी जाती है, अतः अपरा एकादशी व्रत 23 मई को रखा जाएगा। अगले दिन यानी 24 मई को व्रत का पारण किया जाएगा।

अपरा एकादशी पारण का समय

एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि के दौरान किया जाता है। 24 मई को पारण के लिए शुभ समय सुबह 05:26 बजे से शाम 08:11 बजे तक रहेगा। इस दौरान कभी भी व्रत खोला जा सकता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:04 से 04:45 बजे तक रहेगा, जो पूजा-पाठ के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है।

4 शुभ संयोग

अपरा एकादशी के दिन 4 शुभ संयोग बन रहे हैं। उस दिन प्रीति योग, आयुष्मान योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग शाम को 04:02 मिनट से बनेंगे और यह अगले दिन 24 मई को सुबह 05:26 मिनट तक रहेंगे। एकादशी को प्रात:काल से प्रीति योग बनेगा, जो शाम को 6:37 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से आयुष्मान योग बनेगा। इसके अलावा उस दिन उत्तर भाद्रपद नक्षत्र सुबह से लेकर शाम 04:02 मिनट तक है, उसके बाद से रेवती नक्षत्र है।

न करें ये गलतियां

तामसिक आहार और बुरे विचार से दूर रहें। बिना भगवान कृष्ण की उपासना के दिन की शुरुआत न करें। मन को ज्यादा से ज्यादा ईश्वर भक्ति में लगाए रखें। एकादशी के दिन चावल और जड़ों में उगने वाली सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी के दिन बाल और नाखून काटने से बचना चाहिए. इस दिन सुबह देर तक नहीं सोना चाहिए।

महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार अपरा एकादशी का व्रत रखने से सभी पाप धुल जाते हैं, साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। भगवान विष्णु की आराधने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। यदि आप आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं तो एकादशी के दिन विष्णु जी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी पूजा करें। ऐसा करने से आप आर्थिक तौर पर संपन्न होते हैं। एकादशी का व्रत रखने से शरीर रोग मुक्त भी रहता है।

कथा

भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर द्वारा पूछे जाने पर अपरा एकादशी के महत्व के बारे में बताया और कहा कि अपरा एकादशी व्रत को करने से प्रेत योनि, ब्रह्म हत्या आदि से मुक्ति मिलती है। पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन काल में महीध्वज नामक एक धर्मात्मा राजा था। वहीं उसका छोटा भाई वज्रध्वज बड़ा ही क्रूर, अधर्मी तथा अन्यायी था, जो अपने बड़े भाई महीध्वज से घृणा और द्वेष करता था। राज्य पर अपना आधिपत्य जमाने के लिए एक रात उसने बड़े भाई की हत्या कर दी और उसकी देह को जंगल में पीपल के नीचे गाड़ दिया।

पीपल में प्रेतात्मा

राजा महीध्वज, अकाल मृत्यु के कारण प्रेत योनि में प्रेतात्मा बनकर उस पीपल के पेड़ पर रहने लगे और फिर बड़ा ही उत्पात मचाने लगे। एक बार धौम्य ऋषि ने प्रेत को देख लिया और माया से उसके बारे में सबकुछ पता कर लिया। ऋषि ने उस प्रेत को पेड़ से उतारा तथा परलोक विद्या का उपदेश दिया। उनकी मुक्ति के लिए ऋषि ने अपरा एकादशी व्रत रखा और श्रीहरि विष्णु से राजा के लिए कामना की। इस पुण्य के प्रभाव से राजा की प्रेत योनि से मुक्ति हो गई। राजा बहुत खुश हुआ और वह ऋषि को धन्यवाद देता हुआ स्वर्ग लोग में चला गया।

पूजा विधि

इस दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन यदि आप व्रत रखते हैं तो प्रातः उठकर, स्नान से मुक्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। फिर श्रीहरि विष्णु को केला, आम, पीले फूल, पीला चंदन, पीले वस्त्र चढ़ाएं और ऊं नमो भगवते वासुदेवाय का जाप करें। श्रीहरि को केसर का तिलक लगाएं और फिर स्वंय भी टीका करें। फिर विष्णु सहस्रनाम का पाठ जरूर करें और एकादशी व्रत कथा पढ़ें या सुनें। यदि आप कथा करते या सुनते हैं तो आपको भगवान विष्णु को पंचामृत और आटे की पंजीरी का भोग जरूर लगाएं। साथ ही विष्णु जी को लगने वाले भोग में तुलसी दल अवश्य अर्पित करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

जरूर ध्यान रखें अपरा एकादशी के नियम मिलेगा व्रत का पूरा फल

हर माह की एकादशी तिथि पर एकादशी का व्रत किया जाता है। इस प्रकार साल में कुल 24 एकादशी मनाई जाती हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, एकादशी व्रत करने वाले साधक को भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी का भी आशीर्वाद मिलता है। जिससे उसके जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है।

रखें इन बातों का ध्यान

एकादशी के दिन चावल का सेवन करना वर्जित माना गया है। एकादशी का व्रत करने वाले साधक के साथ-साथ घर के बाकी सदस्यों को भी मांस, लहसुन, प्याज आदि के सेवन से दूरी बनानी चाहिए। ऐसा करने से पूरे परिवार पर प्रभु श्रीहरि की कृपा बनी रहती है।

तुलसी संबंधित नियम

एकादशी के दिन तुलसी से संबंधित नियमों का भी जरूरी रूप से ध्यान रखना चाहिए। एकादशी तिथि के दिन न तो तुलसी में जल अर्पित करना चाहिए और न ही तुलसी के पत्ते उतारने चाहिए। माना जाता है कि इस दिन पर मां तुलसी भगवान विष्णु के निमित्त व्रत करती हैं। ऐसे में इस दिन पर ये सभी कार्य करने से उनके व्रत में विघ्न उत्पन्न हो सकता है।

इसी के साथ एकादशी के दिन भगवान विष्णु के भोग में तुलसी जरूर शामिल करें, क्योंकि इसके बिना प्रभु श्रीहरि का भोग अधूरा माना जाता है। इसके लिए आप एक दिन पहले ही तुलसी के पत्ते तोड़कर रख सकते हैं या फिर गमले में नीचे गिरे हुए पत्ते ले सकते हैं।

नहीं मिलता व्रत का फल

एकादशी के दिन क्रोध करने से बचना चाहिए और न ही मन में किसी तरह के नकारात्मक विचार नहीं लाने चाहिए। इसके साथ ही ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही एकादशी व्रत का पारण करना भी जरूरी होता है, जो अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर किया जाता है। अगर आप व्रत के दौरान इन सभी बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको व्रत का पूर्ण फल मिलता है।

आज शिवलिंग पर चढ़ाएं निम्न वस्तुएं घर में होगा देवी लक्ष्मी का आगमन

अपरा एकादशी व्रत हिंदू धर्म में बड़ा महत्व रखता है। यह ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को आती है। इसे अचला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस साल यह एकादशी 23 मई, दिन शुक्रवार को मनाई जा रही है। यह दिन भगवान विष्णु और धन की देवी माता लक्ष्मी को समर्पित है।

वहीं, इस दिन भगवान शिव की पूजा भी फलदायी मानी गई है।

अपरा एकादशी का धार्मिक महत्व

प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, अपरा एकादशी का व्रत विधि-विधान से करने से व्यक्ति के सभी कष्टों का नाश होता है और उसे अपार पुण्य फल की प्राप्ति होती है, जो कि इसके नाम से ही पता चल रहा है। कहते हैं कि इस दिन उपवास जरूर रखना चाहिए। इससे विष्णु जी खुश होते हैं।

शिवलिंग पर चढ़ाएं ये विशेष चीजें

बेलपत्र – भगवान शिव को बेलपत्र बहुत प्रिय है। ऐसे में अपरा एकादशी के दिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएं। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान शिव खुश होते हैं और भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

दूध – शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से मानसिक दुखों से मुक्ति मिलती है। ये भी कहते हैं कि अपरा एकादशी के दिन दूध से शिवलिंग का अभिषेक करने से दरिद्रता का नाश होता है और घर में सुख और समृद्धि आती है।

धतूरा और भांग – भोलेनाथ को धतूरा और भांग चढ़ाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से जीवन की सारी नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही घर में सकारात्मकता ऊर्जा का वास होता है।

शमी के फूल – शमी के पत्ते भगवान शिव को चढ़ाने से शनिदेव की कृपा मिलती है, जिससे जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं।

अक्षत – शिवलिंग पर अक्षत चढ़ाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे धन की वृद्धि होती है और घर में अन्न-धन की कभी कमी नहीं होती।

अंत में दीपक जलाएं – शाम के समय शिवलिंग के पास घी का दीपक जलाना बहुत ही शुभ होता है। इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है और मां लक्ष्मी का वास होता है।

पूजा विधि

अपरा एकादशी के दिन सुबह उठें और स्नान करें। व्रत का संकल्प लें। एक वेदी पर भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें। उन्हें तुलसी दल, पीले फूल, फल, मिठाई और पंचामृत अर्पित करें। विष्णु चालीसा और वैदिक मंत्रों का जप करें। अपरा एकादशी कथा का पाठ करें। अंत में आरती करें। अगले दिन व्रत का पारण प्रसाद से करें।

एकादशी पर तुलसी पुजा का अधिक महत्व

हर महीने में दो बार एकादशी का व्रत किया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा के नाम से जाना जाता है। इस दिन सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस बार अपरा एकादशी व्रत 23 मई को किया जाएगा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, अपरा एकादशी व्रत को विधिपूर्वक करने से साधक के जीवन में आ रहे दुख और संकट दूर होते हैं। इस दिन मां तुलसी की पूजा की जाती है। अपरा एकादशी के अवसर पर मां तुलसी की पूजा और तुलसी से जुड़े उपाय करने से साधक की किस्मत चमक सकती है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा से धन लाभ के योग बनते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि तुलसी से जुड़े उपायों के बारे में।

आर्थिक तंगी से मिलेगा छुटकारा

आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने के लिए अपरा एकादशी का दिन शुभ माना जाता है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद तुलसी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इसके बाद सूखी हुई तुलसी की जड़ को पीले कपड़े में बांधकर घर के मुख्य द्वार पर बांध दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं।

जीवन में बनी रहेगी सुख-शांति

अपरा एकादशी के दिन तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाएं। मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें और लाल चुनरी अर्पित करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

भोग में जरूर शामिल करें तुलसी के पत्ते

अपरा एकादशी के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को फल और मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। भोग में तुलसी के पत्ते जरूर शामिल करें। ऐसा माना जाता है कि भोग में तुलसी के पत्ते शामिल न करने से प्रभु भोग को स्वीकार नहीं करते हैं।

तुलसी जी के मंत्र

महाप्रसाद जननी सर्व सौभाग्यवर्धिनी, आधि व्याधि हरा नित्यं तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

मां तुलसी का पूजन मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।
तुलसी माता का ध्यान मंत्र
तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

आज भूल कर भी न करें ये गलतियां ...

अपरा एकादशी का व्रत रखना शास्त्रों में बहुत ही परमफलदायी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से आपको मोक्ष की प्राप्ति होती है और आपके हर प्रकार के पाप कर्म धुल जाते हैं। अपरा एकादशी का व्रत करने के विधि विधान से जुड़े शास्त्रों में कुछ नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करते हुए व्रत करने से आपको दोगुने फल की प्राप्ति होती है। भगवान विष्णु की सच्ची श्रृद्धा से पूजा करने से आपको उनके साथ ही मां लक्ष्मी का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। आपके घर में धन का आगमन बना रहता है और घर में अन्न धन की कमी नहीं होती।

अपरा एकादशी व्रत में क्या ना करें

अपरा एकादशी का व्रत करने वाले लोगों को नमक और अन्न नहीं सिर्फ फल का सेवन करना चाहिए।

मांसाहारी भोजन बिल्कुल नहीं खाना चाहिए और इस दिन चावल भी नहीं खाने चाहिए।

इस दिन नाखून और बाल काटना भी अशुभ माना जाता है।

ऐसा माना जाता है कि इस दिन तुलसी माता भी व्रत रखती हैं, इसलिए इस दिन तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।

किसी को भी अपमानजनक या दुख पहुंचाने वाली बातें नहीं कहनी चाहिए। इस दिन किसी को भी अपने घर के दरवाजे से खाली हाथ नहीं भेजना चाहिए।

अपरा एकादशी व्रत में क्या करें

अपरा एकादशी पर दिन पीले रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

दान करना भी शुभ माना जाता है। ज्येष्ठ मास में गरीब और जरूरतमंद लोगों को काम की चीजें देने से आपको परम पुण्य की प्राप्ति होती है।

ऐसा माना जाता है कि इस दिन सूर्य की ऊर्जा अधिक होती है, इसलिए सूर्यदेव की पूजा करना बहुत फायदेमंद होता है।

इस दिन भगवान विष्णु के नाम या मंत्रों का जप करना चाहिए।

घर की उत्तर-पूर्व दिशा में या मंदिर के उत्तर-पूर्व कोने में दीया जलाना भी अच्छा होता है।

अपरा एकादशी पर मंत्रों के जाप से मिलता है हजार गायों के दान जितना पुण्य

हर साल ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी के रूप में मनाया जाता है। इस एकादशी का नाम ही अपने आप में इसका महत्व बताता है- अपार पुण्य देने वाली तिथि।

इस व्रत का पुण्य

कहते हैं अपरा एकादशी का व्रत रखने से बहुत पुण्य मिलता है। इस व्रत का पुण्य मकर संक्रांति के स्नान, काशी में शिवरात्रि व्रत, गया में पिंडदान, बदरीनाथ दर्शन के समान माना गया है। इसे करने और सुनने मात्र से हजार गायों के दान जितना पुण्य प्राप्त होता है।

व्रत और पूजन विधि

प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लें।

भगवान विष्णु के वामन रूप की पूजा करें।

भगवान विष्णु को पंचामृत, तुलसी पत्र, पीले फूल, मिष्ठान आदि अर्पण करें।

'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' का जप करें, विष्णु सहस्रनाम पढ़ें।

द्वादशी के दिन ब्राह्मण को भोजन कराने के बाद ही व्रती भोजन करें।

विष्णु मूल मंत्र - ॐ नमोः नारायणाय।।भगवते वासुदेवाय मंत्रॐ नमोः भगवते वासुदेवाय।।

विष्णु गायत्री मंत्र – ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

श्री विष्णु मंत्र – मंगलम भगवान विष्णुः, मंगलम गरुणध्वजः।मंगलम पुण्डरी काक्षः, मंगलाय तनो हरिः।।

राजा महीध्वज की कथा

बहुत समय पहले की बात है। एक धर्मात्मा और न्यायप्रिय राजा थे महीध्वज। लेकिन उनके छोटे भाई वज्रध्वज को उनसे बहुत ईर्ष्या थी। वज्रध्वज ने जलन के कारण एक दिन धोखे से महीध्वज की हत्या कर दी। फिर उसने उनके मृत शरीर को जंगल में एक पीपल के पेड़ के नीचे गाड़ दिया। क्योंकि यह अकाल मृत्यु थी इसलिए राजा की आत्मा को शांति नहीं मिली। वो आत्मा प्रेत योनि में चली गई और भटकती हुई आत्मा बन गई। राजा की आत्मा पीपल के पेड़ में बस गई और जो भी उस रास्ते से गुजरता, उसे परेशान करती। एक दिन धौम्य ऋषि नाम के एक साधु वहां से गुजरे। जैसे ही वे पीपल के पेड़ के पास आए, उन्होंने महसूस किया कि यहां कोई बेचैन आत्मा है। अपने तपोबल से उन्होंने जान लिया कि यह आत्मा राजा महीध्वज की है, जो अकाल मृत्यु के कारण प्रेत योनि में फंस गई है। उस दिन ज्येष्ठ मास की अपरा एकादशी थी। ऋषि धौम्य ने उसी दिन उपवास (व्रत) रखा और भगवान विष्णु की पूजा की। जब उन्हें उस व्रत का पुण्य मिला, तो उन्होंने वह पुण्य राजा महीध्वज की आत्मा को अर्पित कर दिया। पुण्य प्राप्त होते ही राजा की आत्मा को शांति मिली। प्रेत योनि से मुक्ति मिली और वह दिव्य शरीर में बदलकर स्वर्गलोक चला गया।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की बायोपिक का हुआ बड़ा ऐलान

फिल्म में धनुष निभाएंगे लीड किरदार

भारत के 11वें राष्ट्रपति और देश के सबसे सम्मानित और आइकोनिक फिगर जो मिसाइल मैन के नाम से भी जाने जाते हैं, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर एक ग्रैंड बायोपिक का अनाउंसमेंस हुआ है। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओम राउत करेंगे, जो तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर बना चुके हैं।₹और सबसे बड़ी खबर इस फिल्म में इंटरनेशनल स्टार और नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर धनुष हैं, जो मिसाइल मैन ऑफ इंडिया, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का रोल प्ले करते नजर आएंगे।वहीं इस फिल्म के निर्माता अभिषेक अग्रवाल (जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स प्रोड्यूस की थी) और भूषण कुमार (टी-सीरीज़) हैं, और स्क्रीनप्ले साईविन क्वाड्रास ने लिखा हैं, जो नीरजा, परमाणु, और मैदान जैसी प्रशंसित बायोपिक्स के लिए जाने जाते हैं।

डॉ. कलाम का सफर, रामेश्वरम से राष्ट्रपति भवन तक एक ऐसी कहानी है जो हर हिंदुस्तानी के दिल से जुड़ी है। एक सिंपल बैकग्राउंड से उठ कर वो एक एरोस्पेस साइंटिस्ट, दूरदर्शी नेता और फिर जनता के राष्ट्रपति बनें। उनकी लाइफ स्टोरी, विंग्स ऑफ फायर, दुनिया भर के युवाओं को प्रेरित करती है। इस फिल्म को लेकर ओम राउत और धनुष के बीच जब पहली बार मीटिंग हुई तो दोनों को एक ही बात का एहसास हुआ और वो ये कि ये उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है।

बता दें, ये अनाउंसमेंट हाल में कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 जैसे ग्लोबल स्टेज पर हुई है, क्योंकि ये कहानी सिर्फ इंडिया की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। ये फिल्म साइंस, सर्विस और स्पिरिचुअलिटी का संगम है - जैसी डॉ. कलाम की सोच थी। वैसे ये फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक या ऐतिहासिक बायोपिक नहीं होगी। ये एक गहरी, इमोशनल और फिलोसोफिकल जर्नी होगी, जहां साइंटिस्ट कलाम, प्रेसिडेंट कलाम और शिक्षक-कवि कलाम सब एक साथ नजर आएंगे। यानी एक ऐसे इंसान की कहानी जिन्होंने दिखाया कि सपने देखना और उनके लिए जीना कैसे देश को बदल सकता है। इस फिल्म पर ओम राउत ने कहा, कलाम सर एक ऐसे नेता थे जो राजनीति के परे थे। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो एजुकेशन, एक्सीलेंस और स्वदेशी इनोवेशन की ताकत के लिए जाने जाते थे। उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाना एक कलात्मक चुनौती और एक नैतिक और सांस्कृतिक ज़िम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जो ग्लोबल यूथ और ख़ास तौर पर ग्लोबल साउथ के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ये मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। निर्माता अभिषेक अग्रवाल कहते हैं, हम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के एपिक लाइफ को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारे लिए एक इमोशनल पल है। मैं भारतीय सिनेमा के दिग्गज टी-सीरीज़ के भूषण जी, ओम राउत जी और धनुष जी के साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। हमें यह कहानी बताने का सौभाग्य मिला है और हम इस प्रोजेक्ट में अपना सब कुछ दे रहे हैं।

निर्माता भूषण कुमार कहते हैं, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। टी-सीरीज़ के लिए ये फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, एक ट्रिब्यूट है। यह ओम राउत के साथ हमारी तीसरी फिल्म है और धनुष और अभिषेक अग्रवाल के साथ ये सहयोग और भी खास बन गया है। यह सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है, यह एक ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि है जिसने हमें दिखाया कि कैसे सपने, समर्पण और विनम्रता एक राष्ट्र के भविष्य को आकार दे सकते हैं।

इस फिल्म को लेकर फिलहाल क्रिएटिव टीम की तरह से ज़्यादा जानकारी समाने नही आई है, लेकिन ओम राउत की स्केल-ड्रिवन स्टोरीटेलिंग, अग्रवाल की बोल्ड प्रोडक्शन च्वाइसेस और धनुष का ट्रांसफॉर्मेशन्ल टैलेंट पहले से ही चर्चा में बना हुआ है और फिल्म को लेकर उम्मीदें आसमान छू रही हैं। इसकी एक वजह फिल्म में दो राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं, राउत और धनुष का एक आना है। कह सकते है ये फिल्म भारतीय बायोपिक्स का ग्लोबल बेंचमार्क बनने वाली है।साफ है विंग्स ऑफ फायर ग्लोबल दर्शकों के लिए भारतीय बायोपिक्स के व्याकरण को फिर से लिखने के लिए तैयार है। ये फिल्म अभिषेक अग्रवाल और भूषण कुमार के मजबूत समर्थन के साथ आ रही है, और इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं अभिषेक अग्रवाल, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनिल सुंकारा - जो मिलकर एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं जिसे सिर्फ भारत ही नहीं, पूरा विश्व देखेगा।

कियारा आडवाणी का बिकिनी लुक

फिल्म वॉर 2 की अनाइता ने की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी जल्द ही एक्शन फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इसी बीच, फैशन स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने कियारा की जमकर तारीफ की है।

हाल ही में रिलीज फिल्म के टीजर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर को शानदार एक्शन के लिए लोगों ने खूब पसंद किया। वहीं, कियारा आडवाणी ने बिकिनी में पूल के किनारे अपनी परफेक्ट बॉडी फ्लॉन्ट करते हुए धूम मचा दी।

फिल्म में कियारा का लुक तैयार करने वाली अनाइता ने कहा, यह पहली बार था, जब मैंने कियारा को किसी फिल्म के लिए स्टाइल किया था और यह निर्देश था कि लुक आकर्षक हो। मैंने पहले भी कई फिल्मों के लिए स्विमसूट स्टाइल किए हैं। मैंने हमेशा उन्हें अधिक सहज मानसिकता के साथ देखा है। मेरे लिए, मैं उसके लिए जो वास्तविक वाइब चाहती थी, वह यह था कि हम समुद्र तट पर महिलाएं कैसी होती हैं, खुश, तनावमुक्त, बिकिनी में पूरी तरह से खुद को, बिना इस बात पर ज्यादा सोचे कि यह कितना छोटा या बड़ा है, इस तरह की सहजता सुंदर है। यहां तक कि जब दृश्य की शूटिंग हो रही थी, तब भी फैशन स्टाइलिस्ट ने अभिनेत्री से कहा कि वह इसे अपना लें, अपनी जगह पर रहें, अपना काम करें, न कि यह दिखाएं कि मैं स्विमसूट में हूं, इसलिए मुझे अब ग्लैमरस दिखना है। अनाइता ने बताया कि फिल्म में कियारा के बिकिनी लुक के बारे में और भी बहुत कुछ देखने और जानने को मिलेगा। उन्होंने कहा, कियारा के लिए, मैं एक असामान्य रंग, कुछ अप्रत्याशित चुनना चाहती थी। यह एक ऐसा शेड है, जिसे पहचानना मुश्किल है... बिल्कुल हरा नहीं, बिल्कुल पीला नहीं। यह कहीं बीच में है, एक लुभावना, लगभग अवर्णनीय मिश्रण जो तुरंत आपको अपनी ओर खींचता है। उन्होंने आगे कहा, पहली बार हमने बिकिनी चार्म्स पेश किए हैं। मुझे यह पसंद है कि यह लुक में ठीक उतनी मस्ती और रहस्य जोड़ता है। उन्होंने आगे कहा, कियारा ने हमें बिल्कुल वैसा लुक देने के लिए बहुत मेहनत की, जैसा हम चाहते थे। मैं चाहती थी कि वह इतनी सहज महसूस करें कि उन्हें यह सोचने की जरूरत न पड़े कि वह किस तरफ मुड़ रही हैं या क्या कर रही हैं।

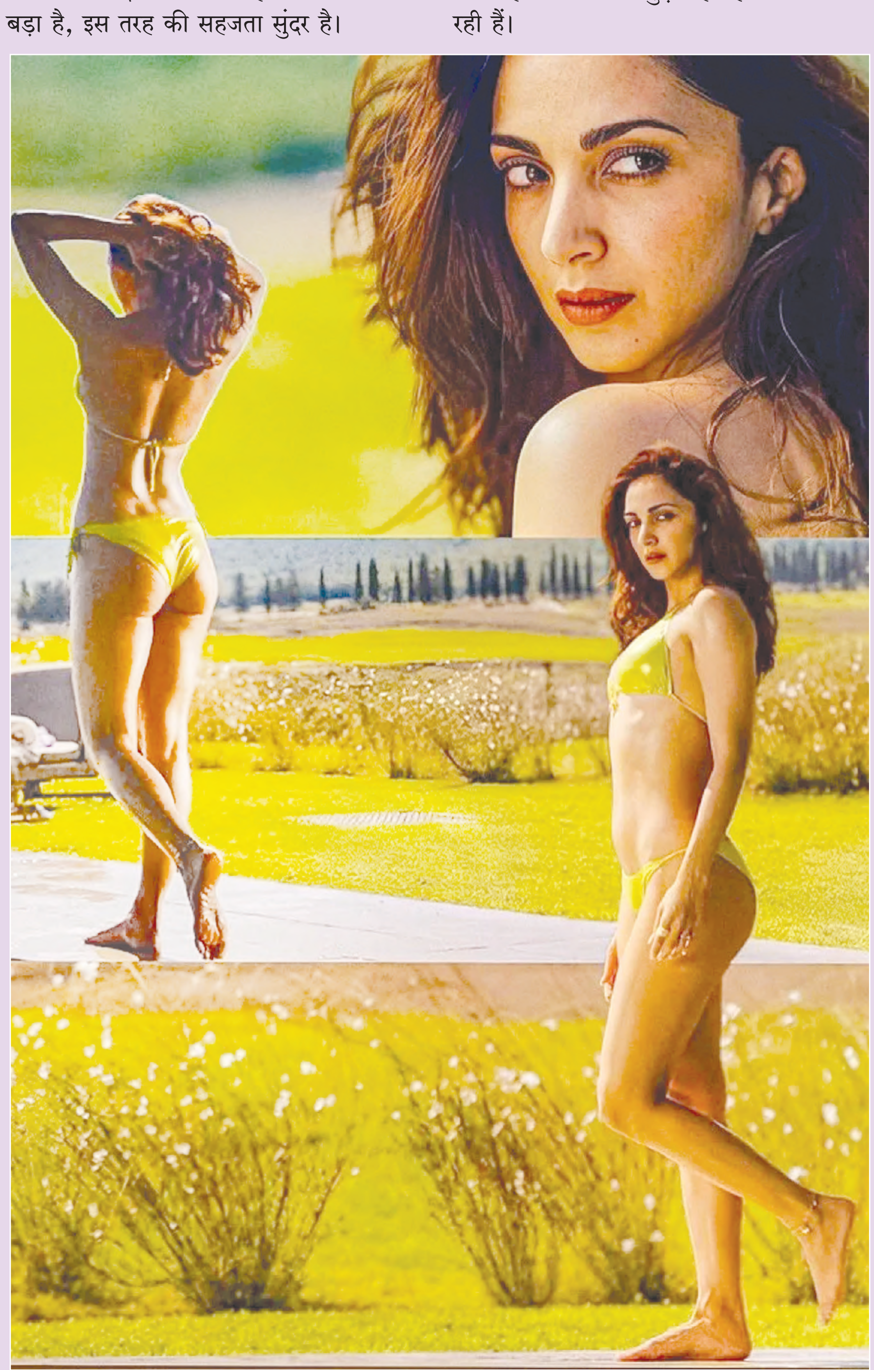

कान्स में मां शर्मिला टैगोर और सिमी गरेवाल के साथ सबा ने की यादें ताजा

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने अपनी बड़ी बेटी सबा अली खान और एक्ट्रेस सिमी गरेवाल के साथ कान्स फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। यहां वह सत्यजीत रे की क्लासिक फिल्म अरनयेर दिन रात्रि की स्क्रीनिंग के लिए पहुंची थीं। दोनों ने रेड कार्पेट पर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पल की खास तस्वीरें सबा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। तस्वीरों में शर्मिला टैगोर, सिमी गरेवाल और सबा अली खान बेहद सुंदर नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में दर्शक खड़े होकर शर्मिला को सम्मान देते नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में वह मशहूर निर्देशक वेस एंडरसन के साथ पोज दे रही हैं। इसके अलावा, शर्मिला लोगों को संबोधित करती भी दिखाई दे रही हैं।

कान्स की इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सबा ने कैप्शन में लिखा, छोटे और खास पल... स्टैंडिंग ओवेशन, जिंदगी का एक खूबसूरत जश्न। जिस टीम की वजह से यह सब मुमकिन हुआ, उन्हें बधाई!

बता दें कि सत्यजीत रे की बंगाली फिल्म अरनयेर दिन रात्रि 1970 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म फेस्टिवल में इसे अंग्रेजी में दिखाया गया। इसे अंग्रेजी में 'डेज एंड नाइट्स इन द फॉरेस्ट' नाम दिया गया। इस नए वर्जन को 2025 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में क्लासिक सेक्शन के तहत दिखाया गया। यह सेक्शन पुरानी और शानदार फिल्मों को सम्मान देने के लिए है।

इस फिल्म का प्रीमियर मशहूर हॉलीवुड निर्देशक वेस एंडरसन ने पेश किया।

'अरनयेर दिन रात्रि' फिल्म की कहानी मशहूर लेखक सुनील गंगोपाध्याय के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म में एक खास साहित्यिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसे कार्निवलस्क कहा जाता है। इसमें गंभीर विषयों को हल्के-फुल्के और कभी-कभी मजाकिया तरीके से दिखाया जाता है।

यह फिल्म 20वें बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन बियर के लिए नॉमिनेट हुई थी। इस फिल्म का दूसरा भाग आबार अरण्ये 2003 में रिलीज हुआ था, जिसे गौतम घोष ने डायरेक्ट किया था।

इस फिल्म की कहानी चार दोस्तों की है, जो शहर की बोरिंग और रोज की एक जैसी जिंदगी से छुटकारा पाने के लिए पलामू के जंगलों की तरफ घूमने निकलते हैं। जंगल में बिताया गया समय धीरे-धीरे उनके लिए खुद को समझने और अपनी ज़िंदगी को महसूस करने का एक सफर बन जाता है।

कान्स 2025: रेड कार्पेट पर छाईं जाह्नवी कपूर, प्रशंसकों को याद आईं श्रीदेवी

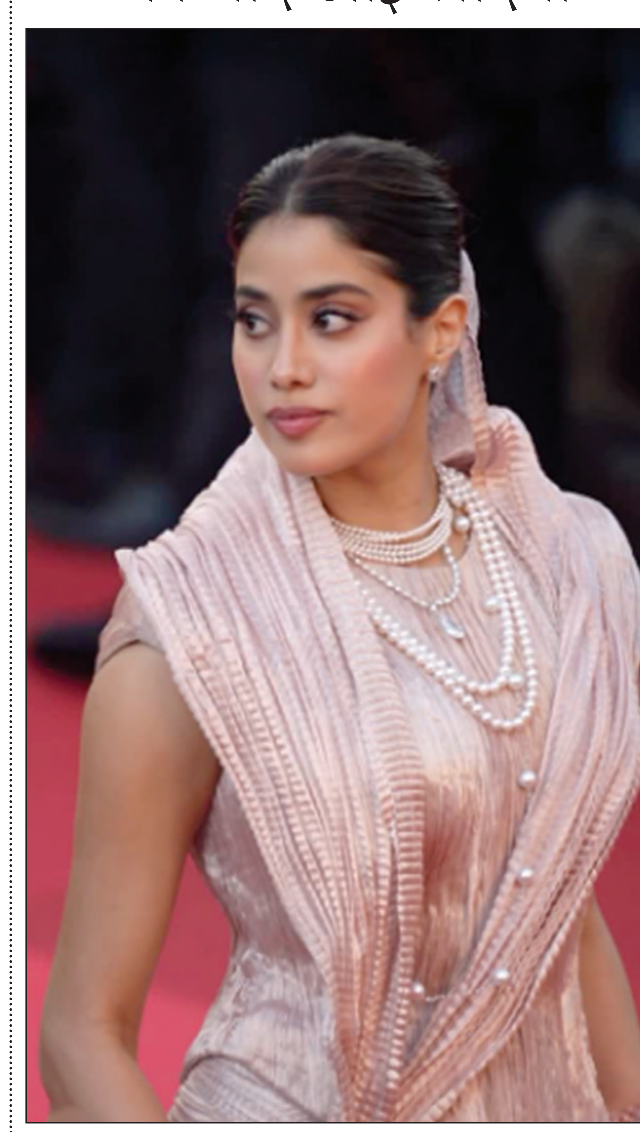

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने खुद को दर्शकों के बीच साबित करने के लिए कड़ी मेहनत की और बहुत ही कम समय में इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया है।जाह्नवी लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करती दिख रही हैं।अब उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में कदम रखा है। वह देसी अंदाज में रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरती नजर आईं।जाह्नवी अपनी फिल्म होमबाउंड के प्रीमियर के लिए कान्स पहुंचीं। इस दौरान रेड कार्पेट पर उनके साथ फिल्म के तमाम सितारे नजर आए। हालांकि, जाह्नवी के लुक ने सबका ध्यान खींच लिया।उन्होंने हल्के गुलाबी रंग की ड्रेस पहनी थी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लगीं। दुपट्टे जैसी ड्रेप ने जाह्नवी के लुक में चार चांद लगा दिए।उनकी ड्रेस मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी ने डिजाइन की थी, वहीं अभिनेत्री के इस आउटफिट को रिया कपूर ने स्टाइल किया था।रेड कार्पेट पर जाह्नवी का यह लुक देख कई प्रशंसकों को उनकी मां श्रीदेवी की याद आ गई, वहीं डाइट सब्या के अनुसार, जाह्नवी ने अपनी मां को अपने कान्स लुक के जरिए याद किया है।उनके पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक ने लिखा, जाह्नवी बिल्कुल अपनी मां जैसी लग रही हैं। एक लिखते हैं, श्रीदेवी इस वक्त बहुत खुश होंगी।अब जाह्नवी का यह कान्स लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

फिल्म वृषभ से मोहनलाल की पहली झलक आई सामने, 16 अक्तूबर को रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता मोहनलाल के जन्मदिन पर फैंस को तोहफा मिला है। उनकी बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म वृषभ से एक्टर की पहली झलक सामने आई है। पोस्टर में मोहनलाल धांसू अवतार में नजर आ रहे हैं।मोहनलाल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से वृषभ की पहली झलक शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह कुछ खास है। इसे मैं अपने सभी फैंस को समर्पित करता हूं। इंतजार आखिर खत्म हुआ। तूफान जाग उठा है। गर्व और शक्ति के साथ वृषभ का पहला लुक आपके सामने पेश है। यह एक ऐसी कहानी है, जो आपकी आत्मा को जगाएगी और समय के साथ गूंजेगी। मेरे जन्मदिन पर यह लुक रिलीज करना इसे और सार्थक कर गया। आप सभी का प्यार ही मेरी ताकत रहा है।सामने आई झलक में मोहनलाल एक पौराणिक योद्धा राजा की तरह नजर आ रहे हैं। उनका अंदाज आकर्षक और प्रभावी है। हाथों में तलवार थामे, पारंपरिक आभूषण पहने वे राजसी अंदाज में दिख रहे हैं। फिल्म वृषभ 16 अक्तूबर 2025 को रिलीज होगी।नंदा किशोर ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं एकता कपूर फिल्म की सह-निर्माता हैं।वृषभ के जरिए अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर साउथ में डेब्यू करने जा रही हैं।रोशन मेका, जहरा एस खान, रागिनी द्विवेदी और श्रीकांत मेका जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल और मलायलम भाषा में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। किसी बच्चे या बूढ़े के स्वास्थ को लेकर हुई परेशानी अप्रत्यक्ष रूप से आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंद–ीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन इससे अधिक रंगों से भरा कभी नहीं रहा है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। प्रेम–संबंध में गुलाम की तरह व्यवहार न करें। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर–स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आप–को भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठीक हो जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 मई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 10:32 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा सायं 04:03 तक
योग : प्रीति रात्रि 06:36 तक
करण : बव प्रातः 11:57 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अपरा एकादशी व्रत ,
पंचक चालू है , गण्डमूल सायं 04:04 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीकानेर में

26,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

बीकानेर, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राजस्थान के बीकानेर में 26,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करने के साथ–साथ इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया और ऑनलाइन शामिल हुए 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों की महत्वपूर्ण भागीदारी के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए देश भर के सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

मोदी ने कहा कि वे करणी माता का आशीर्वाद लेकर इस कार्यक्रम में आए हैं, जो विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत करता है। 26,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने देश के विकास को आगे बढ़ाने में इनके योगदान की सराहना की और नागरिकों को बधाई दी। भारत के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे और रेलवे स्टेशनों में हुई तीव्र प्रगति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत अब छह गुना अधिक निवेश कर रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर देश की प्रगति पर ध्यान गया है। उन्होंने उत्तर में चिनाब ब्रिज, अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग, असम में बोगीबील ब्रिज, मुंबई में अटल सेतु और दक्षिण में पंबन ब्रिज का उदाहरण दिया।

रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण पर चर्चा करते हुए मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रेलों की शुरुआत का उल्लेख किया। लगभग 70 मार्गों पर वंदे भारत रेल चल रही है, जिससे दूरद–राज के क्षेत्रों में आधुनिक रेल संपर्क स्थापित हो रहा है। उन्होंने पिछले 11 वर्षों में 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे पटरियां बिछाने, मानव रहित लेवल क्रॉसिंग समाप्त करने, माल गलियारों के विकास और पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण बताया। इसके साथ ही 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण भी जारी है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि आधुनिक रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन नाम दिया गया है और अब तक 100 से अधिक ऐसे स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं। उन्होंने मंडलगढ़, थावे, ओरछा, श्रीरंगम, डाकोर, तिरुवन्नामलाई और बेगमपेट जैसे स्टेशनों के स्थापत्य और सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से बात की। ये स्टेशन न केवल विरासत को संरक्षित करते हैं, बल्कि पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। उन्होंने नागरिकों से स्टेशनों की स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बुनियादी ढांचे में निवेश रोजगार सृजन और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है, मोदी ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये सीधे श्रमिकों, दुकानदारों, कारखाने के कर्मचारियों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं। परियोजनाएं पूरी होने पर किसान कम लागत पर अपनी उपज बाजार तक पहुंचा पाएंगे, जिससे बर्बादी कम होगी। बेहतर सड़कें और रेलवे नेटवर्क नए उद्योगों और पर्यटन को आकर्षित करते हैं। इसका लाभ युवा आर्थिक अवसरों के रूप में पाएंगे। राजस्थान में बुनियादी ढांचे के विकास से लाभों पर मोदी ने कहा कि सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता की सड़कें बन रही हैं। पिछले 11 वर्षों में राजस्थान में लगभग 70,000 करोड़ रुपये का सड़क विकास हुआ है। इस वर्ष राज्य में रेलवे विकास पर लगभग 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो 2014 से पहले की तुलना में 15 गुना वृद्धि है। उन्होंने बीकानेर–मुंबई नई ट्रेन का शुभारंभ किया और विभिन्न स्वास्थ्य, जल तथा बिजली परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला। इन पहलों से युवाओं को अपने शहरों में रोजगार मिलेगा।

मोदी ने राजस्थान में औद्योगिक विकास का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई औद्योगिक नीतियां शुरू की हैं, जिससे बीकानेर को लाभ मिलेगा। बीकानेरी भुजिया और रसगुल्ले की वैश्विक पहचान बढ़ेगी, और राज्य की रिफाइनरी परियोजना अंतिम चरण में है, जिससे राजस्थान पेट्रोलियम उद्योग का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने अमृतसर–जामनगर छह लेन आर्थिक गलियारे और दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे के विकास का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना से 40,000 से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं, जिससे बिजली बिल खत्म हो गए हैं और सौर ऊर्जा से आय हो रही है। बिजली परियोजनाओं के विकास से राज्य की आपूर्ति में वृद्धि होगी, जो औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है। राजस्थान के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के प्रयासों को याद किया, जिन्होंने रेगिस्तानी इलाकों को उपजाऊ बनाया। सिंचाई परियोजनाओं और नदियों को जोड़ने की योजना से किसानों को लाभ होगा और क्षेत्र की स्थिरता बढ़ेगी।आतंकवाद और सुरक्षा विषय पर प्रधानमंत्री ने 22 अप्रैल के हमले की निंदा की। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की निर्णायक कार्रवाई और ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, जिससे पाकिस्तान को झुकना पड़ा। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति और पाकिस्तान के खिलाफ आर्थिक एवं सैन्य दबाव की बात कही। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ता और नए भारत के साहस का परिचय दिया। प्रधानमंत्री ने बीकानेर पहुंचने पर नल हवाई अड्डे पर उतरने का उल्लेख किया, जिसे पाकिस्तान ने निशाना बनाया था लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। सीमा पार पाकिस्तान के एयरबेस को बंद करने के सैन्य हमलों का भी जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान के साथ व्यापार या बातचीत से इंकार करते हुए चेतावनी दी कि आतंकवाद जारी रहने पर आर्थिक बर्बादी झेलनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान को उसके हिस्से के पानी तक पहुंचने नहीं देगा और उसे भारी कीमत चुकानी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी को नाल एयरफोर्स स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों एवं उच्च अधिकारियों ने दी विदाई

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुरुवार को एक दिवसीय बीकानेर दौरे के बाद नाल एयरफोर्स स्टेशन से प्रस्थान पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं उच्च अधिकारियों ने भावपूर्ण विदाई दी।इस अवसर पर विधायक गणेश राज बंसल, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, एओसी नाल एयरफोर्स स्टेशन एयर कोमोडोर अमित कुमार बुद्धवार(विशिष्ट सेवा मेडल), पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, बीकानेर यूआईटी पूर्व चौयरमेन महावीर रांका सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्कोर्पियो से 465 किलो से अधिक अवैध डोडाचूरा जब्त

चित्तौड़गढ़, 22 मई (एजेंसियां)। कपासन थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक स्कोर्पियो गाड़ी से 466.360 किलो अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम व धरपकड़ कार्यवाही के तहत बुधवार की रात्रि को थाना कपासन के जाप्ता उप निरीक्षक गोवर्धन सिंह, एएसआई शंकर लाल, कानि. महेन्द्र सिंह, किशन लाल, कुंज बिहारी, राजेश, सहदेव, बद्रीलाल, वेदप्रकाश व राजेश द्वारा थाना क्षेत्र में गश्त की जा रही थी।

इसी दौरान गोरा जी का निम्बाहेड़ा एवं कैसर खेड़ी के बीच हाईवे पर चित्तौडगढ़ की तरफ से तेज गति से आती हुई एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाडी को रोकने के लिए इशारा किया तो स्कॉर्पियो गाड़ी के चालक ने गाड़ी को वापस चित्तौड़गढ़ की तरफ घूमाने के लिए फुटपाथ की तरफ तेज गति से ली जिससे स्कॉर्पियो गाडी असंतुलित होकर पीछे की तरफ खाई में उतर गई स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठा चालक एवं एक अन्य व्यक्ति स्कॉर्पियो गाड़ी से उतर कर खेतों की तरफ भाग गए।

जिनका पुलिस जाप्ता ने काफी पीछा किया लेकिन उक्त दोनों व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठा कर खेतों की तरफ भाग गए। मौके पर खड़ी स्कॉर्पियो गाडी की तलाशी ली गई तो स्कॉर्पियो गाडी में कुल 25 कट्टे में 466.300 किलोग्रांम अवैध अफीम डोडाचूरा होना पाया गया। उक्त डोडाचूरा व स्कॉर्पियो गाडी व कार की तलाशी में मिले दो मोबाईल फोन को जब्त किया गया। थाना कपासन पर प्रकरण दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाही में कानि. महेन्द्र सिंह, किशन लाल व कुंज बिहारी की विशेष भूमिका रही।

रोजगार सहायता शिविर में हजारों युवाओं के सुनहरे भविष्य की राह हुई प्रशस्त

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर के तत्वावधान में गुरुवार को बनीपार्क स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में कैरियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर रोजगार सहायता शिविर का उद्घाटन किया। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर की उप निदेशक नवरेखा ने बताया कि रोजगार सहायता शिविर में 1 हजार 904 आशार्थियों ने भाग लिया। उक्त रोजगार सहायता शिविर में निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फॉर्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेंटर, बीमा आदि क्षेत्रों से संबंधित 30 निजी नियोजकों ने मौके पर ही 1 हजार 327 युवा आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया एवं प्रशिक्षण हेतु 97 आशार्थियों का चयन किया गया। इस प्रकार उक्त आयोजन में कुल 1 हजार 424 आशार्थी लाभान्वित हुए। इस मौके पर अतिथियों द्वारा 10 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले 05 निजी नियोजकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. समित शर्मा ने निजी क्षेत्र के नियोजकों को एवं उपस्थित सभी बेरोजगार आशार्थियों को जीवन में मन को शांत एवं एकाग्रचित रखते हुए निरंतर आगे बढते रहने का संदेश प्रदान किया तथा तन से अधिक मन की शक्ति का महत्व बताया।उन्होंने बताया कि हाल ही की बजट घोषणा में रोजगार मेलों का आयोजन कर आगामी वर्ष में 01 लाख 50 हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाया जाना प्रस्तावित है, इस उद्देश्य से उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा रोजगार सहायता शिविर का आयोजन कर निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ बेरोजगार युवाओं को प्रदान किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि रोजगार विभाग के निदेशक, धर्मपाल मीणा ने बताया कि विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के अंतर्गत शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को प्रति माह बेरोजगारी भत्ता राशि के रूप में भुगतान कर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है, एवं राज्य सरकार के कौशल,रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य–योजना के अन्तर्गत संपूर्ण प्रदेश में रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन कर विभिन्न क्षेत्रों में बेरोजगार आशार्थियों का प्राथमिक चयन करवाया जाता है।

पाल गडरिया समाज बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे : सैनी

चंडीगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पाल गडरिया समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। ज्ञान ही वह शस्त्र है जो हर बंधन को तोड़ सकता है। मुख्यमंत्री बुधवार को देर सायं चंडीगढ़ में मातेश्वरी अहिल्याबाई के 300वें जन्मोत्सव पर जनजागरण अभियान की शुरुआत करते हुए पाल गडरिया समाज के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने मातेश्वरी अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अहिल्याबाई के जन्मोत्सव पर आज शुरू हुआ जनजागरण अभियान 31 मई तक चलेगा और 31 मई को मातेश्वरी अहिल्याबाई के जन्मोत्सव पर कुरुक्षेत्र में विशाल समारोह के साथ संपन्न होगा।

उन्होंने कहा कि पाल गडरिया समाज में भारत की महान परंपराओं, संस्कृति और श्रमशीलता की जीवंत तस्वीर दिखाई देती है। यह समाज पीढ़ियों से भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। पाल गडरिया समाज का अतीत और परम्पराएं गौरवशाली रही हैं। इस समाज के लोग होलकर वंश के प्रतिनिधि हैं, जिसका मध्य प्रदेश के इंदौर में बहुत लम्बे समय तक शासन रहा है। इसी समाज ने मल्हारराव होलकर जैसे योद्धा और मातेश्वरी अहिल्या बाई जैसी वीरांगनाएं दी हैं।उन्होंने कहा कि जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं, तो इसके निर्माण में पाल गडरिया समाज जैसे मेहनतकश समुदायों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। आप लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने श्रम, आत्मबल और निष्ठा से यह सिद्ध किया है कि गांव–गांव में अगर भारत बसता है, तो उसमें आपकी मेहनत की महक अवश्य होती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश का दुर्भाग्य रहा है कि आजादी के बाद दशकों तक जानबूझकर कुछ वर्गों को नजरअंदाज किया गया। उनके लिए न कोई नीति बनी, न कोई दिशा तय की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज का भारत, नया भारत है। यह भारत सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर चल रहा है। हम सिर्फ योजनाएं नहीं बना रहे, हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि उन योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक अवश्य पहुंचे।नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस प्रकार मातेश्वरी अहिल्याबाई ने अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया और गरीबों के लिए संघर्ष किया, ठीक इसी रास्ते पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया तथा अनुसूचित जातियों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं प्रारंभ की हैं। हरियाणा सरकार ने भी यह महसूस किया कि अनुसूचित जातियों में कुछ लोग अभी भी आरक्षण के लाभ से वंचित रह गये हैं। उन्हें भी यह लाभ देकर समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अनुसूचित जातियों के आरक्षण में वर्गीकरण को लागू किया गया है।

नायब सैनी की पंजाब को दो टूकःपानी पर राजनीति नहीं

चंडीगढ़, 22 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा और पंजाब के बीच चला पानी का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस बार मुख्य मंत्री नायब सैनी ने पंजाब सीएम भगवंत मान पर तंज कसा है। सीएम सैनी ने बहुत स्पष्ट रूप से व्यक्त किया,यह समस्या पीने के पानीकी है – राजनीति की नहीं। हमारे गुरुओं ने भी हमें गरीबों की सहायता करने का निर्देश दिया है। ऐसी परिस्थितियों में, यदि भागवंत मान वास्तव में गुरुओं के मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं, तो उन्हें अपने निर्णयों पर पुनर्विचार करना चाहिए। सीएम सैनी ने हमलावार होते हुए कहा कि भगवंत मान शायद कुछ राजनीतिक अहंकार में हैं; तभी वो गुरुओं के दिखाए मार्ग से भटकते हुए दिख रहे है। मैं उनसे निवेदन करता हूं – वो राजनीति को एक तरफ रखें और हरियाणा को उसके हक का स्वच्छ पेयजल दे।

सेवा, समर्पण और स्वाभिमान के पथ पर आगे बढ़े युवा वर्ग: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के बहादुर सैनिकों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, इससे पूरे विश्व को भारत के शौर्य का संदेश मिला है और देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया है कि अपने नागरिकों की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि अब तक हमने अनेक सैन्य अभियानों को देखा है, परंतु ऑपरेशन सिंदूर मानवीय, तकनीकी दक्षता और तेज रणनीति की अद्भुत मिसाल है।

मुख्यमंत्री आज जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा शहर में ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा यात्रा से पूर्व उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। भारी संख्या में उपस्थित युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री की अगुवाई में तिरंगा यात्रा में भाग लिया और देश के वीर सैनिकों व ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में चलाई जा रही इस मुहिम में बढ़चढ़ कर योगदान दिया।

सैदपुर नाला से पहाड़ी तक भूमिगत नाला और सड़क निर्माण कार्य का सीएम ने किया निरीक्षण

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को सैदपुर नाला से लेकर पहाड़ी तक बन रहे भूमिगत नाला एवं उसके ऊपर फोर लेन सड़क निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और इसे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए बेहद उपयोगी योजना बताया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने शीतला मंदिर फ्लाईओवर के पास स्थित नाला, ड्रेनेज पंपिंग प्लांट (पहाड़ी) और सैदपुर नाला का भी जायजा लिया। इस अवसर पर नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह और नगर आयुक्त अनिमेष परासर ने मुख्यमंत्री को योजना की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पहले भी इस योजना का निरीक्षण कर चुके हैं। यह एक महत्वाकांक्षी और जनहितैषी परियोजना है। सैदपुर नाले का सुदृढ़ीकरण कर उसके ऊपर चार लेन की सड़क बनाई जा रही है। इससे न केवल सैदपुर, राजेन्द्र नगर, मुसल्लहपुर हाट, गायघाट और पहाड़ी क्षेत्र में ट्रैफिक की समस्या दूर होगी, बल्कि लोगों को न्यू पटना बाईपास तक जाने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग भी मिलेगा। फोर लेन बनने से शहर का सौंदर्य भी बढ़ेगा और आवागमन सुगम होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य को तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए ताकि इसका लाभ जल्द से जल्द जनता को मिल सके।

उल्लेखनीय है कि पटना के नौ ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन और एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से निकलने वाला पानी सैदपुर नाला के माध्यम से प्रवाहित होता है। नगर विकास एवं आवास विभाग के अधीन बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) द्वारा इस योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत 259.81 करोड़ रुपये है और इसके अंतर्गत 5.61 किलोमीटर लंबा भूमिगत नाला एवं उसके ऊपर सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन तथा संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव कुमार रवि, पटना के जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह और नगर आयुक्त अनिमेष परासर भी उपस्थित थे।

बिहार में झुग्गी घोटाला : फर्जी स्लम दिखाकर केंद्र सरकार से 49 करोड़ स्वीकृत कराने का मामला आया सामने

पटना (एजेंसियां)।

बिहार एक चौंकने वाला मामला सामने आया है। पटना जिले में झुग्गी घोटाला होने का आरोप लगा है। दावा है कि फर्जी दस्तावेज और झुग्गियों को दिखाकर केंद्र सरकार से 49 करोड़ की राशि स्वीकृत करवा ली गई है।

इतना ही नहीं इस 49 करोड़ में से साढ़े तीन करोड़ का गबन भी हो चुका है। यह पूरा मामला नौबतपुर नगर पंचायत का है। यहां समेकित आवास एवं स्लम विकास कार्यक्रम की राशि हड़पने के लिए बड़ा खेल किया गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि नौबतपुर में एक भी स्लम बस्ती नहीं है फिर भी यह खेला हो गया।

49 करोड़ की राशि स्वीकृत होने के बाद समेकित आवास एवं स्लम विकास योजना की राशि ऐसे लोगों में बांटी गई जो इसके पात्र भी नहीं थे। इनमें सरकारी नौकरी करने वाले, संपन्न लोग, बाहरी लोग भी शामिल हैं। कुछ तो ऐसे भी जिन्हें पहले ही इंदिरा आवास का लाभ मिल चुका है। अब नौबतपुर निवासी दो लोगों की शिकायत पर निगरानी थाने में आठ मई को केस दर्ज की गई है। शिकायत में कहा गया कि यह घोटाला 2012 से 2014 के बीच हुआ। 2018 में नौबतपुर में इसको लेकर एक केस भी हुआ। इसमें तीन लोगों को जेल भी जाना पड़ा। अब फिर से निगरानी थाना में केस दर्ज हुआ है।

इधर, इस मामले के आरोपियों में से एक और नौबतपुर नगर पंचायत के तत्कालीन अध्यक्ष कौशल कौशिक ने कहा कि नौबतपुर पंचायत में चुनाव होने वाला है। इसलिए साजिश के तरह ऐसा किया गया है। यह सब फंसाने के लिए किया जा रहा है। इसलिए निगरानी में केस भी की गई है। डीपीआर बनाकर नगर विकास एवं आवास विभाग को भेजा गया था। जांच पड़ताल के बाद केंद्र सरकार से राशि मिली थी।

शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन

98 शिक्षकों पर गिरी गाज, कई अन्य पर भी लटकी है कार्रवाई की तलवार

पटना (एजेंसियां)।

शिक्षा विभाग ने सख्ती करते हुए कुल 598 पर कार्रवाई की है। शिक्षा विभाग ने राज्य भर शिक्षकों की बर्खास्तगी और निलंबन की घोषणा की है। बर्खास्त होने वाले शिक्षकों की संख्या 61 है, जबकि विभाग ने 264 शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके अतिरिक्त 273 शिक्षकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

इस संबंध में शिक्षा विभाग का कहना है कि यह कार्रवाई कार्यक्षमता में लापरवाही, विभागीय आदेशों की अवहेलना और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद कि गई है।

विभाग का यह भी कहना है कि उन शिक्षकों पर यह आरोप है कि कई ऐसे शिक्षक स्कूल में उपस्थिति दर्ज कराकर या फिर हेडमास्टर से मिलीभगत कर विद्यालय से गायब हो जाते हैं। साथ ही स्कूल मद की राशि में भी अनियमितता पायी गई हैं। कई जगहों से लापरवाही और भ्रष्टाचार की भी शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में शिक्षक और अधिकारी भी शामिल हैं।

शिक्षा विभाग ने कुल 598 शिक्षकों पर कार्रवाई की है, जिनपर लापरवाही करने का आरोप लगा है। इस संबंध में विभाग का कहना है कि 61 शिक्षकों को बर्खास्त किया गया है, 264 शिक्षकों को निलंबित किया गया है, जबकि 273 शिक्षक जांच के घेरे में हैं।

इस संबंध में शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक (प्रशासन) सुबोध कुमार चौधरी का कहना है कि उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को कार्रवाई करने के

निर्देश जारी कर दिए हैं। सुबोध कुमार चौधरी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से बर्खास्तगी, निलंबन और कार्रवाई के सभी आंकड़े गूगल शीट के माध्यम से देने का निर्देश दिया गया। कुछ जिलों द्वारा सूचनाएं अधूरी दी गई हैं या गूगल शीट-2 में कोई आंकड़ा नहीं भरा गया है। इनमें अररिया, जमुई, नालंदा, पटना, सहरसा, शेखपुरा, सारण, सीतामढ़ी, सुपौल और सीवान शामिल हैं। शिक्षा विभाग का कहना है कि यह एक गंभीर ला-परवाही है।

तेज रफ्तार हाइवा ने युवा पशु चिकित्सक को कुचला, पटना ले जाते समय डॉक्टर ने तोड़ा दम

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में एक पशु चिकित्सक की मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे चिकित्सा समुदाय को गहरे शोक में डाल दिया। बताया जा रहा है कि बिहारशरीफ-राजगीर फोरलेन पर टाड़पर गांव के निकट एक तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार को कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेकिन इलाज के लिए पटना ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक, 39 वर्षीय डॉ. सुनील कुमार वर्तमान में नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के वास्तु विहार में रह रहे थे। वह किसी कार्य के सिलसिले में सोमवार शाम मोटरसाइकिल से कारगिल चौक जा रहे थे। परिजनों के अनुसार, वह रोज की तरह अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निकले थे। लेकिन टाड़पर गांव के पास एक अनियंत्रित हाइवा ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से डॉ. सुनील को इलाज के लिए पटना ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इस खबर से उनके परिजनों और सहकर्मियों में मातम पसर गया। उनकी असामयिक मौत से ग्रामीण पशु चिकित्सा सेवा क्षेत्र के सहयोगी मर्माहत हैं।

जानकारी के मुताबिक, डॉ. सुनील कुमार 2022 से नवादा जिले के ओढ़नपुर में भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित थे। अपने सेवाकाल के दौरान वह ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के उपचार और देखभाल को लेकर बेहद सक्रिय रहते थे। मूल रूप से वे शेखपुरा जिले के निवासी थे। लेकिन वर्तमान में अपने कार्य क्षेत्र की सुविधा के लिए दीपनगर के वास्तु विहार में रह रहे थे।

उनकी सहकर्मी डॉक्टरों और विभागीय अधिकारियों ने उन्हें एक ईमानदार, मेहनती और संवेदनशील चिकित्सक बताया। वह हमेशा क्षेत्रीय पशुपालकों के साथ सहज संवाद बनाकर पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाते थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु ने विभाग को एक गहरा झटका दिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही दीपनगर थानाध्यक्ष जितेंद्र राम मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर बिहारशरीफ सदर अस्प-ताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल हाइवा ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों द्वारा आवेदन दिए जाने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार पुलिस सिपाहियों का तबादला टला, पटना हाईकोर्ट ने अमिताभ बच्चन की अपील पर लगाई रोक

पटना (एजेंसियां)।

बिहार पुलिस मुख्यालय ने हाल ही में किया था बड़े पैमाने पर सिपाहियों का तबादला किया था, लेकिन पटना हाईकोर्ट ने राज्य के 19858 सिपाहियों की स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। सिपाही अमिताभ बच्चन एवं अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर जस्टिस राजेश वर्मा ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को चार सप्ताह में स्थिति स्पष्ट करते हुए हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले की सुनवाई ग्रीष्मावकाश के बाद की जाएगी।

पटना हाईकोर्ट ने राज्य के 19858 सिपाहियों की स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। सिपाही अमिताभ बच्चन एवं अन्य की ओर से दायर याचिकायों पर जस्टिस राजेश वर्मा ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को चार सप्ताह में स्थिति स्पष्ट करते हुए हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है।अब इस मामले की सुनवाई ग्रीष्मावकाश के बाद की जाएगी।

अधिवक्ता अवनीश कुमार ने ये याचिकायें दायर की है। उनका कहना है कि गत 5 मई को एक साथ 19858 सिपाहियों का स्थानान्तरण एक जिला से दूसरे जिला में कर दिया गया है।

अधिवक्ता अवनीश कुमार का कहना है कि बगैर किसी स्थानांतरण नीति के सिपाहियों का स्थानांतरण किया गया है। उनका यह भी कहना है कि वर्ष 2022 में पूर्व के स्थान्तरण नीति को समाप्त कर दिया गया।

उसके बाद आज तक कोई नया स्थानांतरण नीति नहीं बनाई गई। इसके बावजूद 2010 से लेकर 2015 के बीच नियुक्त सिपाहियों के स्थानांतरण कर दिया गया। अधिवक्ता अवनीश कुमार का यह भी कहना है कि बिना किसी निर्धारित स्प्रक्रिया अपनाये स्थानांतरण कर दिया गया हैं, जबकि हजारों सिपाही जिला में कार्यरत हैं ,जिनका स्थानांतरण नहीं हुआ है। इस मामलें पर अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले सुब्रमण्यम स्वामी

'पाकिस्तान को और सबक सिखाया जाना चाहिए था'

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद रह चुके डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने गुरुवार को पाकिस्तान को लेकर एक बार फिर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

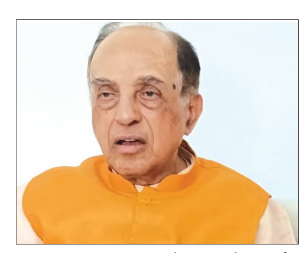

पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को और अधिक कठोरता से सबक सिखाया जाना चाहिए था। सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम नरसंहार के जरिए इस टकराव की शुरुआत की थी, जो हमारे पूरे सभ्यता इतिहास में सबसे बर्बर और वीभत्स कृत्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों पर हमला किया, वह न केवल अमानवीय था, बल्कि यह हमारे अस्तित्व और संप्रभुता पर सीधा हमला था। ऐसे में भारत की प्रतिक्रिया और भी कठोर होनी चाहिए थी। डॉ. स्वामी ने सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीतिक स्तर पर भेजे जा रहे ऑल-पार्टी डेलीगेशनों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि इन प्रतिनिधिमंडलों का कोई असर नहीं होने वाला। हर कोई जानता है कि इन दौरों का मकसद सिर्फ विदेश भ्रमण का आनंद उठाना है। स्वामी का यह बयान ऐसे समय आया है जब सरकार ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन जुटाने के लिए प्रयासरत है और विभिन्न देशों में राजनीतिक प्रतिनिधिमंडलों को भेज रही है।

मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर पथराव, पुलिस ने एक परिवार को घर में घुसकर पीटा

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले में पुलिस पर हुए हमले के बाद जवाबी कार्रवाई का मामला सामने आया है, जिससे पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। बरांटी थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव में देर रात दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब स्थिति को शांत कराने पहुंची पुलिस टीम पर ही ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसके जवाब में पुलिस की कार्रवाई में कई लोग घायल हो गए।

जानकारी के मुताबक, मामला बहुआरा गांव निवासी डॉक्टर ज्वाला के भतीजे और धर्मेंद्र पासवान के परिजनों के बीच फुलहरा बाजार में हुए विवाद से शुरू हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस विवाद के बाद धर्मेंद्र पासवान के परिजन डॉक्टर ज्वाला के क्लिनिक में घुस गए और उनके साथ मारपीट की। घटना की सूचना मिलते ही बरांटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हस्तक्षेप करने की कोशिश की।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद थी, लेकिन स्थिति इसके विपरीत हो गई। धर्मेंद्र पासवान के परिजनों और समर्थकों ने अचानक पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में पुलिस वाहन को भी क्षति पहुंची और पुलिसकर्मियों को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए गांव में प्रवेश किया और जवाबी कार्रवाई की।

घटना के बाद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि पुलिस ने एक परिवार के घर में घुसकर लाठियां चलाईं। इस दौरान दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घायलों में फुलना देवी, सीमा देवी, जलाल पासवान, शोभा देवी, यश कुमार, उषा कुमारी, मुस्कान कुमारी, कविता देवी और सविता कुमारी शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद धर्मेंद्र पासवान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे काम से लौट रहे थे, तभी पुलिस उनके घर में घुसी और महिलाओं-बच्चों समेत सभी की पिटाई कर दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनका उस विवाद से कोई लेना-देना नहीं था, जो बाजार में हुआ था।

बरांटी थाना अध्यक्ष आशुतोष शुक्ला ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक क्लिनिक में कुछ लोग डॉक्टर की पिटाई कर रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल को इलाज के लिए अस्प-ताल भेज रही थी, तभी दूसरे पक्ष ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की है और मामले की जांच जारी है। हालांकि इस घटना के बाद बहुआरा गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस बल को इलाके में तैनात किया गया है ताकि किसी भी तरह की और अनहोनी को रोका जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com